CMYK

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक

संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, बुधवार, 26 फरवरी 2025 । वर्ष – 34 । अंक –297 । पृष्ठ –12 । मूल्य – 4.00 रु

महाशिवरात्रि आज

■ भारत तो हमेशा से ही आशा का केन्द्र रहा है, मोदी जी!
■ कम्पनियों को जंगलों में प्रवेश देने से भयभीत वन निवासी
पृष्ठ 4

■ बांग्लादेश में बढ़ रही अपराध दर सवालों के घेरे में यूनुस सरकार
■ ईरान में अफगान शरणार्थियों का बुरा हाल
पृष्ठ 9

भारत को आत्मसंतुष्ट होने की जरूरत नहीं : देवजीत सैकिया
पृष्ठ 10

शराब पीने से मौत, गृहमंत्री के जवाब से नाराज विपक्ष ने किया बहिर्गमन

रायपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन बिलासपुर के ग्राम लोफंदी में अवैध शराब पीने से आठ लोगों की हुई मौतों का मामला उठा। गृह मंत्री विजय शर्मा ने अपने लिखित जवाब में बताया कि मामले की जांच की जा रही है।एफएसएल की आने वाली रिपोर्ट को स्वीकारा जाएगा। गृह मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने ध्यानाकर्षण के जरिए ग्राम लोफंदी में मौत का मामला उठाते हुए कहा कि प्रदेश में शराब की बाढ़ आई है, इसे रोकना होगा। गली–गली में लोग शराब बेच रहे हैं।अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो।महंत ने कहा कि बच्चों के भविष्य ठीक करने के लिए शराब बिक्री रोकनी होगी।स्कूलों मे शिक्षक शराब सेवन कर पहुंचे रहे हैं।

ध्यानाकर्षण के दौरान नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि बिलासपुर के पास लोफंदी गांव में मादक पदार्थ का सेवन करने से 6 फरवरी से 8 फरवरी के बीच तीन दिन में आठ लोगों की मृत्यु हो गई।9 फरवरी को एक ग्रामीण की उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके अतिरिक्त चार ग्रामीणों का रायपुर में उपचार चल रहा है।गांव में स्वास्थ्य विभाग व्दारा हेल्थ कैम्प लगाकर अलग उपचार किया जा रहा है। गंभीर लक्षण वाले तीन पीड़ितों का सिम्स बिलासपुर में उपचार चल रहा है। ग्रामीणों द्वारा 6 मृतकों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। ग्रामीणों के अभिकथन एवं सिम्स अस्पताल परिसर की पुलिस चौकी के मेमो डायरी में मृतकों की शराब सेवन से तबियत बिगड़ना लिखा है।उसके बाद भी प्रशासन मानने को तैयार नहीं है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि लोफंदी गांव की घटना पर जांच बिठाई गई है।छह सदस्यीय टीम की जांच रिपोर्ट में जो भी तथ्य सामने आएंगे कार्रवाई की जाएगी।विष्णु देव साय सरकार का जीरो टालरेंस पर विश्वास है। पहली बार ऐसा हुआ है कि शराब के धंधे में अवैध रूप से लिप्त 4 लोगों की 1 करोड़ 80 लाख की प्रापर्टी राजसात की गई है।पिछली सरकार के समय में तो यह हाल था कि शराब का धंधा कैसा हो यह सीखने लोग दूसरे राज्यों तक में गए थे।

डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि 10 वीं–12 वीं पढ़ रहे बच्चे शराब की लत के शिकार हो चुके हैं।गुरु जी शराब पीकर स्कूलों में पढ़ाने जा रहे हैं।मुख्यमंत्री तक के जिले में बिहार एवं पंजाब से अवैध रुप से शराब आ रही है।गली–गली में कोचिए पकड़े जा रहे हैं।लोफंदी ही नही बिलासपुर जिला सहित पूरे प्रदेश में शराब तथा अन्य मादक पदार्थों का अवैध कारोबार व्यापक पैमाने पर चल रहा है। गांव–गांव में दूध के पैकेट की तरह शराब सरलता से मिल रही है। पिछले दिनों भिलाई दुर्ग में 31 लाख की शराब पकड़ी गई।बिलासपुर में तो गोवा से तीन राज्यों की सीमा पार करते हुए एक करोड़ की शराब से भरा कंटेनर पकड़ाया है।बिलासपुर में एक माह में 6 हजार लीटर से जादा अवैध शराब पकड़ी गई है।अवैध शराब का धन्धा पूरी तरह से आबकारी विभाग एवं स्थानीय पुलिस के संरक्षण में फलता–फूलता है। पुलिस के छापे से पहले तस्करों को सूचना मिल जाती है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कच्ची शराब पीकर लोग मर रहे हैं। सरकार बताए कि कच्ची शराब बनाने वालों के खिलाफ क्या कार्रवाई होगी। कांग्रेस विधायक व्दय विक्रम मंडावी एवं शेषराज हरबंश ने भी अवैध शराब बिक्री के लिए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। इस पर उप मुख्यमंत्री ने पुनः पिछली सरकार के समय में शराब को लेकर बने रहे सिस्टम को जिम्मेदार ठहराया।विपक्षी विधायकग उप मुख्यमंत्री के जवाबों से संतुष्ट नहीं हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन से बर्हिगमन कर गए।

महाशिवरात्रि पर आज राजिम कुंभ कल्प का समापन

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद–विधायक सहित कई साधु–संत होंगे शामिल

राजिम, 25 फरवरी (देशबन्धु)।माघ पूर्णिमा 12 फरवरी से प्रारंभ हुए राजिम कुंभ कल्प मेला का समापन 26 फरवरी महाशिवरात्रि के अवसर पर होगा। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल होंगे।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि विकास एवं कृषक कल्याण मंत्री राम विचार नेताम, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल, वन एवं जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप, वाणिज्य और उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा शामिल होंगे।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी, कुरूद विधायक अजय चंद्राकर, अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू, राजिम विधायक रोहित साहू, बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव, सिहावा विधायक अंबिका मरकाम, नगर पंचायत राजिम अध्यक्ष महेश यादव, नगर पंचायत देवभोग अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी, नगर पंचायत छुरा अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद, नगर पंचायत कोपरा अध्यक्ष रूपनारायण साहू, नगर पालिका परिष गोबरा नवापारा अध्यक्ष ओमकुमारी संजय साहू, नगर पंचायत फिंगेश्वर अध्यक्ष राजेंद्र (धनराज) सूर्यवंशी, नगर पंचायत मगरलोड अध्यक्ष श्रीमती लीलेश सुरेश साहू, नगर पालिका परिषद गरियाबंद अध्यक्ष रिखीराम साहू उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद गिरी, महामंडलेश्वर साध्वी पुष्पांजलि पुरी, महामंडलेश्वर दीनबंधु दास, राजेश्री महंत राम सुंदरदास महाराज, दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद महाराज, दंडी स्वामी सच्चिदानंद तीर्थ महाराज, द्वारकेश महाराज, महंत नरेंद्र दास महाराज, स्वामी ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

सार संक्षेप

भारत के 140 करोड़ लोगों पर दुनिया को भरोसा : मोदी

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2. समिट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दुनिया का भरोसा आज भारत की युवा आबादी पर है, जो बहुत तेजी से ट्रेंड हो रही है और इनोवेशन कर रही है। दुनिया का भरोसा भारत के उन 1 4 करोड़ लोगों पर है, जो राजनीतिक स्थिरता और निरंतरता को सपोर्ट कर रहे हैं।

कमजोर वर्ग के बच्चों की छात्रवृत्ति में हुई बड़ी कटौती : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर दलित, आदिवासी, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति हड़पने का आरोप लगाते हुए कहा है कि जब तक उन्हें पर्याप्त संरक्षण नहीं मिलेगा वे आगे नहीं बढ़ सकते हैं। श्री खरगे ने प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में कहा नरेन्द्र मोदी जी, देश के एससी, एसटी, ओबीसी तथा अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं की छात्रवृत्तियों को आपकी सरकार ने हथियाने का काम किया है।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान को राहत

नई दिल्ली। दिल्ली की ओखला विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान को मंगलवार को बड़ी राहत मिली। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को अमानतुल्लाह खान की अग्रिम जमानत मंजूर कर ली। यह मामला दिल्ली पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज किए गए एक आरोप से संबंधित है, जिसमें उन पर सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालने का आरोप है।

17 महीने बाद जेल से रिहा हुए अब्दुल्ला आजम

हरदोई। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान को 1 7 महीने बाद मंगलवार को हरदोई जेल से रिहा कर दिया गया है। उनकी रिहाई के बाद जेल के बाहर समर्थकों और समाजवादी पार्टी के नेताओं का जमावड़ा लग गया। मुरादाबाद से सपा सांसद रुचि वीरा भी हरदोई पहुंचीं और इस फैसले पर खुशी जताई। हालांकि, अब्दुल्ला आजम बिना किसी से मुलाकात या मीडिया से बातचीत किए बिना सीधे रामपुर के लिए रवाना हो गए।

सेक्स सीडी कांड मामला

पूर्व सीएम बघेल, विनोद वर्मा, मुरारका कोर्ट में हुए पेश

■ अगली सुनवाई 4 मार्च को

रायपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सेक्स सीडी कांड केस में रायपुर कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट में पूर्व सीएम सीएम भूपेश बघेल और विनोद वर्मा पेश हुए। कोर्ट में हाजिरी देने के बाद भूपेश बघेल विधानसभा सत्र के लिए रवाना हो गए। अब अगली सुनवाई 4 मार्च को होगी।

कोर्ट में मुख्य आरोपी कैलाश मुरारका, विनोद वर्मा, विजय पांड्या और विजय भाटिया मौजूद रहे। इसके पहले 4 फरवरी को अलग–अलग कारणों से आरोपी कोर्ट नहीं पहुंचे थे। 7 साल बाद रायपुर कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सुनवाई के बाद बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि कोर्ट में आज सीबीआई बनाम कैलाश मुरारका और अन्य के विरुद्ध जांच पर बहस थी। सीबीआई ने बहस पूरी कर ली है। 4 मार्च को अभियुक्त के वकील बहस करेंगे। लगभग सभी आरोपी कोर्ट में पेश हुए हैं। दरअसल, अक्टूबर 2017 में छत्तीसगढ़ में एक कथित सेक्स सीडी सामने आई थी। इसे कथित रूप से पूर्व मंत्री राजेश मूणत का बताया जा रहा था। रायपुर के सिविल लाइन थाने में इसका मुकदमा दर्ज हुआ। बाद में पुलिस दिल्ली से पत्रकार विनोद वर्मा को गिरफ्तार कर लाई थी। कांग्रेस इसे तत्कालीन सरकार की साजिश बताती रही। सितंबर 2018 में ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

नई दिल्ली में देशभर के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों का दो दिवसीय सम्मेलन 4 मार्च से

■ इलेक्शन कमीशन अहम विषयों पर करेगा चर्चा

रायपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी 4 मार्च और 5 मार्च को देश के सभी राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया है। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। सम्मेलन में देशभर के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी आईटी आर्किटेक्चर, प्रभावी संचार, सोशल मीडिया आउटरीच को बढ़ाने, चुनावी प्रक्रियाओं में विभिन्न पदाधिकारियों की वैधानिक भूमिका और आधुनिक चुनाव प्रबंधन के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे।

भारत निर्वाचन आयोग के नवनियुक्त मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यभार संभालने के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों का यह पहला सम्मेलन ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

राजिम कुंभ कल्प पहुंची किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर सौम्या सखी

वैष्णव किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर सौम्या सखी पहली बार राजिम कुंभ कल्प मेले में पहुंची हैं। उन्होंने बताया कि वे संत समागम समिति और अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण समाज के बैनर तले इस पावन मेले में आई हैं। सौम्या सखी को इसी वर्ष कुंभ में श्री श्री 108 साध्वी और महामंडलेश्वर की उपाधि प्राप्त हुई है। उन्होंने जानकारी दी कि उन्होंने गुरु हिमानीगिरी से दीक्षा लेकर संन्यास ग्रहण किया है और वर्तमान में छत्तीसगढ़ की प्रभारी हैं। सौम्या सखी ने बताया कि सुरेश्वर महाराज उनके पिता तुल्य हैं और उनके दिशा–निर्देश में वे धार्मिक कार्यों और अनुष्ठानों का संचालन करती हैं। उनका उद्देश्य सनातन धर्म को आगे बढ़ाना और इसकी रक्षा करना है। महामंडलेश्वर सौम्या सखी ने यह भी कहा कि वे धर्म की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहेंगी और धर्म के क्षेत्र में निरंतर कार्य करती रहेंगी।

दिल्ली विधानसभा में कैग रिपोर्ट पेश

नई शराब नीति से दो हजार करोड़ का घाटा

नई दिल्ली, 25 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली विधानसभा के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में शराब नीति पर कैग रिपोर्ट पेश की गई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रिपोर्ट सदन में रखी। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि पिछली सरकार ने इस रिपोर्ट को रोककर रखा था। इसे सदन में नहीं रखा। उन्होंने संविधान का खुलेआम उल्लंघन किया। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि नई शराब नीति से दिल्ली सरकार को 2002 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। पॉलिसी कमजोर थी और लाइसेंस प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई। विशेषज्ञ समिति ने पॉलिसी में कुछ बदलाव के सुझाव दिए थे, जिन्हें तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज कर दिया।

शराब बिक्री का कमीशन बढ़ाया गया–नई शराब नीति में पहले के एक व्यक्ति को एक लाइसेंस मिलता था। लेकिन नई नीति में एक शख्स को दो दर्जन से ज्यादा लाइसेंस ले सकता था। पहले दिल्ली में 60 फीसदी शराब की बिक्री 4 सरकारी कॉर्पोरेशन से होती थी। लेकिन नई शराब नीति में कोई भी निजी कंपनी रिटेल लाइसेंस ले सकती है। शराब बिक्री का कमीशन 5 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी किया गया।

राजनीतिक दखल व भाई भतीजावाद हुआ–कैग रिपोर्ट में बताया गया है कि थोक का लाइसेंस शराब वितरक और शराब निर्माता कंपनियों को भी दे दिया गया, जो कि उल्लंघन था। कैग की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि शराब लाइसेंस देने में राजनीतिक दखल और भाई भतीजावाद हुआ।

नई शराब नीति अधिक पारदर्शी थी : आतिशी

दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने कहा है कि आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से लाई गई नई शराब नीति अधिक पारदर्शी थी जिससे कालाबाजारी रूकती और सरकार का राजस्व बढ़ता, लेकिन उपराज्यपाल ने अड़चनें डालकर इसे लागू नहीं होने दिया और इसकी वजह से दिल्ली सरकार को 2000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

आतिशी समेत आप के 21 विधायक निलंबित–दिल्ली विधानसभा में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के दौरान हंगामे और नारेबाजी के कारण नेता विपक्ष आतिशी समेत आम आदमी पार्टी (आप) के 21 विधायकों को तीन दिन के लिए निलंबित कर दिया गया।

1984 सिख विरोधी दंगा मामला

सज्जन कुमार को उम्र कैद

नई दिल्ली, 25 फरवरी (देशबन्धु)। साल 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को उम्र कैद की सजा सुनाई है। यह मामला 1 नवंबर 1984 को दिल्ली के सरस्वती विहार इलाके में दो सिख नागरिक जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह को जिंदा जलाने का है। इस दौरान सिखों का नरसंहार हुआ था और उनके घरों को आग के हवाले कर दिया गया था। अदालत ने गत 12 फरवरी को सज्जन कुमार को दोषी करार दिया था।इस मामले को लेकर शुरुआत में पंजाबी बाग थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। बाद में जस्टिस जीपी माथुर कमेटी की सिफारिश पर गठित विशेष जांच दल ने आरोप पत्र दाखिल किया।

प्रदेशभर के कैदियों ने संगम के पवित्र जल से किया कुंभ स्नान

■ गृह मंत्री विजय शर्मा की पहल

रायपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। जेलों में आज एक अनूठा और आध्यात्मिक पहलू जोड़ते हुए कैदियों के लिए गंगाजल स्नान का आयोजन किया गया है। प्रदेश के 5 केंद्रीय जेल, 20 जिला जेल और 8 उप–जेलों में बंद कैदी 25 फरवरी को सामूहिक रूप से गंगाजल से स्नान करेंगे।प्रदेश के गृहमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जानकारी दी कि महाकुंभ में गंगा स्नान करना हर श्रद्धालु की इच्छा होती है, लेकिन जेल में बंद कैदियों के लिए यह संभव नहीं हो पाता। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने यह पहल की है, जिससे जेलों में बंद कैदी भी गंगाजल से स्नान कर आध्यात्मिक शुद्धि और आत्मिक संतोष प्राप्त कर सकें।कैसे होगा गंगाजल स्नान?रायपुर जेल प्रशासन ने इसके लिए विशेष तैयारियां की हैं। जेलों में पहले से बने ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

लैंड फॉर जॉब मामला

लालू, तेजस्वी व अन्य आरोपियों को कोर्ट से समन

नई दिल्ली, 25 फरवरी (देशबन्धु)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट से लैंड फॉर जॉब मामले में मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को झटका लगा है। कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपियों को तलब किया है। सभी को 11 मार्च को कोर्ट के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। स्पेशल सीबीआई जज विशाल गोगने ने केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा दायर आरोप पत्रों पर संज्ञान लेने के बाद आदेश दिया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इस मामले में 30 सरकारी कर्मचारियों और 78 लोगों को नामजद किया है। इस मामले में भोला यादव और प्रेम चंद गुप्ता को तलब किया गया है। कोर्ट का आरोप है कि प्रेम चंद गुप्ता लालू यादव के सहयोगी के रूप में काम करते थे। इससे पहले अदालत ने 21 फरवरी को इस पर फैसला सुरक्षित रखा था। विशेष जज विशाल गोगने को उसी दिन निर्णय देना था। लेकिन, सीबीआई की ओर से कुछ बिंदुओं पर स्पष्टीकरण देने के बाद सुनवाई टाल दी गई थी।

कांग्रेस के राजीव भवन में ईडी का छापा

रायपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कांग्रेस मुख्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी पहुंचे हैं। अधिकारियों की रवानगी के बाद कांग्रेस प्रभारी महामंत्री मलकित सिंग गेंदू ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (श्रष्ठ) के अधिकारी राजीव भवन पहुंचे थे। उन्होंने सुकमा जिले के राजीव भवन के निर्माण को लेकर कई जानकारियां मांगी है। ईडी अफसरों ने समन जारी करते हुए 27 फरवरी तारीख तक जवाब मांगा है। हमारे पास सभी दस्तावेज मौजूद हैं।

मामले में पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा, कानून अपना काम कर रहा है। ईडी को कोई जानकारी मिली होगी। सोर्स के आधार पर कार्यवाही की जा रही है। पूर्व सरकार ने जिस तरीके से कम किए हैं, योजनाबद्ध तरीके से छत्तीसगढ़ को लूटने का काम किया गया है, इन्हीं तथ्यों के आधार पर रेड मारी होगी। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

इससे पहले कांग्रेस नेता कवासी लखमा से इस संबंध में पूछताछ की जा चुकी है। जानकारी के मुताबिक, ईडी के चार अधिकारी सुरक्षाबलों के साथ कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन पहुंचे। यहां अधिकारियों की मुलाकात पार्टी प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदु से हुई। उनके जानकारी हासिल की गई है। इस बीच, ईडी के एक्शन पर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी शुरू हो गई हैं। नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरण दास महंत ने कहा ➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

मंथन

कनाडा के नए वीजा नियम हुए प्रभावी

भारतीय छात्रों और कामगारों पर पड़ेगा असर

ओटोवा, 25 जनवरी, (एजेंसियां)। प्रवासन को रोकने के लिए कनाडा के नवीनतम कदम भारत सहित हजारों विदेशी छात्रों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। इसका उन लोगों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा जो वर्क और रेजिडेंट परमिट के लिए आवेदन करते हैं।

यह नए नियम फरवरी की शुरुआत से प्रभावी हो गए हैं और इनके तहत कनाडाई बॉर्डर अधिकारियों को (यदि वे ऐसा करना जरूरी समझें) – छात्रों, कामगारों और प्रवासियों के वीजा स्टेट्स में किसी भी समय बदलाव करने की शक्तियां मिल गई हैं। नए इमिग्रेशन और शरणार्थी संरक्षण विनियमों के तहत, कनाडाई बॉर्डर कर्मियों को अब अस्थायी निवासी दस्तावेजों जैसे इलेक्ट्रॉनिक यात्रा प्राधिकरण या ईटीए और अस्थायी रेजिडेंट वीजा या टीआरवी को अस्वीकार करने की शक्तियां प्रदान की गई हैं। इसका मतलब यह है कि सीमा अधिकारी अब ऐसे डॉक्यूमेंट्स को रद्द कर सकते हैं, जिनमें वर्क परमिट और स्टूडेंट वीजा शामिल हैं। हालांकि परमिट और वीजा को अस्वीकार करने के लिए कुछ दिशा–निर्देशों का पालन करना जरूरी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसमें एक दिशा–निर्देश यह भी है कि अगर कोई अधिकारी इस बात से आश्वस्त नहीं है कि व्यक्ति अपने अधिकृत प्रवास की अवधि समाप्त होने के बाद कनाडा छोड़ देगा, तो वे कनाडा में रहने के दौरान भी उसके प्रवेश को अस्वीकार कर सकता है या उसका परमिट रद्द कर सकता है। इस तरह का निर्णय लेने की विवेकाधीन शक्तियां पूरी तरह से अधिकारी के पास निहित हैं। इन नए नियमों और विनियमों में अनिश्चितता की गुंजाइश है, और यह संभावित रूप से बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय छात्रों और श्रमिकों को प्रभावित कर सकते हैं।

कनाडा में 4.2 लाख से अधिक भारतीय छात्र–*कनाडा, भारतीय छात्रों, श्रमिकों और कानूनी प्रवासियों के लिए सबसे पसंदीदा गंतव्यों में से एक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में कनाडा में अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 4.2 लाख से अधिक है। यदि किसी छात्र, कर्मचारी या प्रवासी को प्रवेश से वंचित कर दिया जाता है, तो उन्हें प्रवेश के समय बंदरगाह पर रोक दिया जाएगा और उनके देश वापस भेज दिया जाएगा।*

सरकारी कमेटी अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ की करेगी समीक्षा

नईदिल्ली, 25 फरवरी (देशबन्धु)। अमेरिका द्वारा ट्रेडिंग पार्टनर देशों पर 2 अप्रैल से प्रस्तावित पारस्परिक टैरिफ लगाने के ऐलान के बाद भारत सरकार की ओर से एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है जिसे अमेरिका से आयात पर टैरिफ राहत की समीक्षा करने का काम सौंपा गया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के तहत बनाई गई यह समिति 15 मार्च तक अपनी रिपोर्ट जमा कर सकती है। रिपोर्ट वाणिज्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय को जमा की जाएगी।

महाशिवरात्रि पर महादेव की बारात होगी खास, बोलबम सेवा समिति करेगा भव्य आयोजन

बिलासपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। महाशिवरात्रि के अवसर पर कुदुदंड से बोलबम सेवा समिति की ओर से महादेव की बारात का आयोजन किया जाएगा। समिति के संदीप भोंसले ने बताया कि महाशिवरात्रि का पूर्व बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। इस दिन मां पार्वती व भोलेनाथ के विवाह का दिन होता है। इसी वजह से भक्त महादेव की भव्य बारात का आयोजन करने वाले है।

महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी को मनाया जाएगा। भोलेनाथ की आराधना का सबसे महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। माना जाता है इस दिन महादेव की पूजा-अर्चना करने से भक्तों के सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। महाशिवरात्रि को शिव-पार्वती का विवाह भी होता है। इसलिए यह दिन और भी खास होता है। इस पर्व पर शहर में भव्य बारात का आयोजन किया जाएगा। बोलबम सेवा समिति धूमधाम से महादेव की बारात निकालने वाला है।

बता दें, महाशिवरात्रि के अवसर पर कुदुदंड से बोलबम सेवा समिति की ओर से महादेव की बारात का आयोजन किया जाएगा। समिति के संदीप भोंसले ने बताया कि महाशिवरात्रि का पूर्व बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। इस दिन मां पार्वती व भोलेनाथ के विवाह का दिन होता है। इसी वजह से भक्त महादेव की भव्य बारात का आयोजन करने वाले है।

महादेव की बारात पूरे शहर का भ्रमण करेगी। इसकी शुरुआत गांधी चौक से होगी। जो गोलबाजार, देवकीनंदन चौक, नेहरू चौक, मुंगेली नाका होते हुए कुदुदंड स्थित शिव मंदिर पहुंचेगी। मंदिर में वैदिक विधियों से पूजा-अर्चना करते हुए मंत्रोंच्चारण की गूंज के साथ महाआरती व प्रसाद वितरण का कार्यक्रम किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारी में बोलबम सेवा समिति के संरक्षक संदीप भोंसले, पवन भोंसले, विजय यादव, नवीन तिवारी, विकास पटेल, नारायण पैकरा, राघव भोंसले, शशांक दीवान, आशीष अग्रवाल, राजा शर्मा, मोंटू ठाकुर, बजरंग यादव लोग जुटे हुए है।

खास होगा महाशिवरात्रि का पर्व

महाशिवरात्रि का पर्व बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन मां पार्वती व भोलेनाथ का विवाह हुआ था। ऐसा माना जाता है कि यह दिन सबसे पुण्यकारी होता है। इस दिन जो भी भक्त सच्ची श्रद्धा से महादेव का अभिषेक पूजन करता है महादेव उससे प्रसन्न होते है और उसके दुखों का अंत कर सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

200 से अधिक शिव भक्तों की है समिति

बोल बम सेवा समिति कुदुदंड, देवरीखुर्द, पेंड्रा 200 से अधिक शिवभक्तों का समूह है। जो पिछले 25 वर्षों से बाबा धाम की यात्रा प्रतिवर्ष करती आ रही है। समिति के संरक्षक संदीप भोंसले ने बताया कि इस समिति का मुख्य उद्देश्य शिव भक्ति है। वे खुद तो हर साल बाबा धाम की यात्रा करते है और उनके जैसे ही शिव भक्त जो बाबा धाम जाना चाहते है सावन के माह में उन्हें भी साथ में लेकर जाते हैं।

पहली बार हो रहा आयोजन

बोल बम सेवा समिति का यह पहला आयोजन है। महाशिवरात्रि के पर्व को खास बनाने व शिव भक्तों की आस्था को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से इस पर्व में महादेव की बारात निकाली जाएगी। इस दौरान भक्तिभाव से शिव भक्त सम्मिलित होंगे और महादेव की भक्ति करते नजर आएगें।

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम

बिलासपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2027 तक जिला को फाइलेरिया मुक्त रखने हेतु लक्ष्य रखा गया है। फाइलेरिया उन्मूलन गतिविधियों में से सामूहिक दवा सेवन भी प्रमुख गतिविधि है। सामूहिक दवा का सेवन जिले के सभी विकासखण्डों एवं शहरी क्षेत्रों के लक्षित जनसंख्या 21 लाख 93 हजार 194 को दवा सेवन कराया जाएगा जिसमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलायें एवं अति गंभीर रोग से ग्रसित व्यक्तियों को दवा का सेवन नहीं कराया जाना है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि एमडीए कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए जिले में कुल 4062 टीम का गठन किया गया है एवं 813 सुपरवाईजर को मॉनिटरिंग हेतु चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि 27 फरवरी से 2 मार्च तक आंगनबाड़ी एवं शैक्षणिक संस्थानों में बूथ लगाकर, 03 मार्च से 10 मार्च तक समुदाय स्तर पर घर-घर भ्रमण कर, 11 मार्च से 13 मार्च तक छूटे हुए लोगों को दवा सेवन कराया जाएगा। 27 फरवरी से 13 मार्च तक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा अन्य निजी चिकित्सालय में ओपीडी के पास बूथ लगाकर दवा सेवन कराया जाएगा। जिसमें एलबेन्डाजॉल 400 एमजी, डीईसी 100 एमजी एवं आईवरमेक्टिन 3 एमजी दवाईयों का सेवन उम्र एवं लम्बाई के अनुसार कराया जाएगा।

तोखन साहू से जीएम तरुण प्रकाश ने सौजन्य भेंट की

बिलासपुर,25 फरवरी (देशबन्धु)। आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने राज्यमंत्री, आवास एवं शहरी मंत्रालय, भारत सरकार, तोखन साहू से उनके आवास पर सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर रेलवे से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

भेंट के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव, अमृत भारत स्टेशन योजना की प्रगति, रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण एवं यात्रियों की सुविधाओं के विस्तार हेतु चल रही परियोजनाओं की स्थिति, रेलवे के बुनियादी ढांचे को और अधिक सक्षम बनाने हेतु जारी गतिशक्ति परियोजनाओं की प्रगति, बुधवारी बाजार, कटघोरा-डोंगरगढ़ रेलवे लाइन तथा बिलासपुर एवं उसलापुर स्टेशनों पर किए जा रहे यात्री एवं रेल विकास कार्यों पर विचार-विमर्श किया गया। महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने राज्यमंत्री तोखन साहू को रेलवे की विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी दी। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई ।

सार-संक्षेप

जिला जेल देवरी में गंगा जल से हुआ आत्मशुद्धि स्नान, कैदियों ने लगाई आध्यात्मिक डुबकी

मुंगेली, 25 फरवरी (देशबन्धु)। महाकुंभ प्रयागराज से लाए गए पवित्र गंगा जल से जिला जेल देवरी में विशेष आत्मशुद्धि स्नान का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर प्रदेश के 05 सेंट्रल जेल, 20 जिला जेल और 08 सब-जेल में इस आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर त्रिवेणी संगम, प्रयागराज से लाए गए गंगा जल की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद इसे जेल परिसर की टंकी में मिलाकर सभी कैदियों को स्नान कराया गया। कैदियों ने 'हर-हर गंगे' के जयघोष के साथ इस पवित्र स्नान में भाग लिया।जेल अधीक्षक ममता पटेल ने बताया कि महाकुंभ के ऐतिहासिक अवसर पर राज्य सरकार की यह पहल कैदियों के आत्मशुद्धि, नैतिक उत्थान और मानसिक शांति के लिए की गई है। इस आयोजन से कैदियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

भारती माली 1392 वोटों की बढ़त से जिला पंचायत सदस्य बनी

तखतपुर 25 फरवरी (देशबन्धु)। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 8 से भाजपा समर्थित उम्मीदवार भारती नीरज माली जिला पंचायत सदस्य का चुनाव 1392 वोट से जीत गई। इस अवसर पर भारती माली ने सभी मतदाताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह जीत मेरी जीत नही है मेरी सभी शुभचिंतकों की जीत है जिन लोगों ने मुझपर विश्वास जताया और मुझे अपना प्रतिनिधि चुन कर जिला पंचायत के लिए भेजा है जिस विश्वास के साथ मतदाताओं ने मुझे जीत दिलाया है मैं उन सभी को यह आश्वस्त करता हूं कि उनके विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। जिला पंचायत क्षेत्र को विधायक धर्मजीत सिंह के मार्गदर्शन में विकसित क्षेत्र बनाया जाएगा तथा उस क्षेत्र में किसी भी तरह की बुनियादी समस्या न हो इसका भी ख्याल रखा जाएगा। भारती के चुनाव जीतते ही उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया। विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के सरकार के प्रति लोगो का पूर्ण विश्वास है और यहीं वजह है कि हर चुनाव में भाजपा के समर्थित प्रत्याशीयों की जीत हुई है अब हम सभी जनप्रतिनिधि एक साथ मिलकर क्षेत्र के विकास के लिए काम करेंगे। चुनाव जीतने के बाद भारती माली जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल से निर्वाचन प्रमाण पत्र प्राप्त किया इस दौरान विधायक धर्मजीत सिंह, जिलाध्यक्ष दीपक सिंह ठाकुर उपस्थित रहे।

अमन ज्वेलर्स का ताला तोड़कर नकदी आभूषण की चोरी

तखतपुर 25 फरवरी (देशबन्धु)। ज्वेलर्स में ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने लगभग 4 हजार रूपए चोरी कर लिया रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 305, 331,4 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में ले लिया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार तखतपुर निवासी राजेश सोनी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि अमन ज्वलर्स के नाम से उसका दुकान संचालित है 23 फरवरी को वह रात्रि 9 बजे दुकान बंद करके घर चला गया और जब 24 फरवरी को सुबह दुकान खोलने गया तो पता चला कि ताला को तोड़कर अज्ञात चोर ने दुकान में दो ग्राम सोने का टुकड़ा एवं चार हजार रूपए नगदी चोरी कर लिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 305, 331,4 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में ले लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

महाशिवरात्रि पर ...

राजीव लोचनदास महाराज, बाल योगेश्वर बालयोगी रामबालक दास महाराज, साध्वी महंत प्रज्ञा भारती, स्वामी गंगादास उदासीन महाराज, साध्वी अरुणा भारती, स्वामी ज्ञानस्वरूपानंद अक्रिय महाराज, संत परमात्मानंद महाराज, संत युधिष्ठिर लाल महाराज, संत गोवर्धन शरण महाराज, महंत रामरूप दास महात्यागी, महंत दिव्य कांत महाराज, महंत त्रिवेणी दास महाराज, महंत राधेश्याम दास महाराज, महंत उमेशानन्द गिरि महाराज, आचार्य राकेश आर्य महाराज, गुरु माँ सुमीरण माई, संत कौशलेंद्र राम महाराज, संत विचार साहेब महाराज, महंत रविकर साहेब, नारायण भाई प्रजापिता ब्रह्मकुमार, पुष्पा बहन प्रजापिता ब्रह्मकुमारी, हेमा बहन ब्रह्मकुमारी, स्वामी अखिलेशानंद, संत पुरषोत्तम आचार्य, संत गोपाल आचार्य, बाल योगिनी जयश्री माता, संत सिद्धेश्वरा नंद महाराज, आचार्य त्रिभुवन मिश्रा, महंत अनुसुइया दास समेत साधु-संतों की गरिमामय उपस्थिति रहेगी।

पूर्व सीएम बघेल...

कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष भूपेश बघेल को भी गिरफ्तार किया गया था। उन पर साजिश रचने का आरोप था। भूपेश बघेल ने जमानत लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद कांग्रेस प्रदेश भर में भाजपा सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर गई। इस गिरफ्तारी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नया जोश दिया। नवंबर 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में जीतकर भूपेश बघेल मुख्यमंत्री बने थे। कथित सेक्स सीडी कांड केस में कोर्ट ने मुख्य आरोपी कैलाश मुरारका, पूर्व ष्टरू के मीडिया सलाहाकार रहे विनोद वर्मा, भूपेश बघेल, विजय पांड्या, विजय भाटिया को बनाया गया है। इस केस के एक आरोपी रिंकू खनूजा की मौत हो चुकी है।

मामले में सीबीआई ने 2018 में चार्जशीट पेश की थी, लेकिन इस पर आगे कोई सुनवाई नहीं हुई थी। अब रायपुर कोर्ट में सीबीआई की चार्जशीट पर बहस हुई।

नई दिल्ली में देशभर के ...

है। आयोग ने इसके लिए सभी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों को अपने-अपने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एक-एक डीईओ (जिला निर्वाचन अधिकारी) और ईआरओ (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी) को नामित करने के निर्देश दिए हैं। वैधानिक प्राधिकारियों के रूप में सीईओ, डीईओ और ईआरओ राज्य, जिला और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर महत्वपूर्ण पदाधिकारी हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों का दो दिनों का यह सम्मेलन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के चुनाव अधिकारियों को विचार-मंथन और आपस में एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन के पहले दिन आईटी आर्किटेक्चर, प्रभावी संचार, सोशल मीडिया आउटरीच को बढ़ाने और चुनावी प्रक्रियाओं में विभिन्न पदाधिकारियों की वैधानिक भूमिका सहित आधुनिक चुनाव प्रबंधन के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा होगी। वहीं दूसरे दिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सीईओ पहले दिन विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा पर अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत करेंगे।

प्रदेशभर के कैदियों ने ...

स्नान टैंक या कुंड में साफ पानी के साथ गंगाजल मिलाया जाएगा। इसके बाद बारी-बारी से सभी कैदियों को स्नान का अवसर दिया जाएगा। स्नान के बाद बंदी पूजा-अर्चना करेंगे और धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेंगे.गृहमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जेलों में हजारों कैदी बंद हैं, जो महाकुंभ नहीं जा सकते, लेकिन उनके मन में भी गंगा स्नान करने की इच्छा होती है। इसे ध्यान में रखते हुए गंगाजल विशेष रूप से मंगवाया गया है और प्रदेशभर की सभी जेलों में सामूहिक स्नान का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य सिर्फ धार्मिक आस्था ही नहीं बल्कि कैदियों के मानसिक और आध्यात्मिक उत्थान से भी जुड़ा है। धार्मिक आयोजनों से कैदियों के मनोबल को सकारात्मक दिशा देने में मदद मिलेगी और उनके जीवन में आध्यात्मिक परिवर्तन का अवसर मिलेगा।

कांग्रेस के राजीव भवन में ...

कि कांग्रेस नेताओं पर दबाव बनाने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

क्या है छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

ईडी का आरोप है कि पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा शराब घोटाले का सबसे अहम कड़ी है। इस घोटाले की शुरुआत एफएल-10 लाइसेंस के साथ हुई। 3 साल तक यह धांधली चली, जिसमें कथित तौर पर लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलते थे। उनको 36 महीने में 72 करोड़ रुपए मिले। ईडी का आरोप है कि यह घोटाला करीब 2,100 करोड़ रुपए से अधिक का है।

शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने पर दी बधाई, काम-काज में फिर से तेजी लाने कलेक्टर ने दिए निर्देश

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की योजनाओं की समीक्षा

मल्हार महोत्सव की तैयारी के लिए 4 मार्च को बैठक

बिलासपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। कलेक्टर अवनीश शरण ने टीएल बैठक में आज लंबित मामलों एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने चुनाव संपन्न होने के बाद विकास कार्यो की गति में फिर से तेजी लाने के निर्देश दिए। शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न होने पर इससे जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारियों, सुरक्षा बलों, मीडिया प्रतिनिधियों, राजनीतिक दल एवं प्रत्याशियों तथा आम जनता को धन्यवाद देते हुए सहयोग के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है।बैठक में डीएफओ श्री सत्यदेव शर्मा सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर अवनीश शरण ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव के लिए प्रभावशील आदर्श आचरण संहिता समाप्त हो चुकी है। तेज गति से काम अब फिर से शुरू किया जाये। उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह से विभागवार योजनाओं की समीक्षा शुरू की जायेगी। उन्होंने आचार संहिता के कारण रूकी हुई भर्ती की कार्यवाही भी शुरू करने के निर्देश दिए। कलेक्टर कार्यालय, एनएचएम सहित सभी विभागों में मार्च के अंत तक जारी भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण करने को कहा है। कलेक्टर ने कहा कि संविदा, कलेक्टर रेट अथवा अन्य किसी भी मद से कार्य कर रहे कर्मचारियों का वेतन समय पर दिया जाये। इस कार्य में रूकावट नहीं आने चाहिए।कलेक्टर ने मल्हार सोसायटी में धान खरीदी में गड़बड़ी पाये जाने पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस योजना लागू करने के निर्देश हैं। एनआईसी से समन्वय कर सभी जरूरी औपचारिकताएं पूर्ण करें। कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अनुरूप इस साल से फिर मल्हार महोत्सव शुरू किया जायेगा। मल्हार में इस संबंध में 4 मार्च को दोपहर 12 बजे बैठक आयोजित की गई है। उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बच्चों को परीक्षा देने में किसी प्रकार की दिक्कतें परीक्षा केन्द्रों पर नहीं होने चाहिए।

NECC

26.02.2025	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	465	60	175
चिल्हर	6.00	85	200
डिलीवरी	480 सैकड़ा		

दर्जन अंडा 70 रु.

मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रु.

CSPFA

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

मुख्य कार्यालय – साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)

जल प्रदाय शाखा

फा.क्र./ 1422 एवं 1423 / जल प्रदाय/ 2025/ कोरबा, दिनांक 20.02.2025

निविदा आमंत्रण की सूचना

लोक निर्माण विभाग से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यो हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक PHE SOR 01.06.2020 Amendment 7-2022-23 से प्रभावशील दर अनुसूची पर (निविदा खुलने के दिनांक तक समस्त संशोधनों के साथ) कम अधिक या समान दरों पर तथा शेड्यूल अनुसार आयटम दरों पर निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल निविदा वेबसाईट से डाउनलोड कर त्रि-लिफाफा पद्धति माध्यम से आमंत्रित की जाती है :-

1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने अंतिम तिथि – 18.03.2025 सायंकाल 3:00 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि रू में
1	वार्ड क्र05 धनुहार पारा कोरबा दिलेश्वर घर से राधिका गुप्ता घर तक ओ.पी.व्ही.सी.पाईप लाईन बिछाने का कार्य (15 वॉ वित्त आयोग)	11,98,000/–	9,000/–
2	वार्ड क्र 36 बालको रिंग रोड हनुमान मंदिर से सामुदायिक भवन तक, चिंतामनी घर से माणीमार मंदिर तक ओ.पी.व्ही.सी. पाईप लाईन बिछाने का कार्य। (15 वॉ वित्त आयोग)	12,66,500/–	9,500/–

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website: www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

// स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें //

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम,
कोरबा (छ.ग.)

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला– बिलासपुर (छ.ग.)
वेबसाईट https://Bilaspur.gov.in

क्र./ CMHO/ 2024/ 25 / 1670 बिलासपुर, दिनांक 24.02.2025

निविदा सूचना

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बिलासपुर अंतर्गत किराये पर वाहन लिए जाने हेतु अल्पकालीन द्वितीय निविदा आमंत्रित किया जाता है। आवेदन पत्र विज्ञापन जारी दिनांक 24.02.2025 से 10.03.2025 दोपहर 3:00 बजे तक पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट के माध्यम से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यालय नूतन चौक सीपत रोड सरकंडा, बिलासपुर में आमंत्रित की जाती है।

आवेदन पत्र एवं अन्य संबंधित विवरण वेबसाईट https://Bilaspur.gov.in के माध्यम से अवलोकन एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

जी– 242505550/1

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला बिलासपुर छ.ग.

कार्यालय तहसीलदार तहसील कोतमा
वृत्त बिजुरी जिला अनूपपुर (म.प्र.)
राजस्व प्रकरण क्रं० 0Q/अ 74/ 2024–25

आम इश्तहार

दिनांक 10.02.2025

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रोहन खेडिया बगै. निवासी ग्राम बिजुरी थाना बिजुरी तहसील कोतमा वृत्त बिजुरी जिला अनूपपुर म.प्र. की मूल निवासी है। आवेदक के द्वारा ग्राम क्योटार स्थित आराजी खसरा क्रं.445, 447/1, 459/1,462, 365/1/2, 381, 497/1, 500, 385, 395/1, 396/1/1, 396/2, 210, 212, 219, 363/1, 444, 363/2, 377, 382/123, 460, 461, 465, 371, 379, 375, कुल रकबा 59.386 हे. भूमि में नाम जोड़ने बावत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति पेशी तारीख 10/03/2025 के पूर्व अपना आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। म्याद समाप्त हो जाने पर प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज मेरे हस्ताक्षर व पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

नायब तहसीलदार
कोतमा, वृत्त बिजुरी
जिला–अनूपपुर (म.प्र.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, SONALI DUBEY D/O NARAYAN DAS JURYANI resident of WARD NO.06, INFRONT OF BR HOUSE TILAKNAGAR, BILASPUR 495001 (C.G.) have changed my old name SONALI DUBEY D/O NARAYAN DAS JURYANI so in future I should be recognized by my new name that is MAMTA DUBEY W/O ABHISHEK DUBEY in all Government and other documents.

MAMTA DUBEY
WARD NO.06, INFRONT OF BR HOUSE TILAKNAGAR, BILASPUR 495001 (C.G.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I RASHMI DEVI AGRAWAL W/O RAJESH KUMAR AGRAWAL resident of HOUSE NO 15/201 POST OFFICE ROAD WARD NO 15 KHARSIA DIST RAIGARH (C.G.) 496661, I have changed my old name RASHMI DEVI W/O RAJESH KUMAR AGRAWAL so in future I should be recognized by my new name that is RASHMI DEVI AGRAWAL W/O RAJESH KUMAR AGRAWAL in all government and other documents.

RASHMI DEVI AGRAWAL
HOUSE NO 15/201 POST OFFICE ROAD WARD NO 15 POST - KHARSIA DIST.- RAIGARH 496661 (C. G.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I RAJESH KUMAR AGRAWAL S/O BABU LAL AGRAWA resident of HOUSE NO 15/201 POST OFFICE ROAD WARD NO 15 KHARSIA DIST RAIGARH (C.G.) 496661 I have changed my old name RAJESH AGRAWAL S/O BABU LAL AGRAWA so in future I should be recognized by my new name that is RAJESH KUMAR AGRAWAL S/O BABU LAL AGRAWA in all government and other documents.

RAJESH KUMAR AGRAWAL
HOUSE NO 15/201 POST OFFICE ROAD WARD NO 15 POST - KHARSIA DIST.- RAIGARH 496661 (C. G.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, PAWAN KUMAR S/O NANHURAM resident of 171, PATELPARA, GOBARSINGHAA, SARIYA, SARANGARH BILAIGARH, (C.G.) 496554 have changed my old name PAWAN KUMAR S/O NANHURAM so in future I should be recognized by my new name that is PAWAN KUMAR AGRAWAL S/O NANHURAM in all Government and other documents.

PAWAN KUMAR AGRAWAL
171, PATELPARA, GOBARSINGHAA, SARIYA, SARANGARH BILAIGARH, (C.G.) 496554

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल जूना बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग.

//सूचना//

क्र./ क/ रा.नि./ 2025 जूना बिलासपुर, दिनांक 24/02/2025

प्रति,
1/ सूरज दुबे 2/ फातिमा बेगम पति कमाल खान
3/ वाजिद अली पिता यूसूफ अली
4/ विजय आहूजा पिता चेतन दास
5/ गीता येन्डे 6/ सर्वसंबंधित
(समीपी भूमिस्वामियों की जानकारी ज्ञापन में दर्ज/ आवेदक के बताए अनुसार)

विषय:– सीमांकन में उपस्थित होने बाबत्।

संदर्भ:– न्यायालय तहसीलदार का ज्ञापन क्र/क/ तह./ वाचक/ 2025 बिलासपुर दिनांक आवेदक सूरज दुबे निवासी कुदुदण्ड के द्वारा ग्राम जूना बिलासपुर प.ह.नं. 36 रा.नि.मं. जूना बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 294/10 रकबा 0.012 हे. के सीमांकन हेतु न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। संदर्भित न्यायालयीन ज्ञापन के परिपालन में आवेदित भूमि का सीमांकन दिनांक 04/03/2025 को समय 12.00–5.00pm बजे किया जायेगा। अतः आप भूमि से संबंधित दस्तावेज के साथ निर्धारित तिथि एवं समय को मौके पर अनिवार्यतः उपस्थित होवें। अनुपस्थिति के लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे और बाद की आपत्ति पर स्वीकार्य नहीं होगी।

टीप:– इस सीमांकन हेतु तहसीलदार महोदय द्वारा टीम गठन किया गया है।
1/ आवेदक सीमाचिन्ह स्थापित करने हेतु आवश्यक सामग्री और मजदूर की व्यवस्था करें।
2/ विशेष परिस्थिति में अपरिहार्य कारणों से सीमांकन तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

राजस्व निरीक्षक
जूना बिलासपुर (छ.ग.)

ACB (India) Limited

NOTICE INVITING TENDER

Ref. No: ACBIL/27OMW/BIOMASS/2024-25/0952

Description of work:

We, ACB (India) Limited inviting bids from interested Suppliers and Agencies to supply Biomass Pellets for Co-Firing with Coal in our 270 MW Thermal Power Plant.

The scope of work under this package shall include Supply, Loading, Transporting and Delivery of **Agro Residue Based Biomass Pellets** at ACBIL, 270 MW TPP, Kasaipali site. The pellets supplied shall adhere to the technical specification given in tender document. Bidder has to provide the rates of the torrefied and non-torrefied biomass pellets separately as per the details in tender document.

Inerested Agency/ Bidder may collect Detailed Tender Document from Below mentioned address & submit their bid in sealed envelope on or before closing time and date:

Tender available from : 27-Feb-2025 at 11.00 Hrs. to 03-March- 2025 at 16.00 hrs.

Last date of Bid submission : 07-March-2025 at 17.00 Hrs.

Address:

ACB (India) Limited, 270 MW TPP, Village-Kasaipali, PO- Jawali, Tehsil-Katghora, District- Korba (C.G.), PIN- 495445

Contact Person : Mr. Kundan Singh- 096919 40446

E-Mail : environment.270 MW @cg.acbindia.com

-S/D
ACB (India) Limided

देश

उवाच

ईवीएम में गड़बड़ी है, जैसा कि मस्क और ट्रंप समेत कई इस बात पर जोर दे रहे हैं, पर प्रधानमंत्र मोदी अपने मित्र की बात को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। उनका मानना है कि चुनाव आयोग अब निरंकुश बन चुका है। लोकतंत्र को बचाए रखने को आवश्यक नियंत्रण लागू किया जाए।

–दिग्विजय सिंह, कांग्रेस नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	26°	16°
मुंबई	31°	24°
कोलकाता	28°	18°
चेन्नई	3[illegible]	26°

बिहार में पीएमसीएच जैसे कई और चिकित्सा केंद्र हों स्थापित : द्रौपदी मुर्मु

■ पीएमसीएच के शताब्दी वर्ष समारोह को किया संबोधित

पीएमसीएच बिहार की अमूल्य धरोहरों में से एक है, जिसका गौरवशाली इतिहास रहा है : द्रौपदी मुर्मु

पटना, 25 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बिहार में पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (पीएमसीएच) जैसे कई चिकित्सा केंद्र विकसित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए मंगलवार को कहा कि इससे राज्य में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी और आर्थिक प्रगति को भी बढ़ावा मिलेगा। मुर्मू ने मंगलवार को यहां पीएमसीएच के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पीएमसीएच बिहार की अमूल्य धरोहरों में से एक है, जिसका गौरवशाली इतिहास रहा है। यह संस्थान प्राचीनता और आधुनिकता का बेहतरीन संयोजन है और एशिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से एक माना जाता है। उन्होंने इस संस्थान के पूर्व छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी प्रतिभा, सेवा और समर्पण से भारत और विदेशों में पीएमसीएच का नाम रोशन किया है। राष्ट्रपति ने बिहार सरकार को ऐसे और चिकित्सा केंद्र खोलने का सुझाव दिया। इलाज के लिए दूसरे राज्यों में जाने से इलाज में देरी, भोजन और आवास की असुविधा, रोजगार संबंधी चुनौतियां और बड़े शहरों के अस्पतालों पर बढ़ते बोझ जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यदि देश भर में अच्छे चिकित्सा संस्थानों की संख्या बढ़ाई जाए तो इन सभी समस्याओं का समाधान हो सकता है।

कैंसर को लेकर राष्ट्रपति ने जताई चिंता

राष्ट्रपति ने कहा कि तकनीक के माध्यम से इलाज, शोध में किसी भी कोने से मदद मिल सकती है। इससे न केवल चिकित्सकों को बल्कि रोगियों को भी लाभ होगा। कैंसर को लेकर राष्ट्रपति ने चिंता जताते हुए कहा कि इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करना और शोध को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। दरअसल, पटना का पीएमसीएच शताब्दी समारोह मना रहा है। मुर्मू ने कहा कि चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और इंदौर जैसे शहर विशेष चिकित्सा सुविधाओं के हब बन चुके हैं और बिहार को भी इसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। इस मौके पर पटना के बापू सभागार में पीएमसीएच के शताब्दी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रपति शामिल हुईं। कार्यक्रम में 3000 से ज्यादा डॉक्टरों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बिहार सरकार के स्वास्थ्य के क्षेत्र के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पीएमसीएच में भी बेड की संख्या बढ़ाई जा रही है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह अस्पताल विश्व के विशालतम अस्पतालों में शुमार होगा।

आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर दिया जोर

राष्ट्रपति ने आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर भी जोर दिया और कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों के समावेश से चिकित्सा प्रक्रियाएं सरल और अधिक सटीक होंगी, जिससे मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। साथ ही चिकित्सकों की दक्षता और ज्ञान भी बढ़ेगा। मुर्मू ने चिकित्सकों से समाज में योगदान देने की अपील की और कहा कि वह केवल चिकित्सक ही नहीं बल्कि शोधकर्ता, शिक्षक और परामर्शदाता भी होते हैं। उनकी भूमिका समाज और राष्ट्र निर्माण में बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने चिकित्सा समुदाय से रक्तदान और अंगदान के प्रति जागरुकता फैलाने का आग्रह किया ताकि अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके।

मप्र निवेश के लिए प्रत्येक लिहाज से बेहतर : शाह

भोपाल, 25 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश विदेश के निवेशकों से मध्यप्रदेश में निवेश करने का अनुरोध करते हुए आज कहा कि यह राज्य निवेश के लिए आकर्षक केंद्र बना हुआ है और निवेश के लिए यहां पर अनुकूल वातावरण है। शाह ने दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) के समापन अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव, राज्य के मुख्य सचिव अनुराग जैन,

अनेक मंत्री और देश विदेश के उद्योग जगत के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। इसके पहले डॉ. यादव ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में दो दिन के आयोजन के दौरान निवेश संबंधी 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपयों के प्रस्ताव मिले हैं। शाह ने कहा कि दो दिनों के दौरान जो प्रस्ताव मिले हैं, उन्हें उम्मीद है कि ये शीघ्र ही धरातल पर आकार लेंगे। उन्होंने कहा कि यहां पर स्थिर सरकार और पारदर्शी प्रशासन होने के साथ ही अन्य सुविधाएं हैं। कभी इस राज्य की गिनती बीमारू राज्य के रूप में होती थी, लेकिन 20 सालों में भाजपा के शासन के दौरान सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई और अन्य ढांचागत क्षेत्रों में व्यापक कार्य होने की वजह से यह राज्य देश के बेहतर राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गया है।

उत्तर प्रदेश शिक्षक भर्ती में हुआ बड़ा घोटाला : कांग्रेस

■ मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में 69 हजार शिक्षकों की भर्ती में आरक्षित वर्ग के बच्चों के साथ अन्याय हुआ है और उनके लिए निर्धारित कोटे में अनारक्षित वर्ग के युवकों की भर्ती की गई है, जो संविधान का उल्लंघन है इसलिए इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की जानी चाहिए। कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में उप्र सरकार द्वारा की जा रही इस शिक्षक भर्ती को बड़ा घोटाला बताया और कहा कि राज्य सरकार आरक्षित वर्ग के युवाओं के साथ धोखा कर रही है और उन्हें मानकों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण नहीं दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उप्र में 69,000 शिक्षकों की भर्ती का एक नया घोटाला सामने आया है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि इस भर्ती में 18,500 आरक्षित सीटों में एससी, एसटी तथा ओबीसी वर्ग के लोगों को नौकरी मिलनी थी, लेकिन इसमें से केवल 2,637 सीटों पर ही आरक्षण लागू किया गया। इन आरक्षित सीटों में बाकी 15,863 सीटों पर अनारक्षित वर्ग के लोगों को नौकरी दी गई। यह फैसला संविधान में दिए गए आरक्षण पर हमला है और सामाजिक न्याय के खिलाफ है। उप्र में 69,000 शिक्षक भर्ती में लिया गया यह फैसला संविधान और आरक्षण के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार दलित, अनुसूचित समाज, ओबी ओबीसी समाज के लोगों को नौकरी से वंचित रखने का काम कर रही है। इस फैसले के खिलाफ जिन छात्रों और शिक्षकों ने आवाज उठाई, उन्हें भी सरकार ने दबाने और कुचलने का काम किया। बाबा साहेब अंबेडकर ने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की बात कही थी लेकिन सरकार लोगों को इससे वंचित रख रही है। इसी न्याय की लड़ाई हमारे नेता लड़ते आए हैं और लड़ रहे हैं। हमारे नेता लगातार सामाजिक न्याय, हिस्सेदारी, जातिगत जनगणना की बात करते रहे हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 12 प्रतिशत बढ़ाया

मुंबई,25 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर अपने कर्मचारियों के

■ लगभग 17 लाख कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

महंगाई भत्ते (डीए) में पांचवें वेतन आयोग के अपरिवर्तित वेतनमान के तहत 12 प्रतिशत की वृद्धि की, जो एक जुलाई 2024 से प्रभावी होगी। सरकारी प्रस्ताव (जीआर) के अनुसार, 443 प्रतिशत से संशोधित 455 प्रतिशत महंगाई भत्ते का भुगतान फरवरी 2025 के वेतन के साथ नकद किया जाएगा, जिसमें 1 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025 तक का बकाया भी शामिल है। राज्य वित्त विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि डीए बढ़ोतरी से लगभग 17 लाख कर्मचारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि महंगाई भत्ते के वितरण के संबंध में मौजूदा प्रक्रियाएं और प्रावधान भविष्य में भी लागू रहेंगे। आदेश में कहा गया है कि संशोधित महंगाई भत्ते पर व्यय सरकारी कर्मचारियों के लिए संबंधित वेतन और भत्ते के मद में आवंटित बजटीय प्रावधानों से पूरा किया जाएगा। अनुदान प्राप्त संस्थाओं और जिला परिषद कर्मचारियों के लिए व्यय को उनकी वित्तीय सहायता के लिए निर्दिष्ट उप-शीर्षों के अंतर्गत दर्ज किया जाएगा।

बिहार में विकास का ढिंढोरा पीटती है नीतीश सरकार : भाकपा-माकपा

■ विकास सरकारी कार्यालय के कागज पर ही सिमटा

पटना, 25 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने आरोप लगाया है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार प्रदेश में विकास का ढिंढोरा पीटती है लेकिन सच्चाई में विकास सरकारी कार्यालय के कागज पर ही सिमट कर रह गया है। माकपा कार्यालय में मंगलवार को भाकपा और माकपा के पटना जिला के नेतृत्वकारी साथियो की बैठक गजनफर नबाब की अध्यक्षता में हुई। बैठक में भाकपा जिला सचिव विश्वजीत कुमार, माकपा के राज्य कमिटी सदस्य मनोज कुमार चन्द्रवंशी, जिला सचिव शिव कुमार विधार्थी सहित अन्य मौजूद थे।बैठक में 20 मार्च को राज्यस्तरीय आह्वान पर पटना जिला मुख्यालय में प्रदर्शन की तैयारी के लिए योजना बनाई गई। सभी अनुमंडल स्तर पर भाकपा और माकपा का संयुक्त कन्वेंशन 10 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। वक्ताओं ने आरोप लगाते हुये कहा की नीतीश सरकार बिहार में विकास का ढिंढोरा पीटती हैं बल्कि सच्चाई में विकास सरकारी कार्यालय के कागज पर ही सिमट कर रह गई है। राज्यमें छात्र, नौजवान, महिला, किसान, मजदूर सभी अपने अपने विभिन्न मांगो को लेकर आंदोलनरत हैं। सरकार उनकी मांगो को पूर्ति करने की वजाय उनपर लाठी बरसा रही है। राज्य सरकार के जनविरोधी नीतियों के खिलाफ 20 मार्च को पटना जिला पदाधिकारी के समक्ष आमजन की विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा।

0 **कडप्पा,**25 फरवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले के वाई कोटा गांव में मंगलवार तड़के हाथियों के झुंड के हमले में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना तड़के तब हुई, जब वाई-कोडा गांव के कन्नेगुंटा कॉलोनी के करीब 30 श्रद्धालु महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा करने के लिये प्रसिद्ध सिद्धेश्वर स्वामी मंदिर जा रहे थे और सभी श्रद्धालु जंगल के इलाके से गुजर रहे थे।

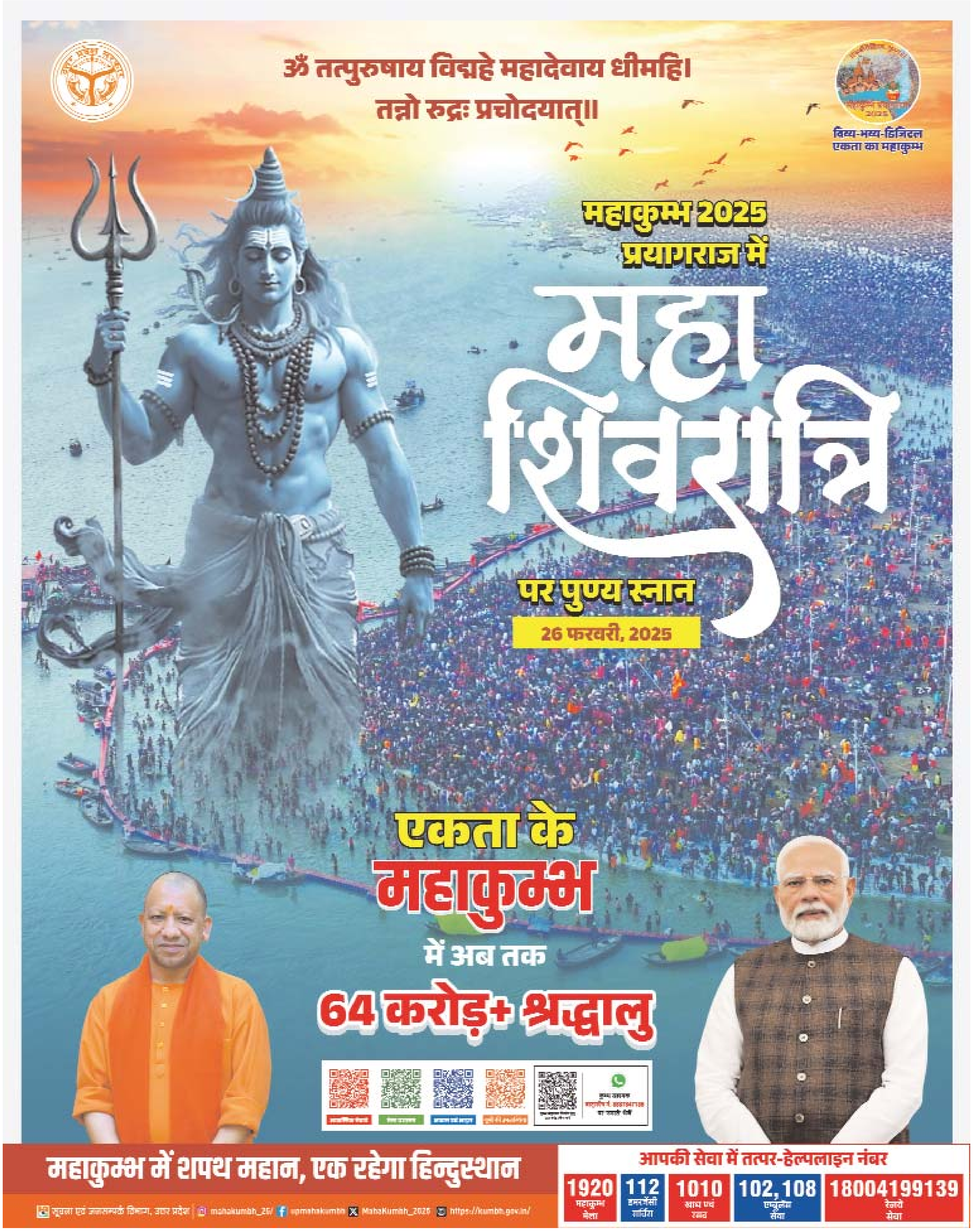

बिलासपुर, बुधवार 26 फरवरी 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

शेयर बाजार में गिरावट और सरकार की चुप्पी

भारत के घरेलू बाजार में एक के बाद एक घाटे की खबरें सामने आ रही हैं। शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है, वहीं विदेशी मुद्रा भंडार में भी कमी आई है और इसी के साथ डोनाल्ड ट्रंप की घुड़कियों का असर भी उद्योग जगत पर देखा जा रहा है। हैरानी की बात ये है कि पूरे देश में घूम-घूम कर विकास का ढिंढोरा पीटने वाले प्रधानमंत्री मोदी शेयर बाजार में दिखाई दे रही अभूतपूर्व गिरावट को लेकर बिल्कुल मौन है। मानो उन्हें कोई फर्क ही नहीं पड़ता कि छोटे और मंझोले निवेशकों का पैसा डूबे या वे बर्बाद हो जाएं। श्री मोदी के हिसाब से तो अब भी भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था भी वे देश में कायम कर ही लेंगे। हालांकि एक जरूरी सवाल तब भी बना रहेगा कि अगर पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था देश में होती है तो इसमें गरीबों का हिस्सा कितना रहेगा और अमीरों का कब्जा कितने पर होगा। क्योंकि अभी तो आर्थिक गैर-बराबरी और बढ़ रही है। वहीं पांच किलो अनाज पर 80 करोड़ लोग अब भी जी रहे हैं। जो मध्यमवर्ग है, उसे भी राहत नहीं है, न ही भविष्य को लेकर वह निश्चिंत हो पा रहा है। पहले अपनी बचत से साधारण नौकरी या कमाई वाला व्यक्ति थोड़ा पैसा बैंक में, थोड़ा शेयर बाजार में या इसी तरह कहीं निवेश कर आड़े वक्त का इंतजाम करता था। अब मोदी सरकार में यह भी मुमकिन नहीं हो रहा। अभी हाल में मुंबई में न्यू इंडिया को-आपरेटिव बैंक में 125 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया था, जिसके बाद रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इसके बोर्ड को भंग कर धन निकासी पर भी रोक लगा दी थी। हालांकि अब खाताधारकों को 25 हजार रुपए तक निकालने की छूट दे दी गई है। लेकिन इसे राहत भी नहीं कहा जा सकता, क्योंकि देश में बैंकिंग व्यवस्था में घोर अविश्वसनीयता बढ़ रही है। बैंक की रकम हड़पने का यह पहला मामला नहीं है, पहले भी अनेक मामले ऐसे हुए और लुटेरे हजारों करोड़ की रकम लेकर विदेशों में जा बैठे हैं। रिजर्व बैंक कार्रवाई तो करता है, लेकिन इसमें भी आम खाताधारक ही पिसता है।

उधर शेयर बाजार का भी यही हाल है। इसकी निगरानी करने वाली संस्था सेबी की अध्यक्ष माधवी बुच पर इतने आरोप लगे, लेकिन सरकार लोगों का भरोसा जीतने के लिए कोई ठोस कार्रवाई करती नहीं दिख रही। उधर बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। जानकारों का कहना है कि कोरोना लॉकडाउन या नोटबंदी के वक्त भी बाजार इस तरह नहीं गिरा है। साल 1996 के बाद यह पहला मौका है जब निफ्टी में लगातार पांच महीने गिरावट रहेगी। बताया जा रहा है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण शेयर बाजार में गिरावट आ रही है। पिछले साल अक्टूबर 2024 से विदेशी निवेशक अब तक 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर बेच चुके हैं। साथ ही रुपये के कमजोर होने से उभरते बाजारों में निवेश कम आकर्षक हो गया है। इस कारण विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि मोदी सरकार की नीतियों और फैसलों पर विदेशी निवेशकों का भरोसा उठ चुका है। अजीब बात है कि एक तरफ बिहार, मप्र, उप्र, असम तमाम भाजपा शासित राज्यों में निवेशकों को आकर्षित करने वाले कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। देश के नामी-गिरामी उद्योगपति भाजपा नेताओं और मंत्रियों के साथ मंच साझा कर विकास की गंगा-जमुना बहाने के सपने लोगों को दिखा रहे हैं। सरकारों के साथ उद्योग घरानों के समझौते हो रहे हैं। दावे किए जा रहे हैं कि फलाने राज्य में इतने करोड़ की परियोजनाएं शुरु होंगी, तो इतने का मुनाफा होगा, ढिकाने राज्य में इतने लोगों को रोजगार मिलेगा, इतना विकास होगा। लेकिन जमीन पर देखें तो आम जनता के लिए आमदनी अठन्नी, खर्चा रूपैया जैसा हाल ही बना हुआ है।

न कहीं बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो रहा है, न बड़े कल-कारखाने लग रहे हैं, न आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल व्यापक पैमाने पर उद्योगों में होता दिखाई दे रहा है। राहुल गांधी ने संसद में जो चिंता जतलाई थी वह बिल्कुल वाजिब थी कि हम एआई की बात करते हैं, लेकिन बिना डाटा के इसका कोई अर्थ नहीं है। भारत के पास न तो उत्पादन डाटा है, न ही उपभोक्ता डाटा। हमने अपना उपभोक्ता डाटा अमेरिका की बड़ी कंपनियों को दे दिया है और उत्पादन डाटा हमारे पास नहीं है। ऐसे में हमारे विकास का कोई विजन ही नहीं है। राहुल गांधी की बात को एक बार फिर सरकार ने हल्के में उड़ाने की कोशिश की। हालांकि उन्होंने दूरदर्शितापूर्ण बात कही। अगर आज हम बदलते वक्त के साथ औद्योगिक माहौल को नहीं ढालेंगे तो दुनिया में काफी पिछड़ जाएंगे। अभी यही हो रहा है। एक तरफ चीन और दूसरी तरफ अमेरिका का दबदबा बढ़ता जा रहा है। हमारे यहां दो-चार लोग दुनिया के अमीरों में भले शामिल हों, लेकिन पूरा देश तभी विकास करेगा, जब आम जनता की जेबों में धन आएगा।

अभी तो आम जनता केवल इसी माथापच्ची में लगी रहती है कि अपनी सीमित आय को कैसे बचाए। शेयर बाजार की गिरावट उसकी उलझन और बढ़ा रही है। शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों के हाथ खींचने के अलावा ट्रंप की टैरिफ पर जैसे को तैसा वाली धमकी भी असर दिखा रही है। अगर नरेन्द्र मोदी हिम्मत दिखा कर ट्रंप को वहीं रोकते और बताते कि अमेरिका को भारत से कितना फायदा मिल रहा है। इतना बड़ा बाजार हमने अमेरिका को दिया है, इसका एहसान प्रधानमंत्री जताते तो शायद बाजार का भरोसा भी बढ़ता। लेकिन वहां तो श्री मोदी मुस्कुरा कर आ गए और अब भी जब ट्रंप रोजाना किसी न किसी तरह भारत को अपमानित कर रहे हैं, तो भी मोदी सरकार कोई प्रतिवाद नहीं कर रही है। ऐसे में भारतीय बाजार को लेकर अनिश्चितताएं बढ़ना स्वाभाविक है। इसका फायदा चीन जैसे देशों को मिल रहा है। जहां शेयर बाजार ऊंचाई पर जा रहा है।

भारत तो हमेशा से ही आशा का केन्द्र रहा है, मोदी जी!

वैसे तो किसी मिथक के बनने और उसके स्थापित होने में बरसों या सदियां लग जाती हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे गढ़ने और प्रतिस्थापित करने में क्षण भर भी नहीं लगाते और कमाल तो यह है कि वह मिनटों में स्थापित भी हो जाता है। उनके 11 वर्षों के कार्यकाल में अनेक और अविश्वसनीय किस्म की अवधारणाएं गढ़ने का उनका कारनामा देश देखता आ रहा है; और वे दुर्भाग्य से स्वीकार्य भी होती चली जा रही हैं। 'पिछले 70 वर्षों से देश में कुछ नहीं हुआ' से लेकर 'देश पर हमेशा से ही भ्रष्टाचारियों का शासन रहा है', 'विपक्ष हमेशा हिन्दू-मुसलमान करता रहा है' से लेकर 'नेहरू जी को कृषि की समझ नहीं थी' तक, 'भाजपा में कोई झूठ नहीं बोलता' से लेकर 'मेरे लिये पद का नहीं वरन सेवा का महत्व है' तक ऐसी अनेकानेक धारणाएं उन्होंने प्रवर्तित कीं तथा उन्हें जनता द्वारा मान्य कराया। अपने जुमलों की तरह मोदीजी द्वारा देशवासियों के जेहन में जिस तरह से परिकल्पनाएं प्रविष्ट की गयीं, उसे उनकी खासियत और सफलता दोनों ही कहा जा सकता है।

प्रधानमंत्री के रूप में उनके द्वारा कई शासकीय व अशासकीय कार्यक्रमों में भाषण किये जाते हैं अथवा पार्टी नेता के रूप में वे कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हैं या फिर निजी अथवा सार्वजनिक तौर पर जो कहते हैं, उन सभी में एक समानता ज़रूर होती है- वह है कोई ऐसा आख्यान गढ़ना जो अब तक न सुना गया हो या न कभी देखा गया हो। उनकी बातों को लोगों तक पहुंचाने व उसे मान्यता दिलाने की उनके पास एक सुव्यवस्थित प्रणाली है। इसलिये मोदी बेधड़क रोज-रोज नयी-नयी अवधारणाएं जनता के बीच स्थापित करते हैं। दूसरा तथ्य यह है कि उनकी ऑडियेंस उनके जुमलेनुमा कथनों पर भरोसा करने के लिये न सिर्फ तैयार बैठी होती है बल्कि उनका बेसब्री से इंतज़ार भी करती रहती है। इसलिये वह जल्दी से स्वीकार्यता प्राप्त कर लेती है। उनके कहे का खंडन नक्कारखाने में तूती सदृश्य साबित होता है। ऐसे भी लोग हैं जो जानते हैं कि मोदी जो कह रहे हैं वह यथार्थ से परे हैं लेकिन वे उन पर भरोसा करने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिये विभिन्न कारणों से प्रतिबद्ध होते हैं। उनके उवाच अंततः उनकी छवि निखारने का उपक्रम ही होते हैं। इसलिये उनकी भारतीय जनता पार्टी, उसके नेता, कार्यकर्ता, आईटी सेल, समर्थक, प्रशंसक... सारे एक स्वर में उनके उठाये विमर्श को आगे बढ़ाते हैं। मोदी व भाजपा की यही ताकत है।

नया शोशा जो उन्होंने छोड़ा है वह यह है कि 'इतिहास में यह पहला अवसर है जब दुनिया भारत को लेकर आशावादी हुई है।' मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अपने भाषण में उन्होंने सोलर ऊर्जा, विदेशी निवेश, एयरोस्पेस कम्पनियों हेतु सप्लाई चेन आदि क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों का ज़िक्र तो किया ही, विश्व बैंक के हवाले से बताया कि देश अगले दो वर्षों तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा। पीएम कह रहे हैं तो सही ही होगा, लेकिन इस बड़ी या सुपरसोनिक गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का असर जनजीवन पर तो होता हुआ बिलकुल नहीं दिखाई दे रहा है और तीन चौथाई देश कोरोना के बाद से आज तक 5 किलो राशन की लाइन में लगा हुआ है। उस पर भी मोदी को वैसा ही गर्व है जैसा देश की बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने पर है; पर मूल सवाल यह है कि क्या भारत विश्व की आशा का केन्द्र पहली बार बना है; और क्या केवल ऐसा भौतिक विकास करने से कोई देश विश्व भर की आशा का केन्द्र बन सकता है जो कि अपरिभाषित और संदेह के घेरे में है? फिर, क्या वाकई पहली बार भारत की ओर दुनिया आशा भरी निगाहों से देख रही है? मोदी ने यह अपनी लोकप्रियता को बढ़ाने के लिये बयान दिया होगा क्योंकि उनके कथन का अनभिव्यक्त हिस्सा यही है कि ऐसा उनके कारण हो रहा है यानी भारत को इस स्थिति में लाने वाले वे ही हैं।

दरअसल यह बात वही कह सकता है जिसके पास सिवा आत्ममुग्धता व अहंकार के कुछ नहीं है। साथ ही यह भी साफ है कि यह विचार तभी आयेगा जब उसने भारत को ठीक से न जाना हो। बेशक मोदी इसका श्रेय लेते रहें कि उन्हीं के कारण दुनिया भारत की ओर देखने लगी है, पर वास्तविकता यह है कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। बल्कि कई-कई बार भारत ने लोगों का ध्यान अपनी ओर उम्मीदगी के साथ खींचा है। वह हमेशा से ही वैश्विक आशा का केन्द्र रहा है। वह भी कोई दो-चार साल, कुछ दशक नहीं वरन सदियों पहले से। ढाई हजार साल पहले का काल याद करें जब केवल भारत नहीं, दुनिया ही हिंसा और गैर बराबरी से परिपूर्ण थी। भगवान महावीर ने अहिंसा तथा बुद्ध ने सम्यक ज्ञान के उपदेश दिये और निराशा व भेदभाव के अंधकार में डूबी दुनिया को राह दिखाई थी। बुद्ध का जलाया दीपक तो पूरे एशिया को आलोकित कर रहा है। आज भी अनेक देशों का वह पथ प्रदर्शक है। भारत तब भी यदि आशा का केन्द्र न होता तो तकरीबन 2000 साल पूर्व भारत के मलाबार तट पर यहूदी न आते, न ही पारसी 1200 वर्ष पहले अपना मूल स्थान फारस (वर्तमान ईरान) छोड़कर गुजरात के संजान तट पर शरण लेते; और न ही द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी अत्याचारों से बचकर आये लगभग एक हजार पोलैंडवासी 1942 में जामनगर में आश्रय पाते। हिमाचल प्रदेश के मलाणा गांव में भारत से असफल लौटते सिकंदर (326 ईसा पूर्व) के ग्रीक सैनिकों के तथा गुजरात के जम्बूर में 200 साल पहले बस गये अफ्रीकी कबीले सिद्धि मूल के मजदूरों के वंशज आज भी नहीं बसे हुए होते, गर भारत आशा का केन्द्र न होता। चीन द्वारा तिब्बत पर कब्जा करने के बाद धर्मगुरु दलाई लामा को 1959 में विश्व के आशा के इसी केन्द्र भारत ने शरण दी थी और इसी कारण से बांग्लादेश की निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना यहां हैं।

डॉ. दीपक पाचपोर

> **भारत का स्वतंत्रता आंदोलन दूसरी बड़ी मिसाल है कि कैसे उसने दुनिया के अनेक देशों को औपनिवेशिक दासता की बेड़ियों को काटकर आत्म मुक्ति के लिये प्रेरित किया था। इस संघर्ष को जिसने राह दिखाई वह महात्मा गांधी थे जिन्होंने गरीब व कमजोर नागरिकों को अहिंसा व सत्य के अमोघ अस्त्र प्रदान किये।**

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन दूसरी बड़ी मिसाल है कि कैसे उसने दुनिया के अनेक देशों को औपनिवेशिक दासता की बेड़ियों को काटकर आत्म मुक्ति के लिये प्रेरित किया था। इस संघर्ष को जिसने राह दिखाई वह महात्मा गांधी थे जिन्होंने गरीब व कमजोर नागरिकों को अहिंसा व सत्य के अमोघ अस्त्र प्रदान किये। आजादी मिली तो बीआर अंबेडकर के संविधान ने देश में सदियों से भेदभाव भरी एक निष्ठुर सामाजिक व्यवस्था के कारण गुलामगिरी कर रहे करोड़ों शोषितों व वंचितों को मुक्त कर उन्हें नागरिक अधिकारों से लैस किया। यही संविधान अपने पन्नों में समानता, स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता और बन्धुत्व के अध्यायों को समेटकर भारत को वैश्विक आशा का एक अक्षुण्ण-अक्षय केन्द्र बनाता है।

यदि देश कभी आशा का केन्द्र था ही नहीं, तो प्रकारान्तर से मोदीजी यह भी कह रहे हैं कि भारत की सभ्यता व संस्कृति में उनके आने से पहले ऐसा कुछ भी नहीं था जिसकी पुनर्प्राप्ति का संघर्ष भाजपा और उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ करता है और जिस उद्देश्य को लेकर सौ वर्ष पहले उसकी स्थापना हुई थी। यानी भारत का जो कुछ भी अर्जन है वह इन्हीं पिछले एक दशक का है? तो पता चले कि आखिर किस भारत की स्थापना हेतु संघ कथित रूप से लड़ रहा है?

(लेखक देशबन्धु के राजनीतिक सम्पादक हैं)

कम्पनियों को जंगलों में प्रवेश देने से भयभीत वन निवासी

■ **राज कुमार सिन्हा**

आधुनिक व्यापार – व्यवसाय ने अब तेजी से प्राकृतिक संसाधनों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। जंगल, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई परिभाषा के मुताबिक केवल रिकॉर्ड में दर्ज होना ही काफी है, निजी कंपनियों को दिए जा रहे हैं। वन बहुल मध्यप्रदेश की सरकार धीरे-धीरे जंगलों को निजी हाथों में सोंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वर्तमान में फिर से मध्यप्रदेश सरकार ने वनीकरण के लिए बिगड़े वन भूमि को ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण के लिए निजी निवेशकों को सौंपने की योजना बनाई है, जिसमें निवेशकों को 50 प्रतिशत लघु वनोपज बेचने का अधिकार भी शामिल होगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 17 राज्यों ने अब तक ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत वृक्षारोपण के लिए 57,700 हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि को अलग रखा है। मध्यप्रदेश जो देश में सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है। उसने 2 फरवरी तक इस कार्यक्रम के लिए 15,200 हेक्टेयर से अधिक बंजर भूमि की पहचान और उसका पंजीकरण किया है जो सभी राज्यों से अधिक है, ऐसा सरकार ने वर्तमान संसद सत्र में बताया है। कोरोना काल में मध्यप्रदेश सरकार के 'प्रधान मुख्य वन संरक्षक' कार्यालय ने 20 अक्टूबर 2020 को 37 लाख हेक्टेयर बिगड़े वनों को 'पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप' (पीपीपी) मोड पर निजी कम्पनियों को देने का आदेश जारी किया था, परन्तु विरोध के बाद इसे रोका गया। प्रकृति को सुधारने के नाम पर मुनाफा कमाते हुए पूंजी बढ़ाने की तरकीब है – 'कार्बन व्यापार' या 'कार्बन ट्रेडिंग।' वर्ष 2021 में 'वैश्विक कार्बन क्रेडिट बाजार' में 164 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वर्ष 2030 तक इसके 100 बिलियन अमेरिकी डालर पार करने की उम्मीद है। 'कार्बन व्यापार' के जरिए (वनीकरण करके) अन्तराष्ट्रीय बाजार से करोड़ों रुपए कमाना प्राथमिकता में है। भारत सरकार ने 2008 से 12 के बीच बिगड़े वन, गांव का चारागाह एवं पड़त-जमीन पर वनीकरण कर 'कार्बन क्रेडिट' के जरिए 1250 लाख डॉलर कमाने की योजना बनाई थी। विश्वबैंक के आंकलन के अनुसार लकड़ी, बांस एवं अकाष्ठीय वनोत्पाद का मूल्य 20,000 लाख डॉलर है। 'संयुक्त वन प्रबंधन' इलाके के पारिस्थितिकीय एवं पर्यावरणीय टूरिज्म का मूल्य 17,000 लाख डॉलर आंका जा रहा है।

'ग्रीन इंडिया मिशन' और 'रिड्यूसिंग एमिशन फ्रॉम डिफारेस्ट्रेशन एण्ड डिग्रेडेशन' (आरईडीडी), जिसे संक्षिप्त में 'रेड' कहा जाता है, के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अन्तराष्ट्रीय पूंजी लाने की योजना है। पर्यावरण बचाने के नाम पर विश्व बाजार तैयार करना भी अन्तरराष्ट्रीय पूंजी का हिस्सा हो गया है। अब तो 'एनजीओ' भी आदिवासियों को उनके कब्जे की भूमि से बेदखल कर वृक्षारोपण करने का कार्यक्रम चला रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के मानपुर और ताला विकास खंड में आया है, जहां एक संस्था द्वारा आदिवासियों को उनकी 'वनाधिकार कानून' के दावे वाली वनभूमि से हटाकर वृक्षारोपण करने की शिकायत मिली है।

पर्यावरण बचाने के नाम पर धन भी बहुत है, लेकिन पूंजीवादी सोच के कारण सब कुछ व्यापारिक दृष्टिकोण से किया जा रहा है। इससे न तो जंगल और न ही पर्यावरण बच पा रहा है।

> **मध्यप्रदेश में कुल 52,739 गांवों में से 22,600 गांव या तो जंगल में बसे हैं या फिर जंगलों की सीमाओं से सटे हुए हैं। प्रदेश का बड़ा हिस्सा 'आरक्षित वन' है और दूसरा बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य आदि के रूप में जाना जाता है। बाकी बचते हैं वे वन जिन्हें 'बिगड़े वन' या संरक्षित वन कहा जाता है। इन संरक्षित वन में पहले स्थानीय लोगों के अधिकारों का दस्तावेजीकरण किया जाना है इसलिए उनका अधिग्रहण नहीं किया जाना है।**

मध्यप्रदेश में कुल 52,739 गांवों में से 22,600 गांव या तो जंगल में बसे हैं या फिर जंगलों की सीमाओं से सटे हुए हैं। प्रदेश का बड़ा हिस्सा 'आरक्षित वन' है और दूसरा बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य आदि के रूप में जाना जाता है। बाकी बचते हैं वे वन जिन्हें 'बिगड़े वन' या संरक्षित वन कहा जाता है। इन संरक्षित वन में पहले स्थानीय लोगों के अधिकारों का दस्तावेजीकरण किया जाना है इसलिए उनका अधिग्रहण नहीं किया जाना है। ये संरक्षित जंगल उन स्थानीय समुदाय के लिए बहुत महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधन हैं जो जंगलों में बसे हैं और जिसका इस्तेमाल वे निस्तार जरुरतों के लिए करते हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में 6520 वनखंडों में प्रस्तावित 30,06,624 हेक्टेयर भूमि के संबंध में वन व्यवस्थापन की कार्रवाई 1988 से लंबित है। भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्रावधानों के तहत वन व्यवस्थापन अधिकारियों को धारा- 5 से 19 तक कार्रवाई कर धारा-20 में आरक्षित वन बनाने की प्रारुप अधिसूचना मय प्रतिवेदन प्रस्तुत करनी थी, जो अब तक लंबित है। प्रश्न उठता है कि वन अधिकार कानून 2006 की धारा 3(1)(झ) द्वारा ग्राम सभा को जंगल के संरक्षण, प्रबंधन और उपयोग के लिए जो सामुदायिक अधिकार दिया गया है या दिया जाने वाला है, उसका क्या होगा?

(बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ)

आपके पत्र

बिहार चुनाव में राजनैतिक सरगर्मियां बढ़ी

बिहार विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने वाली है। बिहार चुनाव को लेकर तरह-तरह की बातें मीडिया की सुर्खियां बटोर रही है। नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के जरिये मत्तदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके कार्यकाल में किये विकास कार्यो को लेकर मतदाता उत्सुक नजर आ रहे हैं। बिहार को बीमारू राज्य के नाम से जाना जाता था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार की सत्ता संभालने के बाद राज्य का उत्तरोत्तर विकास हुआ है। इस बार विधानसभा चुनाव को लेकर राजद फूंक-फूंक कर पांव रख रही है। नीतीश कुमार ने क्रियान्वयन को लेकर राजद से किनारा कर लिया। तेजस्वी यादव ने कसीदे पढ़ने शुरू कर दिए। केंद्र में मोदी के साथ जदयू के गठबंधन के बाद नीतीश कुमार के इर्दगिर्द घूमने वाले लालू और तेजस्वी को मुख्यमंत्री नीतीश ने सिरे से खारिज कर दिया। बिहार में राजनीतिक बड़ा खेल होते-होते रह गया। नीतीश कुमार ने तेजस्वी को दो टूक जवाब दे दिया कि हम अब कभी भी राजद के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। अब हम मोदी को छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे। तेजस्वी ने नीतीश कुमार के ज्येष्ठ पुत्र निशांत को राजनीति में आने का न्यौता दिया है। निशांत राजनीति में आए तो उनका स्वागत है। तेजस्वी को अपना परिवार देखना चाहिए। तेजस्वी यादव ने अपने भाई तेज प्रताप के साथ अन्याय किया था। तेजस्वी और तेजप्रताप के ड्रामे से देश अंजान नहीं है। तेजस्वी ने तेजप्रताप के हक को छीन लिया था। तेजस्वी को अपने भाई और पिता लालू के साथ न्याय करना चाहिए। विपक्षी दल का विरोध राजनीति तक ही होना चाहिए। दूसरों के परिवार में दखलंदाजी करने से पहले अपने परिवार के बारे में सोचना चाहिए। राजनीति में आने के लिए हर कोई स्वतंत्र है लेकिन विपक्ष राजनीति के लिए आफर करता है तो यह बेबुनियाद है क्योंकि जिस व्यक्ति के लिए राजनीति में आने के लिए निमंत्रण भेज रहे हैं वे पहले से ही मजबूत और निष्ठावान है। उनको बरगलाने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। तेजप्रताप लालू प्रसाद के ज्येष्ठ पुत्र हैं और राजनीति और परिवार में सबसे पहले उनका हक है। अपने बूते चुनाव लड़ने और लालू प्रसाद को पार्टी में वर्चस्व की अनदेखी करने वाले तेजस्वी को परिवार के साथ न्याय करना होगा। लालू प्रसाद ने बिहार को जंगलराज का तमगा भले ही दिलाया हो, लेकिन तेजस्वी आज जो कुछ हैं अपने पिता की वजह से ही हैं। तेजस्वी राजद के मुखिया है। लालू के संरक्षण में बनी राजद पार्टी पर पहला हक लालूजी का है और बड़े पुत्र तेजप्रताप का है। दरअसल, नीतीश के आशीर्वाद से बिहार में उपमुख्यमंत्री बने तेजस्वी को किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए। राजनीति ही वह मंच है जहां परिवार का सम्मान होता है तो चुनाव में भी मत्तदाता अपना वोट देते हैं। सबसे पहले परिवार है उसके बाद में राजनीति है। उत्तरप्रदेश में समाजवादी ड्रामा अखिलेश और मुलायम के बीच तीन महीने तक चला। उसका परिणाम हम देख ही रहे हैं। फलस्वरूप तेज प्रताप शिक्षित व्यक्ति है और परिवार में सबसे पहले उनका हक है। तेजप्रताप उत्तराधिकारी है। तेजस्वी यादव अपने परिवार की अंगुली पकड़कर राजनीति के गलियारों तक पहुंचे है। अब परिवार के साथ अन्याय नहीं करना चाहिए। तेजस्वी को इधर-उधर की बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। अपने लक्ष्य को ध्यान में रखकर अपना कार्य स्वयं करें। क्योंकि सत्य की हमेशा जीत होती है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

ललित सुरजन की कलम से

छोटे राज्य व अन्य इकाईयां

'भारत के तेलगु भाषा-भाषियों के लिए आंध्रप्रदेश का विभाजन व तेलंगाना का निर्माण स्वाभाविक ही एक बड़ा भावनात्मक मुद्दा है, किन्तु अब जबकि फैसला हो चुका है, अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रख इस मुद्दे के व्यवहारिक पक्ष पर ध्यान देना न सिर्फ तेलगु समाज बल्कि पूरे देश के लिए हितकर होगा। 15 अगस्त 1947 को एक स्वतंत्र राष्ट्र की उदय-वेला में भारत की आबादी बत्तीस करोड़ के आसपास थी। गत सड़सठ वर्षों में यह आंकड़ा एक अरब बीस करोड़ के पार चला गया है। ध्यान आता है कि 1956 में राज्य पुनर्गठन के समय मध्यप्रदेश की आबादी मात्र दो करोड़ थी, जबकि सन् 2000 में मध्यप्रदेश के पुनर्गठन के समय सिर्फ छत्तीसगढ की ही आबादी इतनी थी। ऐसे ही आंकड़े अन्य प्रदेशों के होंगे। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि देश के लगभग हर प्रांत पर बढ़ती आबादी का दबाव लगातार बढ़ रहा है। यह एक व्यवहारिक तथ्य है जिसके आधार पर हम लंबे समय से छोटे राज्यों की वकालत करते आए हैं।'

'सन् 2000 में जो तीन नए प्रांत बने उनके पीछे भी कुछ भावनात्मक और कुछ राजनीतिक कारण थे। एनडीए सरकार ने व्यवहारिक आधारों पर नए प्रांतों के गठन का फैसला नहीं लिया था, किन्तु आज तेरह साल से कुछ अधिक समय बीत जाने के बाद यह स्पष्ट है कि तीन राज्यों के विभाजन से किसी भी राज्य को न कोई नुकसान पहुंचा और न कोई असुविधा हुई, बल्कि पुनर्गठन से जो नए राय बने उनमें बेहतर प्रशासन की संभावनाएं विकसित हुईं। यह अलग विवेचन का विषय है कि ये संभावनाएं फलीभूत हुईं या नहीं। अगर उसमें कोई कमी रही है तो उसके कारण अलग हैं। इस तरह विचार करने से हमें लगता है कि तेलंगाना राज्य गठित करने का निर्णय गलत नहीं था।'

(देशबन्धु में 27 फरवरी 2014 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/02/blog-post_26.html

पावन प्रसंग

सदाचार तथा वैदिक धर्म का ज्ञान

वेद तथा सनातनी ग्रंथों से मानव जीवन परिष्कृत होता है और सदाचार तथा वैदिक धर्म का ज्ञान मानव धर्मार्थ की खोज में एक यज्ञ की तरह है। भारतीय ऋग्वेद, अथर्ववेद और अनेक वेदों में इतनी शक्ति, ऊर्जा और अर्थ छिपा हुआ है कि उसका अध्ययन मनन और चिंतन करने से भारत विश्व गुरु बनने की क्षमता रखता है। भारत की योग विद्या पूरे विश्व में अमेरिका सहित यूरोप में अपनाई गई है।

भारतीय संस्कृति आज महावीर तथा बुध के पूरे विश्व में करोड़ों अनुयायी हैं, और दोनों ने श्रम तथा सार्थकता को जीवन में अपनाने को ही महत्व दिया था। गुरु नानक देव द्वारा प्रतिपादित सरबत दा भला, हो या महात्मा गांधी का सर्वोदय, ईसा मसीह की करुणा, मोहम्मद साहब, टैगोर का मानवतावाद या नेहरू का अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रवाद जीवन के श्रम तथा सार्थकता की खोज में बड़े महत्वपूर्ण उदाहरण है। व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर देखा जाए तो महज रोजगार की तलाश विवाह संतानोत्पत्ति, बच्चों का भरण-पोषण तथा सेवानिवृत्ति ही जीवन नहीं है। इसमें सामुदायिक श्रम और सार्थकता का समावेश होना समीचीन है। हालांकि इस बात में कोई दो मत नहीं कि पारिवारिक उत्तरदायित्व का निर्वहन सामाजिक मूलभूत आवश्यकता है पर इसके साथ साथ कुछ ऐसा सार्थक श्रम किया जाना चाहिए जो न केवल आत्मिक संतोष का अनुभव प्रदान करें, बल्कि सामाजिक हित और वैश्विक शांति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, और समाज को दिशा देने वाली कोई परिणति समाज के सम्मुख प्रकट हो जिससे समाज के लोगों का जीवन परिष्कृत हो। इसी संदर्भ में राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, सर सैयद अहमद खान, दयानंद सरस्वती, विवेकानंद ने हमेशा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध अभियान चलाकर जीवन में श्रम तथा सार्थकता का महत्व बढ़ाकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया था।

यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि जीवन की असली खोज श्रम सार्थकता की उपलब्धि ना होती और तथाकथित सफलता के शिखर पर व्यक्चि बैठ जाता है और शांत हो जाता, तो सफलता के शिखर पर बैठे बिलगेट, वारेन बुफेट जैसे लोग अपनी अकूत संपत्ति का बड़ा भाग सामाजिक उद्देश्य के लिए दान नहीं करते। सुंदरलाल बहुगुणा चिपको आंदोलन चलाकर जल तथा पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं करते। कैलाश सत्यार्थी बचपन बचाओ आंदोलन के माध्यम से बाल संरक्षण के अधिकारों का झंडा बुलंद नहीं कर पाते। थॉमस अल्वा एडिसन, आइंस्टीन, मैडम क्यूरी और राइट बंधुओं के श्रम और सार्थकता के प्रयास ने ही सफलता का परचम लहराया है। इन सब के पीछे उनकी असाध्य मेहनत और दिमागी सार्थकता ही मुख्य कारक बन कर उन्हें उत्प्रेरित करते रहे हैं।

-संजीव ठाकुर

CMYK

देशबन्धु संस्कारधानी

5 बिलासपुर

बुधवार,26 फरवरी 2025

उल्टा पुल्टा

पड़ोसन- फोन बहुत अच्छा है तुम्हारा।
श्रीमति- भाई ने लेकर दिया है। 4 हजार का पड़ा।
पड़ोसन- नेकलेस भी अच्छा है तुम्हारा
श्रीमति- उन्होंने लेकर दिया, डेढ़ लाख का पड़ा।
पड़ोसन- पति भी अच्छे हैं तुम्हारे।
श्रीमति- पिताजी ने लेकर दिया। 4 लाख में पड़े।

संपादकीय

एक और तेंदुए की मौत

डेढ़ माह के भीतर सड़क हादसे में एक और तेंदुए की सड़क दुर्घटना में मौत चिंताजनक है क्योंकि यह लुप्तप्राय प्रजाति है जिसके संरक्षण की हर सम्भव कोशिशें की जा रही हैं। शायद तेज गति या असावधानी से वाहन चालन करने वाले किसी ने तेंदुए की जान ले ली है। रविवार की सुबह रायपुर-देवभोग राज्य महामार्ग के उरतुली घाट के पास एक घायल तेंदुआ पाया गया था जिसे किसी अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी थी। उसका जबड़ा फट गया था तथा वह बुरी तरह से तड़प रहा था। वन विभाग के कर्मचारियों की मदद से उसे इलाज के लिये गरियाबन्द लाया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इसी प्रकार पिछले महीने के मध्य में बलौदाबाजार जिले के छुरा-कोमाखान मार्ग पर मोंगरा के निकट एक तेंदुए की अज्ञात वाहन से टकराकर मौत हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उस रात मोंगरा के बिरनीबाहरा मोड़ पर बहुत तेजी से आ रही एक कार के सामने वह तेंदुआ आ गया था। जोर की टक्कर से उसकी वहीं मौत हो गयी थी।

छत्तीसगढ़ अनेक प्रकार के जीव-जंतुओं का प्राकृतिक आवास है। इसके वनों में विभिन्न तरह के प्राणी रहते हैं जिनमें सरीसृप, पक्षी, जलचर आदि हैं। कई लुप्तप्राय नस्लें हैं जिन्हें बचाने के प्रयास जारी हैं। इन प्राणियों के निर्धारित ठिकाने हैं और एक स्थान से दूसरे स्थानों को जाने के तयशुदा रास्ते हैं। ये रास्ते जंगलों, पहाड़ों, नदियों, नालों आदि से होकर गुजरते हैं। ये प्राणी समूहों में होते हैं या फिर एकाकी विचरण करते हैं। ज्यादातर उनका विचरण रातों को होता है जिस दौरान वे सड़कें भी पार करते हैं जिन पर तेज रफ्तार से दौड़ने वाले वाहनों से वे कुचले जाते हैं। सांप, खरगोश, लकड़बग्घे जैसे छोटे जीव अक्सर वाहनों की चपेट में आते हैं। कई जानवर अचानक वाहनों के सामने आते हैं जिससे वे घायल होते हैं या मारे जाते हैं। इसलिये इनकी सुरक्षा के दृष्टिकोण से रात को जंगलों से गुजरती हुई उन सड़कों पर वाहन नियंत्रित गति से चलाये जाने चाहिये जिन पर जंगली जानवरों का विचरण होता है।

दरअसल इन सड़कों पर रात को यातायात बहुत कम होता है और अक्सर ये रास्ते रात को पूरी तरह से खाली होते हैं। इसलिये चालक अपने वाहन बहुत रफ्तार से चलाते हैं। इन वाहनों के तेज प्रकाश से प्राणियों की आंखें चौंधिया जाती हैं और उन्हें कुछ क्षणों के लिये दिखलाई नहीं देता। इसलिये वे वाहनों के सामने आ जाते हैं। जिन क्षेत्रों में प्राणियों की आमदरफ़्त हो या वे अक्सर विचरण करते हैं, वन विभाग इस आशय की सूचना देने वाले बोर्ड लगाये ताकि चालक धीमी गति से वाहन चलाएं। छत्तीसगढ़ के वनों से बहुत से प्राणी लुप्त होते जा रहे हैं या उनकी संख्या कम हो रही है। इसलिये उन्हें बचाया जाना ज़रूरी है।

स्वर्णिम ईरा कॉलोनी में नाबालिग के अंधे कत्ल की गुत्थी को पुलिस ने 3 घण्टे में सुलझाया

हत्या का आरोपी अपचारी बालक पुलिस हिरासत मे

थाना सरकंडा और एसीसीयू की संयुक्त कार्रवाई

बिलासपुर ,(देशबंधु) सरकंडा थाना अंतर्गत स्वर्णिम ईरा कॉलोनी में घटित एक नाबालिग बालिका की हत्या के मामले को सुलझाने मे पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। घटना की सूचना मिलने के 03 घण्टे के भीतर पुलिस द्वारा हत्या के आरोपी नाबालिक बालक को हिरासत में लिया गया है।

मंगलवार सुबह 10 बजे सरकंडा टी आई निलेश पाण्डेय को मोबाईल फोन के माध्यम से सूचना मिली कि स्वर्णिम ईरा कॉलोनी सरकडा मे एक नाबालिक बालिका उम्र करीब 5 वर्ष कल शाम करीब 7 बजे अपने घर से बिना बताए कहीं चली गयी थी। उसका शव आज स्वर्णिम ईरा कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान क्र. 80 में मिला है। सूचना प्राप्त होते ही निरीक्षक निलेश पाण्डेय द्वारा घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दिया गया। घटना की गम्भीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह अपने मातहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीसीयू अनुज कुमार, नगर पुलिस अधीक्षक सरकंडा सिध्दार्थ बघेल, प्रभारी एफएसएल यूनिट, प्रभारी फिंगरप्रिंट, प्रभारी डाग स्क्वाड एवं थाना प्रभारी सरकंडा निरी निलेश पांडेय एवं पुलिस टीम को तत्काल घटना स्थल के लिए रवाना किया गया एवं स्वयं घटना स्थल पर पहुंचे, घटना स्थल पर मौजूद साक्ष्यों का वैज्ञानिक पध्दति से संकलन एवं अज्ञात आरोपी के पता तलाश हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मामले में अज्ञात आरोपी के विरूध्द

अपराध धारा 103 (1) भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत मर्ग पंजीबध्द कर विवेचना प्रारम्भ किया गया।

घटना स्थल के निरीक्षण पर पाया गया कि स्वर्णिम ईरा कॉलोनी बिलासपुर मे जिस स्थान पर घटना घटित हुआ है वहां पर सैकड़ों मकान निर्माणाधीन है जिसमे 1 हजार से अधिक महिला पुरूष मजदूर अपने बच्चो के साथ रहकर काम करते है। जिस नाबालिक बालिका की हत्या हुई है उसके माता पिता भी मजदूरी करते है तथा कॉलोनी में ही बने मजदूरो के क्वार्टर में निवास करते है। घटना स्थल के निरीक्षण एवं तरीका वारदात् से पुलिस अधिकारियो को यह स्पष्ट हो गया था कि घटना को बाहर के आरोपी ने घटित नहीं किया है। बल्कि कॉलोनी मे रहने वाले ने ही घटना घटित किया है इस आधार पर पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में कुल 5 टीमो का गठन किया गया। इनमे से 3 टीमो को कॉलोनी में रहने वालो मजदूरो एवं उनके बच्चों से पूछताछ करने हेतु, 1 टीम को कॉलोनी लगे सीसीटीवी के अवलोकन हेतु एवं 1 टीम को कॉलोनी में पूछताछ कर सूचना संकलन करने की जिम्मेदारी दिया गया।

घटना के सबंध में पूछताछ एवं तस्दीक के दौरान कॉलोनी में कार्यरत मजदूर एवं अन्य व्यक्तियों के गोपनीय तरीके से शारीरिक जांच एवं गतिविधियो पर निगाह रखी जा रही थी। जांच टीम के द्वारा ऐसे 9 संदिग्धों की पहचान की गयी जिनका गतिविधि संदिग्ध प्रतीत हो रहा था एवं शरीर पर चोट खरोच के निशान दिखाई दे रहे थे। उन संदिग्धों से कड़ाई एवं बारिकी से पूछताछ किया गया।

इसी बीच सीसीटीवी कैमरा के अवलोकन से नाबालिग मृतिका को एक नाबालिग बालक हाथ पकड़कर घटना स्थल की ओर ले जाता हुआ दिखाई दिया। उक्त नाबालिग पूर्व से ही पहचान किए गए 9 संदिग्धो में से एक था। इस आधार पर उक्त बालक से पूछताछ किया गया। जिसने घटना करना स्वीकार किया है। प्रकरण मे मृतिका एवं अपचारी बालक दोनो के नाबालिग होने के कारण बाल कल्याण अधिनियम मे निर्धारित प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई किया जा रहा है। नाबालिग अपचारी बालक को हिरासत मे लिया गया है जिसे, किशोर न्याय बोर्ड में प्रस्तुत किया जा रहा है।

एसपी ने की अभिभावकों से अपील

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आज के समय जितने भी बच्चे मोबाइल फोन पर यू टूब देखते हैं, अभिभावक अपने बच्चों पर ध्यान दें कही वो पढ़ाई के अलावा कुछ और नहीं देख रहा ताकि उनका उसका भविष्य सुरक्षित हो और गलत कार्यों में संलिप्त ना हो ।

उक्त मामले को सुलझाने में थाना सरकंडा और एसीसीयू बिलासपुर के अधिकारी और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

सार-संक्षेप

व्यापारियों का अपना क्रिकेट टूर्नामेंट 27 फरवरी से गांधी चौक के मिनी स्टेडियम में

बिलासपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। यूथ कॉमर्स क्रिकेट चैंपियनशिप ऑफ आइकॉन सुपर सिक्सेस सीजन 6 27 फरवरी से 2 मार्च तक खेला जाएगा। व्यापारियों का अपना क्रिकेट टूर्नामेंट इस बार गांधी चौक के पास नवनिर्मित मिनी स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिसमें शहर के सभी तरह के उद्यमी, व्यवसायी शामिल होंगे। 50 वर्ष तक के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकेंगे। विजयी टीम को ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन 27 फरवरी को नवनिर्वाचित महापौर पूजा विधानी के हाथों होगा। इसके अलावा रायपुर से चेंबर ऑफ कॉमर्स के अमर परवानी, अजय भसीन, उत्तम गोलचा,राजेंद्र जग्गी, राकेश ओछवानी एवं टीम भी मौजूद रहेंगे।मंगलवार को बिलासपुर प्रेस क्लब में पत्रकारों से चर्चा करते हुए युवा व्यासायी नवदीप सिंह अरोरा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपने-अपने व्यवसाय में दिन-रात व्यस्त रहने वाले व्यापारियों को मानसिक तनाव से दूर रखने और शरीर को तरो ताजा रखने के उद्देश्य से यह टूर्नामेंट कराया जा रहा है। इसमें हर वर्ग के व्यवसायी उद्योगपति शामिल होकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रत्येक दिन मैच शाम 6 बजे से शुरू होंगे जो रात 11ः00 बजे तक खेले जाएंगे।श्री अरोरा ने बताया कि फ्लड लाइट क्रिकेट प्रतियोगिता इसलिए कराई जा रही है कि इसमें सभी लोगों का जुड़ाव होता है। क्रिकेट ऐसा खेल है जिसे हर वर्ग के लोग पसंद करते हैं और खेलना भी चाहते हैं। इसलिए व्यापारियों को व्यवसाय की दुनिया से कुछ दिनों के लिए बाहर कर तनाव से दूर करने उन्हें खेल से जोड़ा जा रहा है। 2 मार्च को इस टूर्नामेंट का भव्य समापन किया जाएगा जिसमें प्रदेश सरकार के मंत्रियों के अलावा जिले के विधायक और व्यवसाय उद्योग जगत के नामचीन लोग मौजूद रहेंगे। पत्रकारवार्ता के दौरान युवा व्यवसायी नवदीप सिंह छाबड़ा, अनिल वाधवानी, हेमंत जीवनानी, सतमित सिंह, हर्ष अग्रवाल, विक्की कोटवानी, परमजीत सिंह उबवेजा आदि उपस्थित थे।

एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन

बिलासपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत स्थायी रोजगार एवं स्वरोजगार का सृजन किया जाता है। बेरोजगारों को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजनांतर्गत लाभान्वित करने के उद्देश्यों से एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर आई0टी0आई0 बिल्हा में 27 फरवरी 2025 को और सी0वी0रमन विश्वविद्यालय कोटा में 28 फरवरी को एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत 2024-25 में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बिलासपुर को 47 प्रकरण का भौतिक लक्ष्य एवं वित्तीय लक्ष्य 132.54 लाख का प्राप्त हुआ था, जिसके विरूद्ध 83 प्रकरणों में बैकों द्वारा मार्जिन मनी राशि रू. 424.15 लाख का प्रकरण स्वीकृत किया गया है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के अंतर्गत भौतिक उपलब्धि 176 प्रतिशत एवं वित्तीय उपलब्धि 320 प्रतिशत है। स्वीकृत 83 प्रकरणों में से 59 प्रकरणों में बैंकों द्वारा ऋण वितरण की कार्यवाही करते हुए मार्जिन मनी राशि 218.46 लाख का क्लेम किया गया है। इस संबंध में जानकारी एवं मार्गदर्शन के लिए कार्यालय के प्रबंधक श्री सुनील कुमार पाण्डेय, (मो.नं. 7898609895) एवं प्रबंधक श्री नरेन्द्र कुमार साहू (मो.नं. 9630020012) से संपर्क कर सकते है। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र न्यू कम्पोजिट बिल्डिंग के प्रथम तल बिलासपुर से संपर्क कर सकते हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के पदों पर आवेदन 17 मार्च तक

बिलासपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। एकीकृत बाल विकास परियोजना शहरी अंतर्गत रिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। वार्ड क्रमांक 26 के आंगनबाड़ी केन्द्र 200 मेन रोड तालापारा, वार्ड क्रमांक 25 के आंगनबाड़ी केन्द्र 107 मिनी बस्ती तालापारा, वार्ड क्रमांक 45 के आंगनबाड़ी केन्द्र 239 पावर हाउस तहसील गली हेमूनगर में आंगनबाड़ी सहायिका के 1-1 रिक्त पदों एवं वार्ड क्रमांक 46 के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 57 ओव्हर ब्रिज के पार नयापारा एवं वार्ड क्रमांक 34 के आंगनबाड़ी केन्द्र 48 करबला मोची मोहल्ला में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 1-1 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु 17 मार्च 2025 तक कार्यालयीन समय में आवेदन किया जा सकता है। आवेदन बंद लिफाफे में अथवा पंजीबद्ध डाक के माध्यम से जमा किया जा सकता है। अंतिम तिथि पश्चात् प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अंतिम चरण के जिला पंचायत चुनाव परिणाम की घोषणा

बिलासपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। जिला पंचायत के सीईओ और रिटर्निंग ऑफिसर संदीप अग्रवाल ने तीसरे चरण के मतदान के सारणीकरण के बाद जिला पंचायत सदस्य चुनाव परिणाम की घोषणा की। उन्होंने नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। तीसरे चरण में 23 फरवरी को कोटा एवं तखतपुर विकासखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हुआ था। इसमें विकासखंड कोटा में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव परिणाम की घोषणा की गई जिसमें जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 15 से निरंजन सिंह पैकरा ग्राम पंचायत नगोई तहसील कोटा, क्षेत्र क्रमांक 16 से रजनी पिन्टू मरकाम ग्राम पंचायत खुरदुर, क्षेत्र क्रमांक 17 से जय कुमारी प्रभु जगत ग्राम पंचायत चंगोरी शामिल है। इसी प्रकार विकासखंड तखतपुर में भी 23 फरवरी को हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव परिणाम की घोषणा की गई। इनमें जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 06 से ललिता संतोष कश्यप ग्राम लिम्ही, क्षेत्र क्रमांक 07 से शिवेन्द्र प्रताप कौशिक ग्राम नगोई तहसील तखतपुर, क्षेत्र क्रमांक 08 से भारती नीरज माली मिलन चौक विष्णु नगर कुदुदण्ड, बिलासपुर तथा क्षेत्र क्रमांक 09 से अंबिका विनोद साहू ग्राम मोछ तहसील तखतपुर शामिल है। इस अवसर पर तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह, पूर्व विधायक श्रीमती रश्मि सिंह, श्री दीपक सिंह, श्री आशीष सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सकर्रा में खुला उप तहसील,25 गांवों के किसानों और ग्रामीणों को मिली सौगात

बिलासपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशों के अनुरूप सकरी तहसील के ग्राम सकर्रा को उप तहसील घोषित किया गया है। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देश पर कलेक्टर अवनीश शरण ने 24 तारीख को आदेश जारी कर दिए हैं। बहुत जल्द वहां नायब तहसीलदार बैठना शुरू कर देंगे। तखतपुर विधायक धरमजीत सिंह के पहल एवं प्रयासों से सकर्रा में उप तहसील का गठन संभव हो सका है। फिलहाल ग्राम पंचायत भवन में उप तहसील का काम-काज शुरू होगा। इससे उस इलाके के 7 पटवारी हल्कों के 25 गांवों के किसानों और ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। उन्हें अब लम्बी दूरी तय कर राजस्व संबंधी छोटे-मोटे कामों के लिए सकरी आने की जरूरत नहीं पडेगी।

■ ग्राम पंचायत भवन में उप तहसील का काम-काज होगा शुरू

जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार सकर्रा उप तहसील में अमसेना राजस्व निरीक्षक मण्डल के 7 पटवारी हल्का शामिल होंगे। इनमें पटवारी हल्का 33 के अंतर्गत ग्राम कोड़ापुरी, मेड़पारा बाजार, सकेती, सांवाताल, पटवारी हल्का 34 के ग्राम कुरेली, केकराड़, ठाकुरकांपा, खजुरी, पटवारी हल्का 35 के ग्राम मुरू, पथराली, बुटेना, कबराकांपा, पटवारी हल्का 36 के ग्राम खरकेना, मेड़पार छोटा, डिघोरा, पटवारी हल्का 37 के ग्राम छतौना, बोड़सरा पाली, हल्का नम्बर 38 के ग्राम अमसेना, बेलमुण्डी तथा पटवारी हल्का 39 के ग्राम सकर्रा, कोपरा, सिधिरी, उड़ेला एवं सरसेनी शामिल हैं। नवगठित उप तहसील सकर्रा के उत्तर दिशा में तखतपुर तहसील, दक्षिण में बिल्हा तहसील, पूर्व में सकरी तहसील एवं पश्चिम में मुंगेली जिला का पथरिया तहसील स्थित है। नए उप तहसील की घोषणा के पूर्ण होने पर ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है।

केन्द्रीय जेल में महाकुंभ, कैदियों ने जेल में किया गंगा स्नान, लगाई डुबकी

बिलासपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। केन्द्रीय जेल बिलासपुर में आज सवेरे प्रयागराज महाकुंभ से मंगाये गये गंगा जल से कैदियों का सामूहिक स्नान करवाया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर जेल में बंद कैदियों ने पहली बार आध्यात्मिक स्नान का आनंद उठाया। बिलासपुर केन्द्रिय जेल में बंद करीब दो हजार कैदियों ने हर-हर गंगे की जप के साथ डुबकी लगाई।

केन्द्रीय जेल में दो दिन पहले प्रयागराज से पहुंचे गंगा जल को पूजा- अर्चना कर विधि-विधान से जेल की चहार दीवारियों के भीतर लाया गया। कैदियों की भजन मण्डली ने जेल के मुख्य द्वार से गंगा जल को सुन्दरता से सजायी गई मटकियों में रख कर टंकियों और अन्य कैदियों तक पहुंचाया। महाकुंभ स्नान को लेकर जेल प्रशासन ने पहले से तैयारियां कर रखी थीं। जेल अधीक्षक खोमेश मण्डावी ने बताया कि कैदियों के नहाने वाली टंकी को भी चारों तरफ से सजा लिया गया था। राज्य सरकार के साथ ही जेल प्रशासन ने अपनी ओर से 40 लीटर गंगा जल की व्यवस्था कर रखी थी, जिससे कैदियों ने स्नान किया। किसी ने लोटे से स्नान किया तो कईयों ने टंकी में डुबकी लगाई। कैदियों ने राज्य शासन के जेल में गंगा स्नान कराने की पहल की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इससे कैदियों को मानसिक और आत्मिक शांति प्राप्त होगी।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 6 अफसरों के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले की चल रही जांच

बिलासपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ में राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरो के भ्रष्टाचार और उन पर कार्रवाई का मुद्दा सदन में उठा। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और बिल्हा के भाजपा विधायक धरमलाल कौशिक के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि 6 अफसरों के खिलाफ जांच चल रही है। मुख्यमंत्री ने अपने जवाब में ये भी बताया कि जांच के दायरे में आया कोई भी दोषी अफसर बचेगा नहीं।

■ भाजपा विधायक धरम लाल कौशिक के सवालों के जवाब में मुयमंत्री विष्णुदेव साय ने विधानसभा में दी जानकारी

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने सुशासन एवं अभिसरण का गठन किया है। राज्य सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई करेगी। इससे पहले धरम लाल कौशिक ने सवाल पूछा था कि प्रदेश में 31 जनवरी, 2025 की स्थिति में कुल कितने राज्य प्रशासनिक सेवा में प्रथम श्रेणी के कुल कितने पद स्वीकृत, भरे व रिक्त हैं? इनमें से किन-किन अधिकारियों के विरूद्ध वर्ष 2019 से ईओडब्ल्यू, एसीबी तथा राज्य शासन द्वारा कब से, किन-किन कारणों से एवं किस विषय से संबंधित जांच/विभागीय जांच की गई/की जा रही है। जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि 31 जनवरी, 2025 की स्थिति में राज्य प्रशासनिक सेवा में प्रथम श्रेणी के कुल 255 पद स्वीकृत, 251 भरे व 4 पद रिक्त है। मुख्यमंत्री ने बताया कि छह अधिकारियों के खिलाफ जांच चल रही है। जवाब पर धरमलाल कौशिक ने कहा कि, उनके सवाल लगाये जाने के बाद आरोपी अधिकारी भरोसा राम ठाकुर, टेकराम महेश्वरी और ज्योति बबली के खिलाफ राज्य सरकार की तरफ से कार्रवाई शुरू की गयी है। भरोसा राम ठाकुर के खिलाफ 28 जनवरी 2025 को जांच की अनुमति दी गयी है, जबकि टेकराम महेश्वरी को निलंबित 7 जनवरी 2025 और अभियोजन की अनुमति 4 फरवरी 2025 को दी गयी। उसी तरह से ज्योति बबली के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्मरण पत्र 14 फरवरी को भेजा गया।

भाजपा का जिला पंचायत अध्यक्ष बनना तय ,17 में से 9 सदस्य जीते

राजेश सूर्यवंशी और अरुना सूर्या में से किसकी लगेगी लाटरी ,भाजपा नेता करेंगे तय

बिलासपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। जिला पंचायत के अध्यक्ष पद पर भाजपा ही काबिज होगा यह तय है क्योंकि 17 सदस्यों में से बहुमत का आंकड़ा 9 सदस्य भाजपा के जीते है । अजा के लिए आरक्षित अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के दो सदस्य जीत कर आए हैं। बिल्हा एक से राजेश सूर्यवंशी और मस्तुरी 11 से श्रीमती अरुना सूर्या दोनों ने जीत दर्ज की है और दोनों भाजपा समर्थित है। अब भाजपा नेताओं को तय करना है कि अध्यक्ष का पद दोनों में से किसे सौंपना है।

भारतीय जनता पार्टी समर्थित 9 प्रत्याशियों ने जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीता है इस नाते सहज रूप से और बहुमत के आधार पर जिला पंचायत में भाजपा का कब्जा हो गया है ।कांग्रेस फिर पिछड़ गई है जबकि पिछले जिला पंचायत में कांग्रेस का बहुमत रहा है । नगर निगम ,नगर पालिका ,नगर पंचायतों की सत्ता में काबिज होने के बाद भाजपा का जिला पंचायत में भी कब्जा हो जाना यह साबित करता है कि शहर से लेकर गांव तक का सर्वांगीण विकास करने की महती जिम्मेदारी मतदाताओं ने भाजपा को सौंप दी है । अब किसी भी प्रकार का बहाना या पिछली सरकार पर आरोप लगाकर जिम्मेदारी से बचने का मौका नहीं चलेगा। रहा

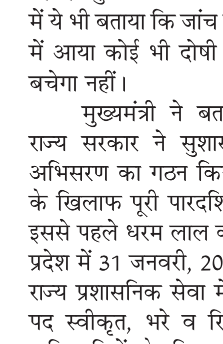

सवाल जिला पंचायत अध्यक्ष का तो हालांकि राजेश सूर्यवंशी और उनकी पत्नी जिला पंचायत के 4 कार्यकाल में सदस्य रह चुके है इस नाते राजेश सूर्यवंशी को अध्यक्ष की दावेदारी करना बनता है लेकिन यह मोदी ,शाह की भाजपा है कब क्या निर्णय लें खुद भाजपा के नेता भी नहीं जानते । पिछले कुछ वर्ष से भाजपा के नेता खूब प्रचारित कर रहे है कि केंद्र और राज्य की सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए खूब काम कर रही है। यह दावा भाजपा संगठन और सत्ता में दिख भी रहा है । राष्ट्रपति,दिल्ली की मुख्यमंत्री से लेकर बिलासपुर नगर निगम की महापौर प्रत्याशी के लिए भाजपा ने महिलाओं को प्राथमिकता दी है तो फिर जिला पंचायत अध्यक्ष पद का भी महिला को देकर कोई कसर बाकी न रखा जाए ऐसी सोच कहीं भाजपा नेताओं की बन जाए तो अरुना सूर्या की किस्मत चमक सकती है। वैसे भी अरुना सूर्या मस्तुरी विधानसभा क्षेत्र से जीत कर आई है और विधानसभा चुनाव में वहां भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था इस नाते भाजपा की प्रतिष्ठा को बनाए रखने में अरुना ने बड़ी मेहनत की है जिससे उसका भी दावा जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए बनता है । देखना है भाजपा के नेता जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर किसकी ताजपोशी करते हैं ।

श्रम मंत्री आज करेंगे पाली महोत्सव का शुभारंभ

बॉलीवुड सिंगर शान, मैथिली ठाकुर, दिलीप षड़ंगी, सुनील सोनी देंगे प्रस्तुति

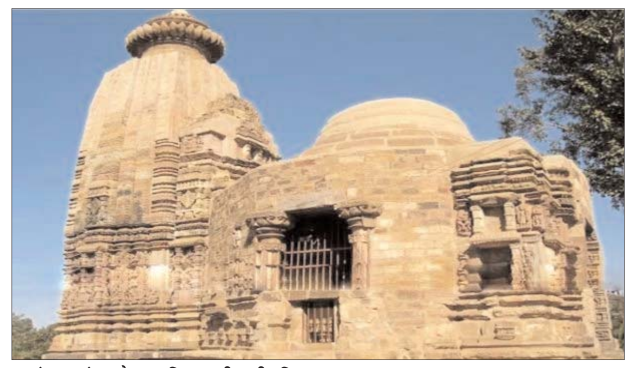

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। जिला प्रशासन द्वारा पाली महोत्सव के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। महाशिवरात्रि पर 26 फरवरी को महोत्सव का शुभारंभ शाम 7 बजे से पाली महोत्सव मैदान ग्राम पंचायत केराझरिया में किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वाणिज्य श्रम व उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन शामिल होंगे। महोत्सव की अध्यक्षता सांसद कोरबा श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत, विशिष्ट अतिथि विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, विधायक पालीतानाखार तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम, विधायक रामपुर फूलसिंह राठिया, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, अध्यक्ष नगर पंचायत पाली अजय जायसवाल एवं सरपंच केराझरिया श्रीमती गिरजा सत्यनारायण पैंकरा शामिल होंगे।

शुभारंभ समारोह 26 फरवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम में शाम 6:30 बजे से सुनील सोनी प्रस्तुति देंगे। रात्रि 8 बजे से मैथिली ठाकुर अपनी सुरों की छटा बिखेरेंगी। साथ ही छाऊ नृत्य मयूरभंज एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा अपना कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। 27 फरवरी को शाम 6:30 बजे से छत्तीसगढ़ी गायक दिलीप षड़ंगी अपनी प्रस्तुति देंगे। रात्रि 8 बजे बॉलीवुड सिंगर शान अपने मशहूर गीतों की प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही कत्थक नृत्य एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। 26 फरवरी को साइकिल रेस व 27 फरवरी को वीडियोग्राफी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। समापन समारोह 27 फरवरी को शाम 7 बजे मुख्य अतिथि उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के आतिथ्य में किया जाएगा। इस दौरान विशिष्ट अतिथि सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत, विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, विधायक पाली-तानाखार तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम, विधायक रामपुर फूलसिंह राठिया, महापौर नगर निगम श्रीमती संजू देवी राजपूत, अध्यक्ष नगर पंचायत पाली अजय जायसवाल, सरपंच ग्राम पंचायत केराझरिया श्रीमती गिरजा सत्यनारायण पैंकरा के विशिष्ट आतिथ्य में किया जाएगा। इस अवसर पर शांति, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस के द्वारा रूट चार्ट बनाया गया है। अपील की गई है कि रूट चार्ट का पालन कर आवागमन करते हुए व्यवस्था बनाने में सहयोग करें व अनावश्यक परेशानी से बचें।

भू-विस्थापितों ने गेवरा खदान में कराया काम बंद

कोरबा-गेवरा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। कोयला खदान विस्थापन प्रभावित नराईबोध, भस्माखार एवं अन्य ग्रामों की समस्याओं व समस्त मांगों का निराकरण नहीं होने पर 25 फरवरी से 30 मार्च तक गेवरा खदान बंद आंदोलन की सूचना बाद आज सुबह से कामकाज बन्द कराया गया है।

गेवरा खदान में कोयला परिवहन में लगे वाहनों को रोकने के साथ कामकाज बाधित कर हड़ताल प्रारम्भ कर दिया गया है। इस बीच प्रबंधन द्वारा इन हड़तालियों को कहा जा रहा है कि अगर हड़ताल खत्म नहीं किया तो हम एफआईआर करवाएंगे।

दूसरी तरफ इन भूविस्थापितों का कहना है कि अगर आम जनता अपने अधिकारों के लिए गुहार लगाती है तो शासन-प्रशासन प्रबंधन से मिलकर के आम जनता के ऊपर एफआईआर दर्ज करता है। इससे अच्छा है कि हम आत्महत्या कर लें जबकि सभी लोग प्रभावित हैं। ब्लास्टिंग, पानी, वैकल्पिक रोजगार के लिए अधिकार दिलाने की बजाय शासन-प्रशासन प्रबंधन से मिलकर ऊपर एफआईआर दर्ज करता है तो समस्त ग्रामवासी आत्महत्या करेंगे क्योंकि उसके सिवाय हमारे पास और कोई रास्ता नहीं है। मुख्य रूप से ग्रामवासी दिनेश साहू,रमेश दास, उत्तम दास, विवेक दास, वीरेंद्र भट्ट, जय कौशिक, अश्वनी यादव, देवनारायण चौहान, सनी साह, अरुण नन्हेट, दिलहरण चौहान, चेतन केवट, नेतराम कौशिक आदि डटे हैं। हड़ताल से पहले सोमवार को गेवरा परियोजना के एरिया ऑफिस में बैठक हुई जिसमें एपीएम, एल एण्ड आर ऑफिसर, सिविल ऑफिसर उपस्थित हुए। चर्चा के दौरान वैकल्पिक रोजगार के संबंध में कोई भी सकारात्मक पहल नहीं हुई जो कि वर्तमान की सबसे बड़ी समस्या है। इसलिए प्रभवित क्षेत्रवासियों द्वारा हड़ताल करना निश्चित हुआ है।

महाकुंभ से लाए गए गंगाजल से कैदियों ने किया स्नान

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। जिले के जेल में एक अनोखी पहल हुई, जहां कैदियों ने महाकुंभ से लाए गए गंगाजल से सामूहिक स्नान किया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा की पहल पर हुआ, जिन्होंने हाल ही में महाकुंभ से गंगाजल लाया था। इस विशेष अवसर पर राज्य के 5 सेंट्रल जेल, 20 जिला जेल और 8 सब-जेल के कैदी गंगाजल से स्नान कर रहे हैं। कैदियों ने इस स्नान के माध्यम से मानसिक और आत्मिक शांति की प्राप्ति की आशा जताई है।

जिला जेल के जेलर विज्ञानंद सिंह ने बताया कि जेल प्रशासन ने इस आयोजन को लेकर विशेष व्यवस्था की है और कैदियों के बीच धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व को बढ़ावा देने के लिए इसे एक सकारात्मक कदम बताया है। इस आयोजन के दौरान, कैदियों ने गंगाजल से स्नान करने के बाद पूजा-अर्चना भी की। गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस आयोजन के लिए जेल प्रशासन को बधाई दी और कहा कि यह आयोजन कैदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद करेगा। इस आयोजन के साथ, कोरबा जिला जेल प्रशासन ने कैदियों के लिए एक अनोखी पहल की है, जिससे उन्हें अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का अवसर मिलेगा।

मकान मालिकों को देनी होगी किरायेदारों की जानकारी

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के दिशा निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितीश ठाकुर के मार्गदर्शन में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी एवं थाना-चौकी क्षेत्र अंतर्गत होटल, लॉज, फेरी करने वाले, किरायेदारों और संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी देने संबंधित थाना चौकी में देने का अभियान सजग कोरबा के तहत चलाया जा रहा है। कोरबा औद्योगिक क्षेत्र है समय-समय पर पुलिस टीम के द्वारा किरायेदारों, फेरीवालों, होटल, लॉज संचालकों को पुलिस चेकिंग के दौरान स्पष्ट हिदायत दिया गया है कि मकान किराया में देने वाले मकान मालिकों, होटल, लॉज में रुकने वाले व्यक्तियों की सूची बनाकर थाने में विधिवत तरीके से दिया जाए और अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति मकान किराया, होटल लॉज में रुका हो उसकी जानकारी भी तुरंत नजदीकी थाने में दिया जाए। यदि मकान मालिकों द्वारा अपने किरायेदार की जानकारी संबंधित थाना चौकी में नहीं देने पर भविष्य में यदि कोई किरायेदार किसी अपराध में संलिप्त पाये जाते है तो संबंधित किरायेदार के साथ साथ मकान मालिक के विरूद्ध भी वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। मकान मालिक के साथ-साथ संबंधित किरायेदारों का भी दायित्व है कि अपनी विस्तृत जानकारी संबंधित थाना चौकी में अनिवार्य रूप से देवें। जिलेवासियों को सुरक्षा का बोध कराने व कानून व्यवस्था बनाये रखने में क्षेत्र की जनता भी संदिग्ध व्यक्तियों व किरायेदारों की जानकारी पुलिस थाना व चौकी में सूचना दे सकते है।

आयुक्त ने स्लम बस्तियों में स्वच्छता ड्राईव का किया निरीक्षण

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। नगर निगम के दर्री जोन की स्लम बस्ती राजीव नगर पहुंचे आयुक्त ने प्राथमिक स्कूल के बच्चों से पूछा कि गीला एवं सूखा कचरा क्या होता है तथा उसे किस-किस रंग के डस्टबिन में अलग-अलग रखा जाता है, तो बच्चों ने सटीक उत्तर देते हुए गीला व सूखा कचरा की जानकारी दी तथा बताया कि गीला कचरा हरे डस्टबिन में व सूखा कचरा नीले में डस्टबिन में रखते हैं।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय स्वच्छता महाअभियान के तहत संचालित की जा रही मेगा स्वच्छता ड्राइव का निरीक्षण करने स्लम बस्ती राजीव नगर व ग्राम्य बस्ती भिलाईखुर्द पहुंचे थे। दर्री जोनांतर्गत राजीव नगर स्याहीमुड़ी वार्ड व कोरबा जोनांतर्गत भिलाईखुर्द वार्ड में मेगा स्वच्छता ड्राइव संचालित की गई। महाअभियान के दौरान अपर आयुक्त विनय मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, कार्यपालन अभियंता विनोद कुमार शांडिल्य, राकेश मसीह, अजीत तिग्गा, राजस्व अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक सुनील वर्मा, सहायक अभियंता एस.सी.सोनी, पीयूष राजपूत, यशवंत जोगी, अभय मिंज, रितेश सिंह, शैलेन्द्र नामदेव, पीआईयू, धनमोहन, पंकज गभेल सहित निगम के सफाई मित्र, स्वच्छता दीदियाँ, स्वच्छता कमांडो आदि ने अपनी सहभागिता दी। इस दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निगम के सभी वार्डों में ऐसे बोर्ड स्थापित कराएं जिनमें उक्त वार्ड के पार्षद का नाम एवं मोबाईल नम्बर के साथ-साथ वार्ड में सफाई, पेयजल, स्ट्रीट लाईट (विद्युत) व राजस्व के निगम के वार्ड प्रभारियों के नाम व मोबाईल नम्बर अंकित हों, ताकि इनसे जुड़ी समस्याओं के लिए वार्डवासी संबंधित वार्ड प्रभारियों को कॉल कर अपनी समस्याओं से अवगत करा सकें तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निदान सुनिश्चित किया जा सके। आयुक्त ने बस्तीवासियों से आग्रह किया कि वे घरों से निकले कचरे को सड़क, नाली आदि में न डालें, सूखा व गीला कचरा पृथक-पृथक डस्टबिन में संग्रहित करके रखें तथा डोर-टू-डोर अपशिष्ट संग्रहण हेतु पहुंचने वाली स्वच्छता दीदियों के रिक्शे में ही पृथक-पृथक कचरे को दें।

घर की पानी टंकियों पर लगाएं फ्लोट-वाल : आयुक्त

पेयजल की बर्बादी रोकने निभाएं अपनी सहभागिता

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने आमनागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि अपने घरों व घर की छतों पर स्थापित पानी टंकियों में अनिवार्य रूप से फ्लोट-वाल लगवाएं, ताकि पेयजल अनावश्यक रूप से न बहे, उन्होंने कहा कि जल की एक-एक बूंद कीमती है, कृपया इसे व्यर्थ न बहाएं तथा पेयजल की बर्बादी को रोकने के लिए अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता व सहयोग दें।

विभिन्न आवासीय क्षेत्रों, कालोनियों में स्थित मकानों में मकान स्वामियों द्वारा अपने घर व घर की छतों पर पानी की टंकियाँ स्थापित की गई हैं, निगम के नल कनेक्शन से इन टंकियों को जोड़कर उनके द्वारा घरेलू उपयोग हेतु पानी स्टोर किया जाता है, प्रायः यह देखने में आता है कि पानी टंकियों में फ्लोट-वाल न लगे होने के कारण टंकियों के भर जाने के पश्चात पानी अनावश्यक रूप से ओव्हरफ्लो होकर बहता रहता है तथा पानी की बर्बादी होती है। आयुक्त ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि वास्तव में जल ही जीवन है, जल की एक-एक बूंद कीमती है, अतः इसे व्यर्थ न बहने दें। नगर पालिक निगम द्वारा हसदेव नदी के दर्री बराज दाई तट नहर एवं सर्वेश्वर एनीकेट में निर्मित इन्टकवेल से रा-वाटर प्राप्त कर उसे जल उपचार संयंत्रों के माध्यम से उपचारित व शोधित कर शुद्ध पेयजल बनाया जाता है, रा-वाटर से शुद्ध पेयजल बनाने में निगम द्वारा काफी मात्रा में आवश्यक संसाधनों को काम में लाया जाता है, साथ ही पी.ए.सी. पाउडर व ब्लीचिंग पाउडर की निर्धारित मात्रा के द्वारा जल को शोधित किया जाता है। निगम द्वारा इस शोधित जल की प्रतिदिन लैब जांच, शहर के विभिन्न बिन्दुओं पर कराई जाती है, तब कहीं जाकर पेयजल की आपूर्ति होती है।

आवश्यकता होने पर 38 पानी टैंकरों से जलापूर्ति

नगर पालिक निगम द्वारा अपने जल आपूर्ति संसाधन बेड़े में विभिन्न क्षमता के 32 सामान्य पानी टैंकर एवं 6 ट्रक माउंटेड वाटर टैंकर शामिल किए गए हैं, पाईप लाईन से की जाने वाली नियमित जलापूर्ति में किसी प्रकार का आकस्मिक व्यवधान उपस्थित होने पर वार्ड व बस्तियों में इन 38 पानी टैंकरों के द्वारा पानी की आपूर्ति कराई जाती है।

गढ़ कलेवा में संचालित होगी चौपाटी,बनी अंतिम सहमति

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। स्मृति उद्यान के पीछे स्थित गढ़ कलेवा में नई चौपाटी गुलजार होगी तथा खानपान की सभी दुकानें खुल जाएंगी। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय एवं चौपाटी संघ के संरक्षक व पार्षद नरेन्द्र देवांगन ने संघ के पदाधिकारियों के साथ चौपाटी स्थल का निरीक्षण किया, वहाँ की सभी व्यवस्थाओं को देखा, वहीं संघ ने चौपाटी में दुकानों का संचालन किए जाने पर अपनी सहमति जताई।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने चौपाटी की सुरक्षा हेतु निगम की ओर से दिन के समय में एक सुरक्षा गार्ड व रात्रि के समय दो सुरक्षा गार्डों की तैनाती किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान आयुक्त आशुतोष पाण्डेय व पार्षद नरेन्द्र देवांगन अधिकारियों की टीम के साथ राजेन्द्र प्रसाद नगर दशहरा मैदान के सामने स्थित डिवाईडरयुक्त चौड़ी सड़क का स्थल निरीक्षण किया तथा निहारिका घंटाघर क्षेत्र व स्मृति उद्यान पार्किंग स्थल पर अव्यवस्थित रूप से लगने वाले फल ठेलों को वहाँ पर अस्थाई रूप से अपनी दुकानें संचालित किए जाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। घंटाघर चौक तथा आसपास के क्षेत्रों में मोबाईल एसेसरीज विक्रेताओं को अब बुधवारी पौनी पसारी पार्किंग स्थल के किनारे-किनारे निगम द्वारा शेडयुक्त दुकानें बनाकर उन्हें स्थल उपलब्ध कराया जाएगा तथा वहीं पर फल विक्रेताओं को भी उनकी दुकानों के संचालन हेतु स्थान दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा, जोन कमिश्नर सुरेश बरूवा, चौपाटी संघ के सहसंरक्षक शैलेष सिंह सोमवंशी, संघ के अध्यक्ष कमलेश जोशी, राजस्व अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा व गोयल सिंह विमल, उप जोन प्रभारी सुमित गुप्ता, प्रिंस कुमार सिंह आदि के साथ चौपाटी संघ के अन्य पदाधिकारी व सदस्यगण तथा अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

यातायात सिग्नल से भिड़ी एंबुलेंस, बाल-बाल बचे लोग

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। नगर में सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत कोसाबाड़ी चौक पर एक एंबुलेंस यातायात सिग्नल से टकरा गई। बताया जा रहा है कि चालक नशे की हालत में था। वह लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। हादसे में एंबुलेंस क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन वाहन चालक सुरक्षित है। घटना में मौके से गुजर रहे कई बाइक सवार भी बाल-बाल बच गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और सिविल लाइन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन से एंबुलेंस को हटवाया गया। सिविल लाइन थाना प्रभारी प्रमोद डनसेना के मुताबिक वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

जलाराम मंदिर में नर्मदेश्वर महादेव का अभिषेक आज

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। श्री गुजराती समाज व जलाराम सेवा समिति द्वारा महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर 26 फरवरी बुधवार को संत श्री जलाराम मंदिर परिसर स्थित भगवान नर्मदेश्वर महादेव का अभिषेक पूजन सुबह 7 बजे से किया जाएगा। इसके पश्चात 8 बजे से ठंडाई प्रसाद का वितरण किया जाएगा। शाम 4.30 बजे से कच्छ गुर्जर क्षत्रिय महिला मंडल द्वारा भजन तथा दीप प्राकट्य का कार्यक्रम रखा गया है। मंदिर की संध्या आरती के बाद भगवान भोलेनाथ की आरती की जाएगी। आरती पश्चात फलाहारी भंडारा प्रसाद का वितरण किया जाएगा। समाज के सभी सदस्यों से आयोजन में सपरिवार उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

धूमधाम से आज निकलेगी भोले की बारात

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। श्री श्री शिव परिवार काली मंदिर दुरपा रोड के द्वारा लगातार आयोजन के दसवें वर्ष महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ की बारात धूमधाम से निकाली जाएगी। इसके लिए भव्य तैयारी करने के साथ-साथ विवाह स्थल को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। आयोजन को लेकर तमाम तैयारियां शिव परिवार की ओर से की जा रही है। शिव परिवार ने बताया कि 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर भोलेनाथ की बारात पावर हाउस रोड स्थित शिव मंदिर से पूजा-अर्चना के पश्चात प्रारंभ होगी। आकर्षक और रोमांचित करती झांकियों के साथ भोलेनाथ की बारात पावर हाउस रोड होते हुए मुख्य मार्ग पहुंचेगी और श्री राम मंदिर पुराना बस स्टैंड में देव पूजन के पश्चात विवाह स्थल मां काली मंदिर परिसर दुरपा रोड के लिए रवाना होगी। भोलेनाथ की बारात में देवताओं के साथ गण भी शामिल होंगे। दिल्ली, मथुरा, कानपुर, नागपुर और पंजाब के आकर्षक लोक नृत्य की प्रस्तुति भी देखने को मिलेगी।

दिव्यज्योति के दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने देखी फिल्म 'छावा'

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। दिव्यज्योति छात्रावास के दिव्यांग छात्र-छात्राओं मंगलवार को फिल्म छावा देखी। यह उनके लिए, एक अद्भुत और हृदयस्पर्शी कार्यक्रम था। समाजसेवी गोपाल मोदी के सहयोग से दिव्य ज्योति छात्रावास के मूक बधिर बच्चों को छावा मूवी दिखाने का आयोजन करना एक बहुत ही उदार और सामाजिक कार्य है। इस कार्यक्रम में लगभग 90 छात्र-छात्राएं और शिक्षक-शिक्षिकाएं ने भाग लिया और फिल्म का भरपूर आनंद लिया। बच्चों ने गोपाल मोदी और उनके बेटे तुषार मोदी का आभार पुष्पगुच्छ और आभार पत्रिका द्वारा व्यक्त किया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के कई सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें रीता क्षेत्रपाल, मोहिंदर कौर, प्रेम अग्रवाल, पारस जैन, संजय अग्रवाल (गुड्डू) और सतनाम मल्होत्रा शामिल थे। यह कार्यक्रम दिव्यांग बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव प्रदान करने में सफल रहा।

बाल संप्रेक्षण गृह का किया गया औचक निरीक्षण

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। जिले में संचालित बाल संप्रेक्षण गृह (बालक) रिसदी का मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सत्येन्द्र कुमार साहू ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ शीलू सिंह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोरबा एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भी उपस्थित थे। बाल संप्रेक्षण गृह (बालक) रिसदी कोरबा में कुल 40 बालक उपस्थित थे। सत्येन्द्र कुमार साहू द्वारा रूटीन चार्ट के हिसाब से बच्चों को खाना, बच्चों के नहाने की समुचित व्यवस्था, प्रत्येक बच्चे को उनके परिवार वालों से बात कराया जाना, विधि से संघर्षरत बालकों की संप्रेषण गृह निरूद्धता अवधि, निरूद्ध बालकों की जन्मतिथि अनुसार वर्तमान उम्र, बालकों के अपराध की समीक्षा, पैरवी हेतु नियुक्त अधिवक्ता की जानकारी सहित रहने हेतु कमरों की स्थिति का निरीक्षण किया गया।

छत्तीसगढ़ शासन के निर्णय का भामस ने किया स्वागत

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय मंत्री राधेश्याम जायसवाल ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्रमिकों व कर्मचारियों के हित में लिए गए निर्णय का स्वागत किया है। श्री जायसवाल ने बताया है कि दुकान एवं माल में कार्य करने वाले श्रमिकों/कर्मचारियों का कर्मचारी राज्य बीमा का श्रम कार्ड बनने से श्रमिकों एवं उसके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य उपचार राज्य बीमा चिकित्सालय में निःशुल्क होगा तथा दुकान/माल में कार्य करने वाले श्रमिकों के मृत्यु हो जाने पर परिवार के आश्रित को पेंशन एवं उपचार कि सुविधा प्राप्त होने लगेगा।

चुनावी खबरें

विजयी प्रत्याशियों को रिटर्निंग अधिकारी ने दिया प्रमाण पत्र

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के अंतर्गत जिले में तृतीय चरण का मतदान 23 फरवरी को संपन्न हुआ। इस चरण में जनपद पंचायत कटघोरा में 2 एवं जनपद पंचायत पाली में 3 जिला पंचायत सदस्यों के निर्वाचन के लिए ग्रामीण मतदाताओं ने बैलेट के माध्यम से मतदान किया। मंगलवार को जिला पंचायत के सभागार में रिटर्निंग अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग ने सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाले प्रत्याशियों को विजयी घोषित किया और उन्हें सम्यक निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए। घोषित परिणामों के अनुसार जिला पंचायत निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 5 से श्रीमती सुषमा रवि रजक, क्षेत्र क्रमांक 6 से विनोद कुमार यादव, क्षेत्र क्रमांक 7 से श्रीमती निकिता मुकेश जायसवाल, क्षेत्र क्रमांक 8 से श्रीमती माया रूपेश कंवर तथा क्षेत्र क्रमांक 9 से कौशल नेटी विजयी घोषित हुए। इस अवसर पर सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी, उपसंचालक पंचायत सुश्री जूली तिर्की, निर्वाचन में संलग्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कौशल सिंह नेटी की प्रचंड जीत

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के परिणाम घोषित किए गए हैं। पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर के पूर्व निजी सुरक्षाकर्मी, कौशल सिंह नेटी ने जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 09 से चुनाव में भाग लिया और निकटतम प्रतिद्वंद्वी गणराज सिंह कंवर को पराजित किया। कौशल सिंह ने 13,657 वोट प्राप्त किए, जबकि गणराज सिंह कंवर को 10,386 वोट मिले। अन्य उम्मीदवारों में विशाल सिंह कोर्राम, धनवार वेदलाल, शिवरात सिंह और इंजीनियर विजय बहादुर शामिल थे। कौशल सिंह ने पुलिस विभाग की सेवा से इस्तीफा देकर राजनीति में कदम रखा था। उनकी जीत के बाद, उनके गांव सिल्ली में जश्न का माहौल है। समर्थक आतिशबाजी कर खुशी मना रहे हैं। कौशल सिंह ने सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनकी नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता की जीत है। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विकास का संकल्प लिया है।

स्नेहा सिंह तंवर बनी ग्राम पंचायत अरदा की संरपच

कोरबा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। कटघोरा जनपद पंचायत क्षेत्र क्रमांक-6 अरदा से जनपद सदस्य पद प्रत्याशी श्रवण कुमार तंवर को एतिहासिक जीत मिली है। वहीं उनके धर्मपत्नी ग्राम पंचायत अरदा की संरपच स्नेहा सिंह तंवर बनी। श्रवण कुमार तंवर पिछले 2 पंचवर्षीय ग्राम पंचायत अरदा का संरपच रह चुके हैं और उनके द्वारा लगातार पंचायत में अच्छे कार्य किए गए हैं। इन्हीं कार्यों के कारण जनता ने उन पर विश्वास जताते हुए उनकी धर्मपत्नी को संरपच के रूप में चुना है।

सार-संक्षेप

निगम आयुक्त प्रतिदिन कर रहे शहर का दौरा, शहर में चल रहे निर्माण कार्यों का ले रहे हैं जायजा

एमसीबी, 25 फरवरी (देशबन्धु)। उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के निर्देशानुसार एवं नगर पालिक निगम के प्रथम नागरिक महापौर रामनरेश राय के मार्गदर्शन में प्रतिदिन चिरमिरी नगर पालिक निगम के आयुक्त रामप्रसाद आचला अपनी स्वच्छता टीम के साथ प्रात: शहर का भ्रमण कर क्षेत्र की आवश्यकताओं का जायजा ले रहे हैं। इसी क्रम में स्वच्छ भारत मिशन स्वच्छता सर्वेक्षण ओडीएफ प्लस-प्लस वर्ष 2024 को विशेष ध्यान में रखते हुए नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाने की दिशा में कोरिया कॉलरी एवं गेल्हापानी के एसएलआरएम सेंटर, पोड़ी के गाड़ाबुड़ा में जल संबंधित कार्य व संचालित गौठान का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान शहर में चल रहे विभिन्न सामुदायिक भवनों के निर्माण कार्यों का जायजा लेकर गुणवत्ता के साथ समय-सीमा के भीतर कार्य को पूर्ण करने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया। वहीं एसएलआरएम सेंटर का अवलोकन कर उपस्थित कर्मचारियों एवं स्वच्छता दीदियों से सेंटर परिसर में आवश्यक सुविधाओं व डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के संबंध में जानकारी प्राप्त कर स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान सहायक अभियंता विजय बधावन, स्वच्छता अधिकारी उमेश तिवारी, जिला समन्वयक प्रवीण सिंह व संबंधित एरिया के सुपरवाइजर मौजूद रहे।

महाशिव रात्रि पर भंडारे का आयोजन

मनेन्द्रगढ़, 25 फरवरी (देशबन्धु)। महाशिवरात्रि के महान पावन पुनीत धार्मिक अवसर पर अंबिकापुर रोड ग्राम डंगौरा मैं मुख्य मार्ग के किनारे स्थित श्री करतारेश्वर शिव मंदिर में लगातार 20 में वर्ष विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है इस संदर्भ में सरदार जसवीर सिंह कालरा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मंदिर में साक्षात नागराज विद्यमान है उनके स्वर्गीय पिता सरदार करतार सिंह ने इसी स्थान पर साक्षात इनके दर्शन किए थे तत्पश्चात बड़े रूप में मंदिर का निर्माण कराया गया एवं प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के दिन मंदिर में स्थापित भोलेनाथ की पूजा अर्चना के पश्चात भंडारे का आयोजन किया जाता है उन्होंने समस्त नागरिकों से इस भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने का अनुरोध किया है

कल 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के महान पावन पुनीत धार्मिक अवसर पर अंबिकापुर रोड ग्राम डंगौरा मैं मुख्य मार्ग के किनारे स्थित श्री करतारेश्वर शिव मंदिर में लगातार 20 में वर्ष विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है इस संदर्भ में सरदार जसवीर सिंह कालरा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मंदिर में साक्षात नागराज विद्यमान है उनके स्वर्गीय पिता सरदार करतार सिंह ने इसी स्थान पर साक्षात इनके दर्शन किए थे तत्पश्चात बड़े रूप में मंदिर का निर्माण कराया गया एवं प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के दिन मंदिर में स्थापित भोलेनाथ की पूजा अर्चना के पश्चात भंडारे का आयोजन किया जाता है उन्होंने समस्त नागरिकों से इस भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने का अनुरोध किया है।

कलेक्टर ने किया महेशपुर एवं देवगढ़ मंदिर का निरीक्षण, महाशिवरात्रि को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अम्बिकापुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। सरगुजा कलेक्टर श्रीविलास भोसकर ने महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु जिले के प्राचीन एवं प्रसिद्ध महेशपुर और देवगढ़ मंदिरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

गौरतलब है कि आगामी 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का पावन पर्व है, जिस पर हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचते हैं। इस भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने मंदिर प्रबंधन, पुलिस प्रशासन और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जलाभिषेक की कतारबद्ध व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, चिकित्सा सहायता और पार्किंग व्यवस्था का अवलोकन किया। वहीं उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, श्रद्धालु सुगमता से मंदिर परिसर पहुंचकर और बिना किसी परेशानी के पूजा-अर्चना कर सकें। इस दौरान एसडीएम श्री बन सिंह नेताम, उदयपुर जनपद सीईओ श्री वेद प्रकाश गुप्ता सहित अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन, 200 से अधिक छात्र-छात्राओं को मिली सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी

अम्बिकापुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सरगुजा के मार्गदर्शन में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आई.टी.आई.), अंबिकापुर में एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आई.टी.आई. के प्राचार्य श्री चंदेश्वर पैकरा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में श्री सूर्यप्रकाश त्रिपाठी, उप संचालक रोजगार, सरगुजा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री विवेक गुप्ता, उप संचालक ग्रामोद्योग तथा श्री अंकुर गुप्ता, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सरगुजा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

शिविर में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम , प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना , स्टार्ट-अप, स्टैंड-अप योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों ने आई.टी.आई. के छात्र-छात्राओं एवं प्रशिक्षकों को इन योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। सूर्यप्रकाश त्रिपाठी, उप संचालक रोजगार ने स्वरोजगार एवं मूल्य संवर्धन पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को अधिक से अधिक उद्यमिता की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया।

पत्नी की हत्या कर 07 ट्रैक्टर पैरा से शव जलाया

चरित्र शंका को लेकर दिया वारदात को दिया अंजाम

आरोपी गिरफ्तार, साथियों की तलाश जारी

रायगढ़ 25 फरवरी (देशबन्धु)। चरित्र शंका के चलते लात-घुसो के अलावा डंडे से पीट-पीटकर पत्नी की हत्या कर अपने तीन साथियों के साथ मिलकर महिला के शव जलाने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उक्त घटना कापू थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार कापू थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कमराई में 21 फरवरी की सुबह खेत में जला हुआ एक अज्ञात शव मिलने की सूचना कापू टीआई नारायण सिंह मरकाम को मिली।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि शव जयमति विश्वकर्मा उर्फ देवमति लोहार (उम्र करीब 45 सल) का था, जिसे उसके पति अमृत केरकेट्टा ने चरित्र शंका के चलते हाथ मुक्का और डंडा से मारपीट कर हत्या कर गांव के चार साथियों के साथ शव को अपने खेत ले जाकर जलाया, कापू पुलिस ने आरोपी अमृत केरकेट्टा को गिरफ्तार कर लिया है तथा शव जलाने में मदद करने वाले चार आरोपियों की तलाश कर रही है।

घटना की सूचना गांव के चैन सिंह राठिया (23) ने पुलिस को दी और बताया कि 20 फरवरी की सुबह शौच के लिए जाने के दौरान खेत में पैरावट के बीच जला हुआ शव देखा। शव के कुछ हिस्से पूरी तरह नहीं जले थे, जिससे अंदाजा लगाया गया कि यह शव किसी महिला का हो सकता है।

इसी दौरान गांव का अमृत केरकेट्टा अपनी पत्नी को खोज रहा था, जिससे संदेह और गहरा गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया और जांच शुरू की।

पूछताछ में आरोपी अमृत केरकेट्टा (65) ने स्वीकार किया कि उसने 20 फरवरी की रात दूसरी पत्नी देवमति से विवाद के बाद हाथ-मुक्का और डंडे से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने शव को खेत में ले जाकर छह-सात ट्रैक्टर पैरावट डालकर जलाया ताकि सबूत नष्ट हो जाएं। पुलिस ने आरोपी के मेमोरेंडम पर हत्या में प्रयुक्त डंडा जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ थाना कापू में भारतीय दंड संहिता की धारा 103, 238 में मामला दर्ज किया गया है। चार अन्य आरोपियों की संलिप्तता पर धारा 3(5) बीएनएस जोड़ा गया है। आरोपी अमृत केरकेट्टा को पुलिस ने रिमांड पर पेश कर जेल दाखिल कराया गया है, फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

ईश्वर भक्ति का क्रम सबसे ऊपर हो- बाबा प्रियदर्शी राम

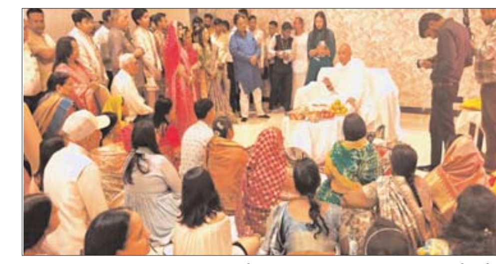

रायगढ़ 25 फरवरी (देशबन्धु)। मानव जीवन में ईश्वर भक्ति का क्रम सबसे नीचे होता है जबकि दुखी होते ही मनुष्य भगवान से संकट हरने की पूरी आशा रखता है। उक्त बाते पूज्य पाद बाबा प्रियदर्शी राम से ने शुभम विशाखा के वैवाहिक गठबंधन के आशीर्वाद समारोह में कही। आवश्यक कार्य हो तो मनुष्य ईश्वर भक्ति में कटौती करता है जबकि सोने सहित अन्य कार्यों में मनुष्य कटौती नहीं करता। भगवान की भक्ति को सर्वोपरि रखना चाहिए। शादी विवाह को महत्वपूर्ण संस्कार बताते हुए पीठाधीश्वर ने कहा वर वधु गृहस्थ जीवन में प्रवेश करते है। इस आयोजन के दौरान धन के अपव्यय पर रोक को आवश्यक बताते हुए उन्होंने मनुष्य जीवन को सभी योनियों में महान बताया। दिखावे से परे शील शालीनता का पालन करते हुए सादगी पूर्ण जीवन शैली को अपनाए जाने की आवश्यकता बताते हुए बाबा प्रियदर्शी राम ने कहा नित्य ईश्वर के स्मरण से जीवन के दुख कट जाते है।

दुकान व कार में आग लगाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जूटमिल पुलिस ने भेजा रिमांड पर

रायगढ़ 25 फरवरी (देशबन्धु)। जूटमिल थाना क्षेत्र के बाजीराव महरापारा में दुकान और कार में आग लगाने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया है। इस घटना को लेकर पीड़ित दुर्गेश यादव (31) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 22 फरवरी की रात करीब 11:50 बजे एक युवक ने उसके जनरल स्टोर, मोटरसाइकिल और अर्टिगा कार पर मिट्टी तेल छिड़ककर आग लगा दी। इस आगजनी में अर्टिगा कार बुरी तरह जल गई और दुकान को भी नुकसान पहुंचा।

घटना के दौरान आसपास के लोगों ने एक युवक को पकड़ लिया, जिसकी पहचान सलीम खान पिता जलील अहमद निवासी बायसी कॉलोनी धरमजयगढ़ के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 326(थ)(ळ), 3(5) के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान थाना प्रभारी मोहन भारद्वाज और उनकी टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पूछताछ में आरोपी सलीम खान ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथी सुदीप डहरिया के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। दोनों ने एक लीटर की प्लास्टिक बोतल में मिट्टी तेल भरकर दुकान और कार पर छिड़का और माचिस

तीसरे चरण के मतदान में नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों को दिया गया प्रमाण पत्र

बलरामपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तृतीय चरण में जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर एवं वाड्रफनगर में 23 फरवरी को मतदान संपन्न हुआ। जिसके तहत जिला पंचायत सदस्य हेतु हुए मतदान के लिए आज संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ एवं रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर की उपस्थिति में सारणीकरण एवं निर्वाचन परिणाम की घोषणा की गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशानुसार रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के द्वारा नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

तीसरे चरण में हुए जिला पंचायत सदस्य के मतगणना में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-01 से निर्वाचित सदस्य अनुसुइया वर्मा, क्षेत्र क्रमांक-2 से निर्वाचित सदस्य बेला कुशवाहा, क्षेत्र क्रमांक-03 से निर्वाचित सदस्य रामप्रताप सिंह, क्षेत्र क्रमांक-04 से निर्वाचित सदस्य साधना संतोष यादव, क्षेत्र क्रमांक-05 से निर्वाचित सदस्य मुन्शी राम तथा क्षेत्र क्रमांक-06 से निर्वाचित सदस्य बद्री यादव को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती तोमर ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री आर.एन. पाण्डेय, उप संचालक पंचायत सुश्री स्टेला खलखो, सहायक परियोजना अधिकारी जिला पंचायत श्री ललित कुमार ध्वरडे, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी-अधिकारी सहित सहित प्रत्याशी एवं जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

समयबद्ध एवं गुणवात्ता आवास निर्माण कराने के दिये निर्देश

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को मिले नियमित पोषण आहार

अवैध खनन के विरुद्ध करें कार्रवाई- कलेक्टर

बलरामपुर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। कलेक्टर की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। कलेक्टर ने बैठक में समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने लंबित प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करने निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि कोई भी प्रकरण समय-सीमा से बाहर लंबित न रहे। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को बैठक में निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व संबंधी कार्यों का संपादन भी सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा के प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय में करने के निर्देश दिये।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राजस्व अधिकारी अपने दायित्वों के प्रति सजगता तथा संवेदनशीलता के साथ राजस्व संबंधी कार्यों में प्रगति लाएं। उन्होंने जनचौपाल एवं जन शिकायत निवारण, पीजी पोर्टल में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। साथ ही कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि आवेदकों को उनके आवेदन के निराकरण के संबंध में भी अवगत करायें। बैठक में कलेक्टर श्री कटारा ने विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा कर शीघ्रता से पूर्ण करने को कहा। उन्होंने ग्रामीण अंतर्गत प्रगतिरत आवासों की समीक्षा कर स्वीकृत सभी आवासों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रो में नियमित रूप से बच्चों को गर्म व पौष्टिक आहार मिले यह सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने महिला एवं बाल विकास अधिकारी को आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, बच्चों व गर्भवती माताओं को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को अपने संबंधित क्षेत्र के आंगनबाड़ियों का निरीक्षण करने को कहा।

कलेक्टर श्री कटारा ने अवैध खनन पर लगातार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त फर्मों एवं लोगों के विरूद्ध आवश्यक रूप से कार्यवाही करें। उन्होंने जांच कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर क्रेशर प्लांट सील करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने जांच में सभी वाहनों में बिना पीटपास के खनिज परिवहन करने के कारण अवैध खनिज परिवहन पर कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर श्री आर.एन. पाण्डेय, श्री प्रमोद गुप्ता, सर्व अनुविभागीय अधिकारी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मन कामेश्वर मंदिर में 45 वां महाशिव रात्रि पर्व 26 को

रायगढ़ 25 फरवरी (देशबन्धु)। केलो नदी के टट में चादमारी के स्मृतिवन के मध्य स्थित श्री मन कामेश्वर मंदिर में शिव लिंग स्थापित है। जिसमें आगामी 26 फरवरी दिन बुधवार को महाशिव रात्रि के पावन अवसर पर भगवान भोले में सुबह 10 बजे रुद्राभिषेक किया जाएगा, होम, प्रसाद वितरण, कीर्तन, महा भंडारे का आयोजन प्रति वर्ष अनुसार किया जाएगा।

प्रतिवर्ष सैकड़ों की संख्या में शहरी व ग्रामीणों बच्चे, पुरुष, महिला, भक्तों जनों का इस पर्व में आना होता है। इस वर्ष भी सैकड़ों भक्तों को आमंत्रण पत्र व फेसबुक, व्हाट सेफ, स्टेटस, के माध्यम से सभी भक्तों जनों को स्नेहिल आमंत्रण दिया जा रहा है। सभी इष्ट मित्रों, भक्त जनों से निवेदन कि अधिक से अधिक संख्या में मंदिर पहुँच कर पूर्ण के भागी बनें ओम नम: शिवाय !! यह आमंत्रण श्री मन कामेश्वर महादेव सेवा समिति के अध्यक्ष नीलकंठ साहू ने दी है।

जेल में बंद अपराधियों को भी सरकार करा रही गंगा स्नान

मनेन्द्रगढ़, 25 फरवरी (देशबन्धु)। प्रयागराज में माघ मेला में करोड़ो श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचे हैं, जहाँ हर साल लोग पुण्य की प्राप्ति के लिए गंगा नदी में स्नान करते हैं। इस बार भी श्रद्धालुओं का रेला गंगा तट पर लगा हुआ है, और सभी श्रद्धालु अपनी आस्था के अनुसार इस अवसर का लाभ उठा रहे हैं।

लेकिन दूसरी ओर, कुछ ऐसे लोग भी थे जो किन्हीं कारणों से प्रयागराज में गंगा स्नान करने के लिए नहीं जा पा रहे थे। इनमें से कुछ लोग कामकाजी कारणों से, कुछ लोग स्वास्थ्य कारणों से, और कुछ ऐसे लोग भी थे जिन्हें अन्य व्यक्तिगत समस्याओं के कारण प्रयागराज पहुंचने का अवसर नहीं मिल पाया। ऐसे में, प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था ने एक अनूठी पहल की है।

जेल में गंगा स्नान की विशेष व्यवस्था

जिन बंदियों को अपनी सजायें काटने के लिए जेल में रहना पड़ रहा था और वे पुण्य की इस घड़ी में गंगा स्नान करने से वंचित रह गए थे, उनके लिए भी प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। जेल में ही गंगा स्नान की व्यवस्था की गई। इसके तहत, जेल अधिकारियों ने गंगा नदी के पवित्र जल को जेल परिसर में लाकर बंदियों को स्नान का अवसर प्रदान किया। यह पहल इस उद्देश्य से की गई थी कि कोई भी श्रद्धालु या आस्थावान व्यक्ति इस अवसर से वंचित न रहे, चाहे वह किसी भी परिस्थितियों में क्यों न हो। इस व्यवस्था से बंदियों को भी आस्था के साथ अपने धार्मिक कर्तव्यों को निभाने का एक अद्भुत मौका मिला। प्रयागराज में गंगा स्नान के लिए जुटे श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता है।

वहीं, जेलों में भी प्रशासन ने एक खास पहल करते हुए बंदियों को इस अवसर का हिस्सा बनाने के लिए गंगा स्नान की व्यवस्था की है। इस कदम से यह साबित होता है कि धार्मिक और सांस्कृतिक अवसरों को सब तक पहुंचाने की प्रशासन की पूरी कोशिश है। उपजेल मनेन्द्रगढ़ जेलर विक्रम गुप्ता भी उपस्थित थे।

जिले में बोर्ड परीक्षा की गोपनीय सामग्री का सुरक्षित वितरण

परीक्षा की तैयारियां पूर्ण

कलेक्टर ने दिए गोपनीयता व सुरक्षा बरतने के निर्देश

कोरिया, 25 फरवरी (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षाओं की गोपनीय सामग्री का सुरक्षित वितरण जिले में किया गया। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशानुसार, संपूर्ण प्रक्रिया गोपनीयता और कड़ी सुरक्षा के साथ पूरी की गई।

बोर्ड परीक्षा सामग्री का वितरण शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैकुंठपुर में किया गया, जहां जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों के लिए गोपनीय दस्तावेजों का मिलान और वितरण किया गया। बोर्ड परीक्षा की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, जिले के सभी परीक्षा केंद्र अध्यक्षों को गोपनीय सामग्री सौंपी गई, जिसे सुरक्षा बलों के साथ थाना/चौकी में सुरक्षित जमा किया गया। परीक्षा दिवस पर संबंधित विषय का प्रश्न पत्र नियत समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने की विशेष व्यवस्था की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री जितेंद्र गुप्ता ने परीक्षा संचालन को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं, ताकि परीक्षा नकल मुक्त, सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

बोर्ड परीक्षा के लिए प्रशासन सतर्क

प्रशासन ने परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, गोपनीयता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और किसी भी गड़बड़ी को रोकने के लिए विशेष दल सक्रिय रहेंगे। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों से ईमानदारी और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने की अपील की है, ताकि यह परीक्षा एक सफल और अनुशासित परीक्षा महोत्सव बन सके। इस दौरान नायब तहसीलदार श्री कामेश कश्यप, समन्वय संस्था के प्राचार्य श्री अमृत लाल गुप्ता, शिक्षा विभाग के अधिकारी प्रकाश तिवारी, विनय मोहन भट्ट, पी. बड़ा, अमित परमार, और माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

ग्राम पंचायत बिनौधा के ओम प्रकाश पटेल तीसरी बार सरपंच बने

डभरा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। जनपद पंचायत डभरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिनौधा के सरपंच पद चुनाव में ओम प्रकाश पटेल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी पदुमलाल निषाद को 61 मतों से हराया। ओम प्रकाश पटेल लगातार दो बार चुनाव जीत चुके हैं यह उनकी तीसरी जीत है वह हमेशा जनता के दिलों पर राज करते हैं उनकी पहली प्राथमिकता ग्राम का विकास करना है मुलाकात के दौरान उन्होंने बताया कि मेरी पहली प्राथमिकता जो काम अधूरे बाकी है उनको पहले पूरा करना है उसके बाद मास्टर प्लान बनाकर प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाएगा कल ग्राम साल्हे में विजय जुलूस निकाला गया। जहां ढोल बाजे के साथ लोगों ने उनका बढ़ चढ़कर भव्य स्वागत किया उनके प्रमुख रणनीतिकार रामकुमार पटेल देवेंद्र कुमार पटेल त्रिलोचन पटेल मुकेश पटेल गोरा लाल पटेल चंदन पटेल सोमनाथ पटेल बिरजू पाव मोहन सिदार दीपक पटेल राजू पटेल सुधाकर पटेल अजय पटेल लाशंकर पटेल मोरध्वज पटेल हितेंद्र पटेल महिलाओं में सविता पटेल मीना पटेल गिरिजा पटेल श्याम बाई महंत मीराबाई सिदार चंपा पाव रत्ना महंत डालिम अमृतलाल पटेल माधुरी पाव जानकी सारथी दूतिका महंत सहित सभी ने बेहतरीन से काम किया। ओमप्रकाश पटेल को तीसरी बार सरपंच निर्वाचित होने पर ग्राम पंचायत की जनता ने शुभकामनाएं दी है।

जिला पंचायत अध्यक्ष पर सस्पेंस ,संजय या सरिता?

सारंगढ, 25 फरवरी (देशबन्धु)। संजय पाण्डेय के लगभग बारह हजार मतों से ऊपर से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जितने के बाद भाजपा समर्थितों को बारह सीटों पर विजय श्री का प्रसाद मिलने के बाद यह तय माना जा रहा है कि आगामी जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर भाजपा समर्थित अई ताजपोशी हो सकती है जिसमें अगर योग्यता से देखा जाए तो वर्ष 2005 में जनपद अध्यक्ष रहे संजय पाण्डेय ने अपने कार्यकाल में ही गौण खनिज मद लाकर कई क्षेत्रों को विकास की राह दिखाई थी तो एक तरह से देखा जाए तो जन मानस की चर्चा परिचर्चा के अनुसार संजय पाण्डेय अगले जिला पंचायत अध्यक्ष हो सकते हैं क्योंकि उनकी जीत सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने कांग्रेस के सबसे बडे कद वाले नेता कांग्रेस जिलाध्यक्ष को बारह हजार से ऊपर मतों से हराया है परंतु ऐसी भी चर्चा है कि क्षेत्र के मंत्री जी के अति करीबी माने जाने वाले सरिता मुरारी नायक को अगला अध्यक्ष बनाया जा सकता है ।बहरहाल अब यह भविष्य के गर्त में है कि जनमानस की चर्चा सही होती है या फिर उच्चस्तरीय पैठ की राजनीति हावी होती है।

कई दिग्गज हारे कई जीते ,जिला पंचायत अध्यक्ष पर सस्पेंस बरकरार

सारंगढ, 25 फरवरी (देशबन्धु)। सारंगढ जिला व जनपद पंचायतों में भी लगभग भाजपा की बहुलता ने सरकार के पक्ष में जनता के रूझान को अभिव्यक्त किया है परंतु जिला पंचायत में भाजपा के ग्यारह उम्मीदवारों के विजयी होने के बाद भाजपा समर्थित का पहला जिला पंचायत अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है जिसमें संजय पाण्डेय के लगभग बारह हजार मतों से ऊपर से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जितने के बाद भाजपा समर्थितों को सीटों पर विजय श्री का प्रसाद मिलने के बाद यह तय माना जा रहा है कि आगामी जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर भाजपा समर्थित ताजपोशी हो सकती है जिसमें से ग्यारह में भाजपा समर्थित उम्मीदवार जीते हैं जिससे स्पष्ट है कि अगला जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा का होगा। परंतु जनपद पंचायत सारंगढ में अगर योग्यता से देखा जाए तो वर्ष 2005 में जनपद अध्यक्ष रहे संजय पाण्डेय ने अपने कार्यकाल में ही गौण खनिज मद लाकर कई क्षेत्रों को विकास की राह दिखाई थी तो एक तरह से देखा जाए तो जन मानस की चर्चा परिचर्चा के अनुसार संजय पाण्डेय अगले जिला पंचायत अध्यक्ष हो सकते हैं क्योंकि उनकी जीत सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने कांग्रेस के सबसे बडे कद वाले नेता कांग्रेस जिलाध्यक्ष को ग्यारह हजार से ऊपर मतों से हराया है परंतु ऐसी भी चर्चा है कि क्षेत्र के मंत्री जी के अति करीबी माने जाने वाले सरिता मुरारी नायक को अगला अध्यक्ष बनाया जा सकता है ।बहरहाल अब यह भविष्य के गर्त में है कि जनमानस की चर्चा सही होती है या फिर उच्चस्तरीय पैठ की राजनीति हावी होती है।वहीं अन्य उल्लेखनीय उम्मीदवारों में अरविंद खटकर भाजपा व बिनोद भारद्वाज कांग्रेस से प्रमुख हैं जो जिला पंचायत का चुनाव जीते हैं वहीं जनपद में ममता राजीव ठाकु भाजपा व कांग्रेस से लता लक्ष्मे विजय विक्की पटेल उल्लेखनीय नाम हैं।

शराब पीकर वाहन चालन,09 व्यक्तियों के विरूद्ध की गई कार्यवाही

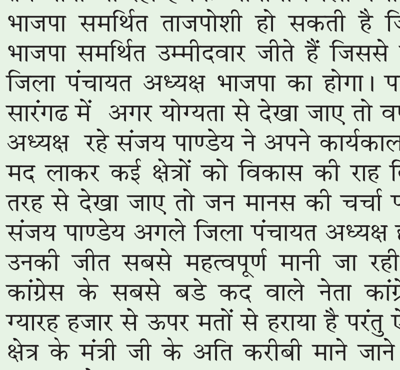

जांजगीर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। शराब पीकर वाहन चलाने वालो के विरुद्ध यातायात पुलिस ने 09 व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 185 मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

पुलिस द्वारा शिवरीनारायण मेला क्षेत्रांतर्गत सघन वाहन चेकिंग कार्यवाही की गई जिसमें 09 व्यक्तियों के द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने पाए जाने पर वाहनों को जप्त कर चालकों के विरूद्ध धारा 185 मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है जिसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए उचित बचाव के लिए, यातायात नियमों का उलंघन करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध लगातार मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 24 फरवरी को थाना शिवरीनारायण क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग किया गया। जिसमें चेकिंग के दौरान 09 व्यक्तियों के द्वारा शराब पीकर मोटर सायकल चलाने पाए जाने पर चालकों के विरूद्ध के धारा 185 मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए मोटर सायकल को जप्त किया गया है, जिसे माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। यातायात पुलिस जांजगीर द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान भविष्य में यातायात नियमों का पालन करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने के संबंध में वाहन चालकों को समझाईस दी जा रही है।

महाशिवरात्रि आज, शिवालयों में गूंजेगा हर-हर महादेव

नवागढ़ व तुर्रीधाम में महाशिवरात्रि के दिन से मेला शुरु होगा,वहीं पीथमपुर में लगेगा एक दिवसीय मेला

जांजगीर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। महाशिवरात्रि का पर्व बुधवार 26 फरवरी को मनाया जाएगा। इस दिन शिवालयों में भगवान शिव की पूजा-अर्चना, की जाएगी। जल व दूध से अभिषेक भी होगा। इसके लिए शिव मंदिरों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वहीं कांवरिए भी नदियों से जल भरकर मंदिर पहुंचेंगे। नवागढ़ व तुर्रीधाम में महाशिवरात्रि के दिन से मेला शुरु होगा। वहीं पीथमपुर में एक दिवसीय मेला लगेगा।

महाशिवरात्रि पर अंचल के शिवालयों में हर-हर महादेव और ऊं नमः शिवाय गूंजेगा। इसके लिए मंदिरों में तैयारियां पूरी हो गई है। खरौद के लक्ष्मणेश्वर मंदिर, पीथमपुर के कलेश्वरनाथ मंदिर, तुर्रीधाम के शिव मंदिर, जांजगीर के सेंधवार महादेव, परसाहीनाला के पारसनाथ,चंदनियापारा स्थित शिव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी, इसके लिए मंदिरों में साफ- सफाई व रंग रोगन कर लिया गया है। नवागढ़ के लिंगेश्वर मंदिर के पास सप्ताह भर का मेला लगेगा। इसके लिए यहां टूरिंग टाकिज, झूले, होटल व सौंदर्य प्रसाधन की दुकानें लग गई है। मेले में किरीत, नेगुरडीह, मिसदा, केरा, धुरकोट, धाराशिव, अवरीद, बुड़ेना सहित आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। इसी तरह लक्ष्मणेश्वर मंदिर खरौद में भी सुबह से शिव भक्तों की कतार लगेगी। यहां भी सुबह से रात तक श्रद्धालुओं का तांता लगेगा। सक्ती ब्लाक के तुर्रीधाम में लोग अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए दूर-दूर से लोट मारते पहुंचते हैं और भगवान शिव का दर्शन करते हैं। तुर्रीधाम स्थित शिव मंदिर में शिव लिंग के ऊपर से हमेशा जल की धारा निकलती है, इसलिए इस गांव का नाम तुर्री पड़ा है। शिवालयों में जल चढ़ाने बड़ी संख्या में श्रद्धालु कांवर लिए बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारा के साथ नदियों से जल भरेंगे और पैदल यात्रा कर शिवलिंग में जल चढ़ाएंगे। महानदी और हसदेव नदी के संगम स्थल देवरी (केरा) से जल भरकर श्रद्धालु नवागढ़ पहुंचेगे। इसी तरह हसदेव नदी केराझरिया चांपा से जल भरकर कांवरिए पीथमपुर और नैला गौशाला के पास सिद्धमहादेव में जल चढ़ाएंगे। शिवरीनारायण के महानदी से जल भरकर श्रद्धालु लक्ष्मणेश्वर मंदिर में जलाभिषेक करेंगे।

लक्ष्मणेश्वर में लाख चावल चढ़ाने का विशेष महत्व

खरौद के लक्ष्मणेश्वर महादेव में लाख चावल चढ़ाने का विशेष महत्व है। लोग मनोकामना पूरा होने पर चावल के एक लाख दाने कपड़े की थैली में भरकर चढ़ाते हैं। इस चावल को लाख चाउर या लक्ष चावल भी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि लक्ष्मणेश्वर शिवलिंग में एक लाख छिद्र हैं और यह अपने आप में अनूठा शिवलिंग है।

जिला प्रशासन द्वारा रोका गया बाल विवाह

जांजगीर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। जिले में एक नाबालिग लड़की के विवाह को जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयास से रोका गया। यह कार्रवाई कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशन में की गई। बाल विवाह संबंधी सूचना प्राप्त होते ही जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने ग्राम लटिया (अकलतरा) पहुंचकर विवाह की जांच की और लड़की की उम्र की पुष्टि के लिए उसकी अंकसूची का निरीक्षण किया।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी गजेन्द्र जायसवाल ने बताया कि जांच में बालिका की उम्र 17 वर्ष 01 माह पाई गई, जो कि वैधानिक रूप से विवाह योग्य आयु 18 वर्ष से कम थी। बालिका के माता-पिता का कई वर्ष पूर्व स्वर्गवास हो चुका था, और उसका पालन-पोषण उसके नाना-नानी कर रहे थे। उन्हीं के द्वारा बालिका का विवाह तय किया गया था।

बाल विवाह के दुष्परिणामों की दी समझाइश

महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा बालिका, उसके नाना-नानी तथा स्थानीय लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। कम उम्र में विवाह होने से बालिकाओं को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिससे उनका भविष्य प्रभावित होता है। बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह गैरकानूनी है। अधिकारियों ने

नाना-नानी को यह भी बताया कि यदि वे इस विवाह को संपन्न कराते हैं, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। विभाग के अधिकारियों की समझाइश और स्थानीय लोगों की उपस्थिति में बालिका के नाना-नानी ने विवाह रोकने की सहमति दी। इसके बाद, उन्होंने एक घोषणा पत्र पर गवाहों के समक्ष हस्ताक्षर किए, जिसमें उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि बालिका की उम्र 18 वर्ष पूर्ण होने से पहले उसका विवाह नहीं किया जाएगा। इस कार्यवाही में जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग एवं स्थानीय समाज के लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। टीम में धीरज राठौर, अमित भोई, भूपेश कश्यप, पर्यवेक्षक सुश्री अनिता साहू एवं प्रधान आरक्षक उपस्थित थे। इस सफल हस्तक्षेप से न केवल बालिका का भविष्य सुरक्षित हुआ, बल्कि समाज में बाल विवाह के विरुद्ध एक सकारात्मक संदेश भी गया।

धान संग्रहण केंद्र के श्रमिकों को मिला तीन साल का बकाया वेतन

राघवेन्द्र कुमार सिंह ने विधानसभा में उठाया था मुद्दा

जांजगीर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। अकलतरा के धान संग्रहण केंद्र अमरताल में कार्यरत श्रमिकों को तीन वर्षों से लंबित वेतन और भविष्य निधि (पीएफ) की राशि का भुगतान आखिरकार मिल गया।

धान संग्रहण केंद्र अमरताल में 8 श्रमिक कार्यरत थे, जिनका जुलाई 2022 से जनवरी 2023 तक का वेतन ठेकेदार द्वारा नहीं दिया गया था। इसके अलावा, सितंबर 2020 से उनके भविष्य निधि (पीएफ) की राशि भी उनके खातों में जमा नहीं की गई थी। श्रमिकों ने कई बार जिला विपणन अधिकारी और धान संग्रहण केंद्र के संबंधित अधिकारियों को अपनी समस्या से अवगत कराया, लेकिन उनकी शिकायतों को नजरअंदाज किया गया। वेतन न मिलने और पीएफ की राशि जमा न होने के कारण श्रमिकों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा था। स्थिति तब बदली जब 5 नवंबर 2024 को श्रमिकों ने विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह से मुलाकात कर अपनी समस्या के बारे में अवगत कराया। श्रमिकों ने विधायक को ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने पिछले तीन वर्षों से लंबित वेतन और भविष्य निधि का भुगतान न होने की बात कही। उनकी इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विधायक ने तुरंत जिला विपणन अधिकारी को पत्र लिखकर मामले को जल्द से जल्द सुलझाने का निर्देश दिया। हालांकि, जिला विपणन अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों ने इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिससे श्रमिकों की परेशानी बनी रही। लगातार पत्राचार के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला, तो विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह ने विधानसभा के बजट सत्र में इस मामले को मजबूती से उठाया। उन्होंने सहकारिता मंत्री केदार कश्यप से सीधा सवाल पूछा और श्रमिकों की दुर्दशा के बारे में विस्तार से बताया। विधायक के सवाल पर सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने विधानसभा में जवाब दिया कि धान संग्रहण केंद्र अमरताल के 8 श्रमिकों को तीन वर्षों से लंबित वेतन का भुगतान कर दिया गया है। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि ठेकेदार को भविष्य निधि की राशि भी जमा करवाने का निर्देश दिया गया है।

श्रमिकों ने विधायक के प्रति जताया आभार

तीन साल के लंबे संघर्ष के बाद जब श्रमिकों को उनका बकाया वेतन मिला, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। इन वर्षों में उन्होंने कई आर्थिक समस्याओं का सामना किया था, लेकिन प्रशासन की उदासीनता के कारण वे अपने अधिकारों से वंचित थे। जब वेतन उनके खाते में आया, तो उन्होंने विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह का आभार व्यक्त किया,

तीन वर्षों से वेतन न मिलना अन्यायपूर्ण था-राघवेन्द्र

इस पूरे घटनाक्रम पर विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा, श्रमिकों का हक उन्हें मिलना ही चाहिए। तीन वर्षों से वेतन न मिलना और भविष्य निधि जमा न होना अन्यायपूर्ण था।

मैंने इसे विधानसभा में उठाया और मुझे खुशी है कि सरकार ने इस पर तत्काल कार्रवाई की।

प्रोत्साहन माध्यमिक शिक्षा मंडल ने शिक्षा विभाग से 25 मार्च तक मांगी स्कूली खिलाड़ियों की सूची

राज्य स्तरीय खेल में 10, राष्ट्रीय में 15 व अंतरराष्ट्रीय खेल में भाग लेने वालों को मिलेंगे 20 अंक

जांजगीर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सत्र 2024-25 की बोर्ड परीक्षाओं में छात्रों को खेल और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बोनस अंक देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए बिलासपुर सहित राज्य के सभी स्कूलों से पात्र विद्यार्थियों की सूची 25 मार्च 2025 तक मांगी गई है। यह निर्णय निश्चित रूप से स्कूली छात्रों के लिए एक सकारात्मक पहल है, जिससे वे खेल और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में अधिक रुचि ले सकेंगे।

इससे न केवल उनकी शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि उनके करियर के अवसर भी बेहतर होंगे।

खेलों और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में बोनस अंक दिए जाने से उन्हें शैक्षणिक लाभ मिलेगा, जो आगे की प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा में सहायक हो सकता है।

इस निर्णय से स्कूल स्तर पर खेलों और एनसीसी-एनएसएस जैसी गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क जैसे गुण विकसित होंगे।

इस तरह मिलेंगे बोनस अंक

राज्य स्तरीय खेलने वाले को 10 अंक। राष्ट्रीय स्तरीय खेलने वाले को 15 अंक। अंतरराष्ट्रीय स्तर खेलने वाले को 20 अंक। एनसीसी आरडी परेड वाले को 15 अंक। एनसीसी मावलंकर शूटिंग 15 अंक। एनसीसी वायु सैनिक कैंप 15 अंक। एनसीसी नौसेना कैंप 15 अंक। एनसीसी थल सेना कैंप 15 अंक। एनसीसी डी कैट कैंप 15 अंक।]

एनएसएस आरडी परेड 15 अंक। स्काउट/गाइड राज्यपाल पुरस्कार 10 अंक। स्काउट/गाइड राष्ट्रपति पुरस्कार 15 अंक। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम में शामिल वालों को 10 अंक

जिला पंचायत सदस्यों को प्रदान किया गया प्रमाण पत्र

जांजगीर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। अपर कलेक्टर एवं जिला पंचायत रिटर्निंग ऑफिसर उज्जवल पोरवाल के द्वारा जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 01 सरखों, 02 धुरकोट, 03 सेंदरी, 04 पेण्ड्री (नवागढ़) एवं 05 सलखन

06 भैंसो, 07 चण्डीपारा, 08 लोहर्सी, 12 चारपारा, 13 पंतोरा एवं 14 पिसौद का जिला पंचायत सभा कक्ष में सारणीकरण किया गया। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा क्षेत्रवार कुल पड़े मतों की संख्या, कुल विधिमान्य मतों की संख्या, कुल अविधिमान्य मतों की संख्या, प्रत्येक प्रत्याशी को प्राप्त मतों की संख्या की जानकारी दी गई। सारणीकरण उपरांत क्षेत्रवार परिणामों की घोषणा की गई एवं रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा निर्वाचित प्रत्याशी को निर्वाचन का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

किरारी से प्रियंका आलोक पटेल जिला पंचायत सदस्य बनी

जिला पंचायत क्षेत्र की विकास करना ही पहला लक्ष्य- प्रियंका

डभरा, 25 फरवरी (देशबन्धु)। जिला पंचायत सक्ति के क्षेत्र क्रमांक13 किरारी से श्रीमती प्रियंका आलोक पटेल ने जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुई है। जिला पंचायत सदस्य का चुनाव पहली बार लड़ी और मतदाताओं ने प्रियंका पर विश्वास जताया और 5 हजार से अधिक मतों से जीते।प्रियंका पटेल एक सफल गृहिणी एवं बहुत पढ़ी लिखी है और चार्टर्ड अकाउंटेंट है। वही उनके पति आलोक पटेल भारतीय जनता पार्टी के एक निष्ठावान कार्यकर्ता है जो हमेशा क्षेत्र के गांव गांव में जा जाकर जनसंपर्क करते रहते हैं और लोगों की समस्याओं को भी हल करने का भी प्रयास करते हैं। भाजपा कार्यकर्ता आलोक पटेल की निष्ठा एवं मेहनत भी रंग लाई प्रियंका पटेल को जिला पंचायत सदस्य के रूप में लोगों ने स्वीकार किया। आलोक पटेल ओपी चौधरी वित्त मंत्री के बहुत ही करीबी माने जाते हैं साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार के

मंत्रियों एवं संगठन में उनकी मजबूत पकड़ है। क्षेत्र में बहुत ही मेहनत करते हैं आज जिला पंचायत क्षेत्र 13 करारी से जीत हासिल की है क्षेत्र के मतदाताओं में भारी उत्साह एवं उमंग है। चर्चा के दौरान प्रियंका आलोक पटेल ने कहा कि क्षेत्र की मतदाताओं ने जो मुझ पर विश्वास कर मुझे जिला पंचायत सदस्य चुना है मैं उसे निष्ठा पूर्वक कार्य को निर्वहन करूंगी एवं क्षेत्र की जनताओं की समस्याओं को दूर करने का प्रयास एवं सुख दुख में शामिल होते रहूंगी। साथ ही क्षेत्र में नारी शक्ति को आगे बढ़ाने शिक्षा स्वास्थ्य पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने की बात उन्होंने कही।

कड़ी सुरक्षा के बीच किया गया गोपनीय सामग्री का वितरण

इस बार 52 हजार परीक्षार्थी होंगे शामिल

जांजगीर, 25 फरवरी (देशबन्धु)। जिले में इस वर्ष दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के साथ प्रश्न पत्रों का वितरण किया गया। परीक्षा सामग्री के गोपनीयता बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा कड़े कदम उठाए गए। जिले के 75 परीक्षा केंद्रों के लिए प्रश्न पत्रों का वितरण आत्मानंद शासकीय बहुउद्देशीय उमावि जांजगीर में किया गया, जहां शिक्षकों को अपने-अपने केंद्रों की सामग्री प्राप्त करने के लिए बुलाया गया था।

इस प्रक्रिया में मिनी बस, पिकअप, कार, जीप सहित अन्य वाहनों का उपयोग किया गया। शिक्षकों को पुलिस बल के साथ प्रश्न पत्र दिए गए और उन्हें परीक्षा केंद्र के नजदीकी थाने में सुरक्षित रखा गया। परीक्षा केंद्रों में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा से पहले, प्रश्न पत्रों को थानों में जमा किया जाएगा और परीक्षा के दिन पुलिस बल की निगरानी में उन्हें संबंधित परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा।

75 परीक्षा केंद्रों को मिली गोपनीय सामग्री

पहले दिन दूरस्थ क्षेत्रों के 44 परीक्षा केंद्रों के लिए गोपनीय सामग्री वितरित की गई। हालांकि, कुछ स्कूलों के केंद्राध्यक्ष चुनावी कार्यों में व्यस्त होने के कारण नहीं आ सके। ऐसे में बहनीडीह सहित शहर के अन्य 31 परीक्षा केंद्रों के लिए प्रश्न पत्रों का वितरण आज किया गया। प्रश्न पत्र वितरण के दौरान, स्ट्रांग रूम से केवल कुछ चुनिंदा कर्मचारी ही गोपनीय सामग्री निकालने के लिए अधिकृत थे। स्कूल परिसर में पुलिस बल की उपस्थिति में प्रश्न पत्रों को शिक्षकों को सौंपा गया, जो निर्धारित सुरक्षा उपायों के तहत इसे लेकर रवाना हुए।

इराक ने अमेरिका के समक्ष नए सुरक्षा समझौते का प्रस्ताव रखा : अब्बासी

दोहा। इराक ने अमेरिका के समक्ष नये सुरक्षा समझौते पर सहमति का प्रस्ताव रखा है, जिसमें खुफिया सहयोग भी शामिल होगा। इराक के रक्षा मंत्री थाबित अल-अब्बासी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने सऊदी टीवी चैनल अल-हद से कहा कि हमने अमेरिका के समक्ष नये सुरक्षा समझौते का प्रस्ताव रखा है और हमें लगता है कि यह अब भी विचाराधीन है। उन्होंने बताया कि नया सुरक्षा समझौता एक स्थायी सुरक्षा साझेदारी और खुफिया सहयोग प्रदान करेगा। गौरतलब है कि इराक को उम्मीद है कि उसकी जमीन पर तैनात अमेरिकी सैनिक इस वर्ष स्वदेश लौट जाएंगे, जिससे देश में एक दशक से अधिक समय से अमेरिकी सैन्य उपस्थिति समाप्त हो जाएगी।

बांग्लादेश में बढ़ रही अपराध दर सवालों के घेरे में यूनुस सरकार

ढाका, 25 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अपराध दर खतरनाक दर से बढ़ रही है। पुलिस के आंकड़ों से पता चलता है कि जनवरी में हत्या, अपहरण, डकैती, सेंधमारी और चोरी के मामलों में देश भर में वृद्धि देखी गई और आंकड़े पिछले छह वर्षों की तुलना में सबसे खराब है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह आंकड़े अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार जहाँगीर आलम चौधरी के इस दावे के बिल्कुल विपरीत है कि बांग्लादेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति 'संतोषजनक' है।

पुलिस मुख्यालय के आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल जनवरी में अलग-अलग पुलिस थानों में कम से कम 294 हत्या के मामले दर्ज किए गए। देश के प्रमुख अखबार 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले छह वर्षों के मासिक अपराध आकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि जनवरी 2025 में एक महीने में सबसे ज्यादा लूटपाट और डकैती की घटनाएं हुईं, जिसमें 242 घटनाएं दर्ज की गईं।

पुलिस के आंकड़े यह भी बताते हैं कि पिछले साल दिसंबर और नवंबर में लूटपाट, डकैती, अपहरण की घटनाओं में भी पिछले पांच सालों में इन्हीं महीनों की तुलना में वृद्धि देखी गई।

पुलिस के आंकड़े यह भी बताते हैं कि पिछले साल दिसंबर और नवंबर में लूटपाट, डकैती, अपहरण की घटनाओं में भी पिछले पांच सालों में इन्हीं महीनों की तुलना में वृद्धि देखी गई।

सरकार के इस दावे की आलोचना करते हुए कि कानून और व्यवस्था सामान्य है, बांग्लादेश में अपराध विज्ञान के एक प्रोफेसर ने सवाल किया, क्या ये अपराध, जो जनता में डर पैदा कर रहे हैं, वास्तव में संतुष्टि का संकेत हैं? डेली स्टार ने प्रोफेसर के हवाले से कहा कि बांग्लादेश में लोग हत्या, चोरी, लूटपाट या डकैती का शिकार बनने के डर में जी रहे हैं। सरकार उदासीन है और उसे नहीं पता कि मौजूदा स्थिति से कैसे निपटा जाए। एक अलग घटनाक्रम में, रविवार रात को ढाका के विभिन्न हिस्सों में कुछ ही घंटों के भीतर कई हिंसक अपराध की खबरें आईं। बदमाशों द्वारा बंदूकों और चाकूओं से निवासियों पर हमला करने के वीडियो वायरल हुए जिसके बाद कई लोगों ने कानून प्रवर्तन की नाकामी पर अपना आक्रोश व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। ढाका के बाहर भी स्थिति उतनी ही अस्थिर बताई जा रही है, जहां कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब है। इससे नागरिकों में भय और असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है, लोग बाहर निकलने से भी बच रहे हैं। इससे पहले महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में बढ़ोतरी से नाराज छात्रों ने अंतरिम सरकार की नाकामी के विरोध मार्च निकाला। रविवार को ढाका के कई प्रमुख कॉलेजों और विश्वविद्यालयों जैसे जगन्नाथ विश्वविद्यालय, ईडन कॉलेज, गवर्नमेंट टिटुमिर कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ लिबरल आर्ट्स बांग्लादेश (यूएलएबी) और बीआरएसी विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन हुए। छात्रों ने नारे लगाए, सरकार जागो!, चुप्पी तोड़ो, बलात्कारियों को सजा दो!,

अमेरिका, यूक्रेन के बीच संसाधनों पर संभावित समझौते का रूस से कोई लेना-देना नहीं : पुतिन

मॉस्को, 25 फरवरी (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कहा कि अमेरिका और यूक्रेन के बीच प्राकृतिक संसाधनों पर संभावित समझौते का रूस से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि यूक्रेन के संसाधनों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

पुतिन ने कहा कि इससे हमें कोई सरोकार नहीं है। मैं इसका बिल्कुल भी आकलन नहीं कर रहा हूं और न ही इस बारे में सोचना चाहता हूं। बेशक, इन संसाधनों का आकलन करने की जरूरत है कि वे कितने वास्तविक हैं, इनमें से कितने संसाधन हैं, वे क्या हैं, उनकी लागत कितनी है, इत्यादि। लेकिन, मैं दोहराता हूं, यह हमारा काम नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा कि साथ ही, रूस अमेरिकी साझेदारों, निजी व्यवसायों और सरकारी संरचनाओं को दुर्लभ पृथ्वी धातुओं के क्षेत्र में एक साथ काम करने का अवसर देने के लिए तैयार होगा। पुतिन ने कहा कि दुर्लभ पृथ्वी धातुएं उन्नत अर्थव्यवस्था क्षेत्रों के लिए बहुत महत्वपूर्ण संसाधन हैं, और हम इस दिशा में बहुत कम काम कर रहे हैं। हमें और अधिक करना चाहिए।

सुडोकू 6837

	8				1	4		
		9		2	8	1		
				4			9	
	3							7
4			3		5			9
6							4	
	9			8				
		5	7	3		6		
		6	1				8	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6837

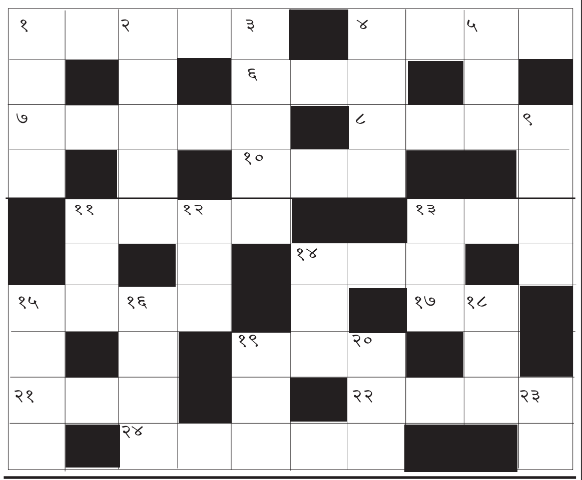

बायें से दायें:-

१. उठाना, उन्नति की ओर जाना, जिसकी आंखें ऊपर की ओर उठी हों
३. 'एजेंट'
५. पति (उर्दू)
६. ईश्वर, परमात्मा जो सभी को अपने नियंत्रण में रखता हो
७. किसी गणतंत्र का प्रधान
९. वास्तव में (उर्दू)
१०. तकलीफदेह
१२. नकद रकम, जमा. पूंजी
१३. पढ़ने वाला, पठन करने वाला
१४. शिकायत
१६. स्वामी, पति
१८. देखना, टकटकी बांधे देखना
२०. भावी कार्यपद्धति की रूपरेखा, मंसूबा
२१. परिधान, वेशभूषा
२४. मनोभिलाषा, मन की चाह

ऊपर से नीचे:-

१. पूजा, आराधना
२. जैसा निर्देश दिया गया हो
३. आम का बगीचा
४. कछुआ
५. अपराधी, दोषी (उर्दू)
८. छलमय, चतुराई
१०. लक्ष्मी
११. धनोपार्जन करना
१२. रुकावट डालना
१३. अग्नि
१४. इस्तेमाल
१५. एक जैसे नाम वाला
१७. कांपना, दहलना थरथराना
१८. अभिनेत्री
१९. किसी मापदंड के अनुसार किसी वस्तु की लंबाई -चौड़ाई जानना
२२. सरस्वती, स्वर, वचन, शब्द

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : बुधवार 26 फरवरी, 2025 फाल्गुन कृष्ण पक्ष 15

राशिफल

मेष - आज आपके किसी काम या प्रोजेक्ट में सरकार से लाभ होगा। ऑफिस में महत्वपूर्ण मुद्दों पर अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करेंगे। ऑफिस के कामकाज के लिए बाहर जाना होगा। कार्यभार बढ़ेगा।

वृषभ - विदेश गमन के लिए सुनहरे अवसर आएंगे। विदेश बसने वाले स्नेही या मित्रों का समाचार मिलेगा। व्यापारियों को व्यापार में धन लाभ होगा। नए आयोजन हाथ में ले सकेंगे। लंबी दूरी की यात्रा होगी, तीर्थ यात्रा होगी।

मिथुन - किसी भी प्रकार के अनिष्ट से बचने के लिए आज क्रोध की भावनाओं को नियंत्रण में रखने की जरूरत है। नई दवाई या चिकित्सा शुरू करने के लिए आज का दिन अनुकूल नहीं है। खर्च बढ़ जाने से आर्थिक तंगी अनुभव होगी।

कर्क - आज का दिन दोस्तों और स्वजनों के साथ आनंदपूर्वक गुजार सकेंगे। मनोरंजक प्रवृत्तियों का भी आनंद प्राप्त होगा। व्यापार में भी लाभ होने की संभावना अधिक है। भागीदारों से भी लाभ होगा।

सिंह - आज आपके परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ मिलकर आप आनंदपूर्वक समय व्यतीत करेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। यश, कीर्ति और आनंद की प्राप्ति होगी।

कन्या - आज आपको किसी न किसी कारणवश से मन में चिंता रहेगी। विशेष रूप से संतान और स्वास्थ्य के बारे में आप अधिक चिंतित होंगे। पेट संबंधी बीमारियों की शिकायत रहेगी। विद्यार्थियों की पढ़ाई में कठिनाइयां आएंगी।

तुला - आज आप शारीरिक रुप से शिथिलता और मानसिक रुप से चिंता का अनुभव करेंगे। माता के विषय में चिंता रहेगी। स्थायी संपत्ति से संबंधित कामों में सावधानी बरतें।

वृश्चिक - आज का दिन खुशी से व्यतीत करेंगे। नए काम की शुरुआत करेंगे। घर में भाई-बहनों के साथ मेल-मिलाप रहेगा। स्वजनों और मित्रों के साथ मुलाकात होगी। किसी छोटी यात्रा के योग हैं। आज आपके काम सफल होंगे।

धनु - आज का दिन मध्यम फलदायी हैं। निरर्थक व्यय होगा। मन में ग्लानि रहेगी। परिजनों के साथ गलतफहमी के कारण मनमुटाव हो सकते हैं। कामों में मनवांछित सफलता नहीं मिल पाएगी। दुविधायुक्त मनोदशा के कारण निर्णय नहीं ले पाएंगे।

मकर - आज निर्धारित कार्य सफलता से पूरे होंगे। ऑफिस या व्यवसायिक स्थल पर आपका वर्चस्व बढ़ेगा। गृहस्थ जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी।

कुंभ - आज किसी का पक्ष ना लें। पैसे की लेन-देन से परहेज करें। खर्च में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिजनों के साथ वाद-विवाद से बचें। किसी के साथ गलतफहमी होने से झगड़ा होगा। क्रोध को नियंत्रण में रखना पड़ेगा।

मीन - आज आपके लिए लाभदायक दिन है। नौकरी व्यवसाय में आय वृद्धि होगी। बुजुर्ग और मित्रों की तरफ से आपको लाभ होगा। नए मित्र बनेंगे। इनसे मित्रता भविष्य के लिए लाभदायक साबित होगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

ईरान में अफगान शरणार्थियों का बुरा हाल, पुलिस एक्शन और प्रतिबंधों ने बढ़ाई मुश्किले

तेहरान, 25 फरवरी (एजेंसियां)। ईरान ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए दक्षिण-पूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में अफगान प्रवासियों को हिरासत में लेने के लिए एक और कार्रवाई शुरू की। ईरानी सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी ईरान की सरकारी चाबहार के पुलिस कमांडर मोहम्मद शबिक ने घोषणा की कि ईरानी बंदरगाह शहर में 123 अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले, अफगान सीमा के पास उत्तरी सिस्तान और बलूचिस्तान के एक जिले हिरमंद में अधिकारियों ने 152 अफगान प्रवासियों को गिरफ्तार किया था। प्रमुख अफगान मीडिया आउटलेट अमू टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में अफगान शरणार्थियों ने बार-बार ईरानी सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण दुर्व्यवहार और चुनौतियों का सामना करने की घटनाओं की सूचना दी है। पिछले वर्ष कई घटनाएं सामने आईं जिनमें अनेक अफगान शरणार्थियों को ईरानी पुलिस अधिकारियों और नागरिकों द्वारा अपमानित और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो वायरल हो रहे थे जिनमें ईरान में अफगान प्रवासियों को परेशान किया जा रहा है और साथ ही अफगान प्रवासी विरोधी नारे भी लगाए जा रहे हैं।ईरानी सरकार ने अफगान शरणार्थियों पर कई कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं जिससे उनके लिए स्थिर आय अर्जित करना मुश्किल हो गया। ईरान में एक अफगान शरणार्थी ने कहा कि लोगों के बीच कोई अंतर नहीं है - वे सभी अफगान प्रवासियों को नापसंद करते हैं, और जब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करती है, तो उन्हें बुरी तरह पीटती है। ईरान मानवाधिकार संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में ईरान में 80 अफगान कैदियों को फांसी दी गई, यह संख्या 2023 से तीन गुना हो गई है। अफगान राजनीतिक विश्लेषक फजल-उर-रहमान ओरिया ने कहा कि दुर्भाग्य से, ईरान में रक्षाहीन और उत्पीड़ित अफगानों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं। यह अफगानिस्तान के लोगों के लिए असहनीय है और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और मानकों का भी उल्लंघन करता है।

■ **ईरानी सरकार ने अफगान शरणार्थियों पर कई कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिससे उनके लिए स्थिर आय अर्जित करना मुश्किल हो गया**

कांगो संकट को लेकर सवालों के घेरे में रवांडा

लंदन, 25 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन ने मंगलवार को कहा कि वह रवांडा को दी जाने वाली कुछ द्विपक्षीय सहायता रोक देगा और पड़ोसी कांगो के संकट में किगाली की भूमिका के कारण उस पर अन्य राजनयिक प्रतिबंध लगाएगा। रवांडा पर इस समय वैश्विक दबाव है। उस पर आरोप है कि वह एम23 समूह का समर्थन करता है, जिसने जनवरी से ही गोमा और बुकावु शहरों सहित पूर्वी कांगो के बड़े हिस्से और बहुमूल्य खनिज भंडारों पर कब्जा कर लिया है। किगाली ने इस एम23 समूह को समर्थन देने से इनकार किया है, लेकिन कहा कि उसके अपने सैनिक कांगो स्थित शत्रुतापूर्ण समूहों के खिलाफ आत्मरक्षा में कार्रवाई कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटिश सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि जब तक शत्रुता समाप्त करने में महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हो जाती और कांगो क्षेत्र से सभी रवांडा रक्षा बलों की वापसी नहीं हो जाती, तब तक ब्रिटेन कार्रवाई करता रहेगा।

वर्ग पहेली-6836

१ त	नु	२ म	ध्य	३ मा		४ प	रा	५ दि	त
ब		द्दे		६ न	लि	न		ज्ञा	
७ दी	वा	न		सि		८ घ	मा	सा	९ न
ल		ज		१० क	प	ट			क्शे
	११ स	र	१२ ल	ता			१३ स	ब	क
	हा		जा		१४ अ	ग्रि	म		द
१५ आ	रा	१६ ध	ना		न्य		१७ य	१८ ती	म
आ		न		१९ मि	त्र	२० ता		मा	
२१ ज	ल	ज		ल		२२ प	द	र	२३ ज
न		२४ य	था	ना	म				ग

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

सुडोकू 6837 का हल

2	8	3	9	7	1	4	5	6
5	4	9	6	2	8	1	7	3
7	6	1	5	4	3	2	9	8
9	3	8	4	1	2	5	6	7
4	1	7	3	6	5	8	2	9
6	5	2	8	9	7	3	4	1
1	9	4	2	8	6	7	3	5
8	2	5	7	3	9	6	1	4
3	7	6	1	5	4	9	8	2

मेलबर्न में चाकू से हमला करने के आरोप में चार युवक गिरफ्तार

सिडनी, 25 फरवरी (एजेंसियां)। मेलबर्न के उत्तरी इलाके में तीन युवक पर चाकू से हमला किया गया। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस इस मामले में चार किशोरों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को शाम करीब 7:30 बजे ब्रॉडमेडोज़ (जो मध्य मेलबर्न से 15 किमी उत्तर है) के एक इलाके में एक रिटेल स्टोर की पार्किंग में झगड़ा हुआ और चाकू से हमला किया गया। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस ने 40 और 18 साल के दो लोगों घायल अवस्था में पाया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी हालत गंभीर थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने घटनास्थल से कुछ किशोरों को भागते हुए देखा। पुलिस की एयर ब्रांच को उस इलाके में भेजा गया, और उन्होंने समूह को एक घर में प्रवेश करते हुए देखा। जासूसों और महत्वपूर्ण घटना प्रतिक्रिया टीम के सदस्यों ने मौके पर पहुंचकर तीन 19 साल के और एक 18 साल के युवक को गिरफ्तार कर लिया, सभी युवक थे। समूह का पांचवां सदस्य, जो 14 साल का था। वो भी लड़ाई में घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा केन्या, जवाबी कार्रवाई को रहे तैयार : सूडान

खार्तूम, 25 फरवरी (एजेंसियां)। सूडानी सरकार ने सोमवार को अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) को इस्तेमाल करने का आरोप केन्या पर लगाया है। सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए केन्या के खिलाफ सख्त कदम उठाने का फैसला लिया है। सूडान के विदेश मंत्रालय के अवर सचिव हुसैन अल-अमीन ने पोर्ट सूडान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम अफ्रीकी संघ और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों को एक ज्ञापन सौंपेंगे और सूडान के शत्रुतापूर्ण रुख को देखते हुए उसके खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम केन्याई उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने सहित आर्थिक कार्रवाई करेंगे, खासकर इसलिए क्योंकि सूडान केन्या के सबसे बड़े चाय आयातकों में से एक है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सूडानी अधिकारी ने केन्या पर आरएसएफ को सपोर्ट करने का आरोप लगाया, जो अप्रैल 2023 के मध्य से सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) से लड़ रहा है। उन्होंने केन्या द्वारा आरएसएफ और उसके सहयोगियों के लिए एक संस्थापक चार्टर पर हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी करने को 'एक शत्रुतापूर्ण कार्य और सूडान के आंतरिक मामलों में स्पष्ट हस्तक्षेप' बताया, जिसमें समानांतर सरकार के गठन का आह्वान किया गया है।उन्होंने कहा कि केन्या का व्यवहार संयुक्त राष्ट्र, अफ्रीकी संघ, विकास पर अंतर-सरकारी प्राधिकरण और अन्य सहित सभी अंतरराष्ट्रीय चार्टर और समझौतों का उल्लंघन था। सूडान के विदेश मंत्रालय ने भी एक बयान जारी कर केन्या को आरएसएफ और उसके सहयोगियों की मेजबानी करने के लिए फटकार लगाई।

■ **हम केन्याई उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने सहित आर्थिक कार्रवाई करेंगे**

आज का इतिहास

1994 - उत्तरी कोरिया अपने परमाणु संयंत्रों को अंतर्राष्ट्रीय निरीक्षण के लिए खोलने पर सहमत।

1995 - कॉपीराइट मुद्दे पर सं.रा. अमेरिका एवं चीन के मध्य समझौता।

1999 - पांच ग्रैमी अवार्ड जीतकर रैप गायिका लॉरिन हिल ने नया रिकार्ड बनाया।

2001 - क्रिकेट के महानतम खिलाड़ी सर डॉन ब्रैडमैन का निधन।

2002 - अफ़ग़ानिस्तान के अंतरिम प्रधानमंत्री हामिद करजई भारत की दो दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुँचे।

2004 - मकदुनिया के राष्ट्रपति बेरिस ट्रेज कोवस्की की विमान दुर्घटना में मृत्यु।

2006 - परमाणु परिशोधन पर ईरान और रूस में समझौता।

2007 - नेपाल सरकार द्वारा नरेश की सम्पत्ति का राष्ट्रीयकरण करने की घोषणा।

2008 - रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव ने वर्ष 2008-09 का रेल बजट संसद में पेश किया। भारत परमाणु अस्त्र ले जाने में सक्षम बैलेस्टिक मिसाइल का समुद्र के भीतर सफल परीक्षण किया। नेपाल में संविधान सभा के होने वाले चुनाव में माओवादी नेता प्रचंड ने अपना पर्चा भरा।

2009 - इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश हेमन्त लक्ष्मण गोखले का स्थानान्तरण मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश के रूप में हुआ।

अभियान | *गाजा में पोलियो वैक्सीन अभियान*

दो दिनों में 4,54` से अधिक बच्चों को पिलाई गई दवा

गाजा, 25 फरवरी (एजेंसियां)। फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने बताया कि उसने पिछले दो दिनों में गाजा पट्टी में 454` से ज्यादा बच्चों को पोलियो वैक्सीन की खुराकें पिलाई हैं। नियर ईस्ट में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने एक प्रेस वक्तव्य में कहा कि इस बड़े पैमाने के अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में चल रही मानवीय चुनौतियों के बीच बच्चों को बीमारी के खतरों से बचाना है।

■ **मेडिकल टीमों ने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर 24 घंटे काम किया**

यूएनआरडब्ल्यूए ने बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और उनकी इम्युनिटी को मजबूत करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जाहिर किया। यूएन एजेंसी ने बताया कि उनकी मेडिकल टीमों ने स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर 24 घंटे काम किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वैक्सीन की खुराक सभी बच्चों तक पहुंचे सकें।

महामारी को रोकने में टीकाकरण के महत्व को बताते हुए यूएनआरडब्ल्यूए ने परिवारों से स्वास्थ्य टीमों के साथ सहयोग जारी रखने की अपील की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर बच्चे को वैक्सीन की खुराक मिले।

यह अभियान एजेंसी के बड़े स्वास्थ्य कार्यक्रम का हिस्सा है, जो गाजा और अन्य क्षेत्रों में फिलिस्तीनी शरणार्थियों को प्राथमिक और रोकथाम वाली चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है। इजरायल द्वारा फिलिस्तीनी क्षेत्रों में हाल ही में यूएनआरडब्ल्यूए की गतिविधियों पर लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद एजेंसी गाजा के लोगों को मानवीय सेवाएं देना जारी रखे हुए हैं। यूएनआरडब्ल्यूए के मीडिया सलाहकार अदनान अबू हस्ना ने कहा कि एजेंसी ने सभी चुनौतियों के बावजूद अपने मिशन को पूरा करने का ठान लिया है।

उन्होंने यूएनआरडब्ल्यूए को फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए एक जीवन रेखा बताया, जो उन्हें जरूरी सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अक्टूबर 2024 में इजरायली संसद ने दो कानून बनाए। इनमें से एक कानून यूएनआरडब्लूए के गाजा और देश में काम करने पर प्रतिबंध लगाता है।

दूसरा कानून इजरायली अधिकारियों और एजेंसी के बीच किसी भी आधिकारिक संपर्क पर रोक लगाता है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ये कानून जनवरी 2025 के अंत में लागू हुए।

दुनिया को जानें

पहली बार चीन का समुद्री आर्थिक उत्पादन 100 खरब युआन के पार

बीजिंग, 25 फरवरी (एजेंसियां)। चीनी प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2024 में चीन की समुद्री अर्थव्यवस्था ने मजबूती से विकास किया और इसका कुल आर्थिक उत्पादन पहली बार 100 खरब युआन के आंकड़े को पार कर गया। मंत्रालय के समुद्री रणनीतिक योजना और अर्थव्यवस्था विभाग ने '2024 चीनी समुद्री आर्थिक सांख्यिकीय विज्ञप्ति' जारी की, जिसमें बताया गया कि साल 2024 में चीन का कुल समुद्री उत्पादन मूल्य 105 खरब 43 अरब 80 करोड़ युआन तक पहुंच गया। यह 2023 की तुलना में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जो इस क्षेत्र की मजबूत विकास गति को रेखांकित करता है। आंकड़ों के अनुसार, बीते वर्ष चीन के कुल समुद्री उत्पादन में समुद्री विनिर्माण के अतिरिक्त मूल्य का हिस्सा 30 प्रतिशत से अधिक था, जबकि समुद्री सेवा उद्योग के अतिरिक्त मूल्य का हिस्सा 59.6 प्रतिशत रहा। इसके साथ ही, समुद्री पर्यटन उद्योग में भी तेजी आई, खासतौर पर क्रूज पर्यटन की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा, अपतटीय पवन ऊर्जा क्षेत्र भी तेजी से विस्तार कर रहा है।

खेल जगत

मैं केकेआर की कप्तानी के लिए निश्चित रूप से तैयार हूं : वेंकटेश अय्यर

कोलकाता। वेंकटेश अय्यर को अगर मौका मिलता है, तो वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कप्तानी करने के लिए 'निश्चित रूप से तैयार' हैं। हालांकि अय्यर (30) ने कभी भी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में कप्तानी नहीं की है। रिटेन ना करने के बाद केकेआर ने बड़ी नीलामी में अय्यर को 23.75 करोड़ रूपये के बड़े मूल्य पर खरीदा था। वह अजिंक्य रहाणे के साथ केकेआर की कप्तानी के प्रबल दावेदार हैं। पिछले साल केकेआर को खिताब जिताने के बाद श्रेयस अय्यर अब पंजाब किंग्स की तरफ जा चुके हैं। तब से केकेआर के कप्तान की जगह खाली है। ईएसपीएनक्रिकइंफो से बात करते हुए अय्यर ने कहा कि मैंने हमेशा यह कहा है कि कप्तानी बस एक पद है, मैं लीडरशिप पर भरोसा करता हूं। यह एक बड़ी भूमिका है। कई बार कप्तानी ना होते हुए भी आप ड्रेसिंग रूम के लीडर हो सकते हैं।

इंग्लैंड और अफगानिस्तान दोनों के लिए 'करो या मरो' का मुकाबला आज

■ ग्रुप बी में अभी भी सभी चार टीमों की उम्मीदें अंतिम चार में प्रवेश करने पर टिकी हैं

लाहौर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। लाहौर में बुधवार को अफगानिस्तान और इंग्लैंड में से एक टीम का सफर चैंपियंस ट्रॉफी से खत्म हो सकता है। इंग्लैंड को पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 350 रन से ज्यादा बनाने के बावजूद हार मिली थी जबकि अफगानिस्तान को दक्षिण अफ्रीका ने 107 रनों से करारी शिकस्त दी थी। ग्रुप ए में जहां दो टीमों ने सेमीफाइनल का टिकट ले लिया है तो ग्रुप बी में अभी भी सभी चार टीमों की उम्मीदें अंतिम चार में प्रवेश करने पर टिकी हैं। इंग्लैंड के लिए ये इतना आसान भी नहीं होने वाला क्योंकि आखिरी बार जब वनडे में इन दोनों टीमों की भिड़ंत हुई थी तो जीत का सेहरा अफगानिस्तान के सिर बंधा था। 2023 विश्व कप में अफगानिस्तान ने दिल्ली में इंग्लैंड को 69 रन से मात दी थी।

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने पिछले मैच में चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया था जिसकी बदौलत इंग्लैंड ने भी इस प्रतियोगिता का सबसे बड़ा स्कोर बना डाला था। लेकिन ये रिकॉर्ड कुछ ही घंटे तक रहा क्योंकि इंग्लैंड के गेंदबाज 351 रन के स्कोर को भी डिफेंड नहीं कर पाए। ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास के सबसे बड़े चेज को अंजाम दे दिया था। इंग्लैंड की परेशानी उनकी गेंदबाजी है – मार्क वुड और जोफ्रा आर्चर जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज के रहते हुए भी पिछले मुकाबले में रनों के पहाड़ की भी रक्षा नहीं कर पाए थे। साथ ही साथ तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स भी चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, कार्स की जगह लेग स्पिनर रेहान अहमद को दल में जोड़ा गया है। दूसरी तरफ अफगानिस्तान की परेशानी ये है कि अगर उनकी सलामी जोड़ी, रहमानउल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान, चल जाती है तो ये टीम बिल्कुल अलग लगती है। लेकिन इस जोड़ी को जल्दी तोड़ दिया गया तो फिर अफगानिस्तान का मिडिल ऑर्डर बिखर जाता है।

लाहौर की पिच का पेंच : लाहौर की पिच बल्लेबाजों के लिए जन्नत है जिसकी झलक यहां खेले गए ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड मुकाबले में हमने देखी थी। ऐसे में एक बार फिर रनों की बारिश की संभावना की जा सकती है। साथ ही शाम में शबनम (ओस) के आने के बाद गेंदबाजों के लिए और भी मुश्किल हो सकती है। लिहाजा टॉस जीतने वाली टीम यहां पहले गेंदबाजी करना ही चाहेगी।

इंग्लैंड से मुकाबले के लिए हम तैयारः शाहिदी

लाहौर। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने अपनी टीम को आत्ममुग्धता से बचने की अपील करते हुये कहा कि उनकी टीम इंग्लैंड से मुकाबले के लिये पूरी तरह तैयार है। उन्होने टीम के सदस्यों को आत्ममुग्धता से बचने की सलाह देते हुये मैदान में बने रहने के महत्व पर जोर दिया। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही अफगानिस्तान की काफी प्रशंसा की गई, जिसमें कई क्रिकेटर्स भी शामिल थे। दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद इंग्लैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले की तैयारी कर रहे कप्तान शाहिदी ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को परिणाम देने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया का मैच बारिश के चलते रद्द

रावलपिंडी, 25 फरवरी (एजेंसियां)। रावलपिंडी से अच्छी खबर नहीं है। बारिश के चलते दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के मैच को रद्द करने का फैसला लिया गया है। इस मैच

के रद्द होने के चलते ग्रुप बी से सेमीफाइनल की दौड़ रोचक हो गई है। कल इसी ग्रुप से इंग्लैंड और अफगानिस्तान का मुकाबला खेला जाना है जो इस ग्रुप की स्थिति का फैसला करेगा। ग्रुप बी की अंक तालिका में दक्षिण अफ्रीका अभी भी शीर्ष पर बरकरार है। हालांकि ग्रुप बी अब पूरी तरह से खुल गया है और कोई भी टीम इस समय सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने मैच रद्द होने के बाद कहा : हमें नहीं लगा था कि मैच रद्द हो जाएगा। अब समीकरण स्पष्ट है। अगर हम अंतिम मैच अफगानिस्तान के खिलाफ जीत गए तो सीधा सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे। अफगानिस्तान एक खतरनाक टीम है वो किसी भी टीम को हराने का माद्दा रखती है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने कहा : अब हम अगले मैच की ओर देख रहे हैं, हम अब तक अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं और आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अफगानिस्तान वाले मैच पर हमारी नजरें रहेंगी क्योंकि इससे अंक तालिका की तस्वीर और साफ हो जाएगी।

भारत को आत्मसंतुष्ट होने की जरूरत नहीं : देवजीत सैकिया

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर भारत की छह विकेट की शानदार जीत के बाद, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टीम के प्रयासों की सराहना की और उन्हें आत्मसंतुष्ट न होने तथा आगे के बड़े मैचों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। विराट कोहली के शानदार नाबाद शतक की बदौलत भारत ने 242 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 42.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

उनकी पारी में सात चौके शामिल थे, जिसमें उनके बेहतरीन कवर ड्राइव भी शामिल थे, जिससे उनके आलोचकों को उनके पुराने दिनों की याद आ गई। मैच के दौरान, कोहली 14,000 वनडे रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन गए और उन्होंने वनडे में क्षेत्ररक्षक के रूप में भारत के लिए सबसे ज्यादा कैच लेने के मोहम्मद अजहरुद्दीन के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। उन्हें उनकी दोहरी वीरता के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। गेंदबाजी में कुलदीप यादव ने तीन विकेट लिए, जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपने आठ ओवरों में 2–31 के

■ मैच के दौरान, कोहली 14,000 वनडे रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन गए

■ स्टेडियम में मौजूद 70 प्रतिशत भीड़ टीम इंडिया का समर्थन कर रही थी

आंकड़े के साथ वापसी की।

सैकिया ने कहा कि हमें आत्मसंतुष्ट होने की जरूरत नहीं है... हमें आगे के बड़े मैचों (सेमीफाइनल और फाइनल) पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पूरी टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है, रोहित (शर्मा) रन बना रहे हैं, विराट (कोहली) ने शानदार शतक लगाया और हार्दिक पांड्या ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। इसलिए, हम पाकिस्तान पर जीत से बहुत खुश हैं। स्टेडियम (दुबई में) में मौजूद 70 प्रतिशत भीड़ टीम इंडिया का समर्थन कर रही थी और माहौल बहुत शानदार था। सभी को टीम पर गर्व है। ग्रुप ए में बांग्लादेश और पाकिस्तान के खिलाफ लगातार जीत दर्ज करने के बाद, रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम अब 2 मार्च को अपने अंतिम ग्रुप मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी।

भारत और न्यूजीलैंड दोनों ने ग्रुप ए से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जबकि मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश टूर्नामेंट में लगातार हार के बाद जल्दी बाहर हो गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड ने आखिरी बार 2023 विश्व कप सेमीफाइनल में एक दूसरे का सामना किया था, जहां मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मैन इन ब्लू ने 70 रनों से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई थी। दूसरी ओर, ग्रुप बी से दो सेमीफाइनल स्थानों के लिए दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और अफगानिस्तान मैदान में हैं। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने अपने अभियान की शुरुआत क्रमशः अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ जीत के साथ की।

प्रशंसकों और टीम प्रबंधन से 'बहुत देखभाल और प्यार मिला' : रवींद्र

रावलपिंडी, 25 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के युवा बल्लेबाज रचिन रवींद्र ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले मैदान पर एक अजीब दुर्घटना का सामना करने के बाद शानदार वापसी के लिए प्रशंसकों और टीम प्रबंधन से मिले प्यार और समर्थन को श्रेय दिया, जिसे उन्होंने 'अजीब पल' करार दिया। इस महीने की शुरुआत में वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान, पाकिस्तान के खिलाफ मैच के 38वें ओवर में कैच लेने के प्रयास में माथे पर गेंद लगने के बाद रवींद्र को मैदान से बाहर जाना पड़ा था। पाकिस्तान के खिलाफ महीने की शुरुआत में हुई घटना से एक बुरी तरह से घायल होने और साथ ही वापसी के प्रोटोकॉल का पालन करने के बावजूद, रवींद्र ने अपनी प्रतिकूल टूर्नामेंट तैयारियों के कारण बाधा उत्पन्न होने का कोई संकेत नहीं दिया। 25 वर्षीय स्टार ने न केवल बांग्लादेश के खिलाफ शानदार वापसी की, बल्कि एक ऐसा प्रदर्शन भी किया जिसने उन्हें इतिहास के पन्नों में दर्ज कर दिया। वह आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी दोनों में डेब्यू पर शतक बनाने वाले इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए। इस प्रक्रिया में, उन्होंने अपनी 26वीं पारी में वनडे क्रिकेट में 1000 रन भी पूरे किए, जो

■ रचिन ने चैंपियंस ट्रॉफी में अपने डेब्यू पर 105 गेंदों पर 112 रन की शानदार शतकीय पारी खेली

न्यूजीलैंड के लिए पांचवें सबसे तेज रन है। रचिन ने चैंपियंस ट्रॉफी में अपने डेब्यू पर 105 गेंदों पर 112 रन की शानदार शतकीय पारी खेली, जिससे न्यूजीलैंड ने सोमवार शाम को बांग्लादेश के खिलाफ पांच विकेट से आसान जीत के साथ आईसीसी के इस बड़े इवेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली। न्यूजीलैंड की जीत के बाद उन्होंने मीडिया से कहा कि उस अजीब पल के बाद वापस आकर अपने क्रिकेट का लुत्फ उठाना बहुत अच्छा लगा। ब्लैक कैप्स सेटअप के संदर्भ में, कोच, (डॉक्टर) और फिजियो का शुक्रिया, मैं इससे काफी हद तक बाहर आ पाया हूं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे बहुत देखभाल और प्यार मिला है और यह जानकर मुझे वाकई बहुत खुशी होती है कि कितने लोग मेरी परवाह करते हैं और मैं उन सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने मेरा साथ दिया और अपना समर्थन दिया, इसलिए इसके लिए धन्यवाद। मैं सभी के प्यार और समर्थन के लिए बेहद आभारी हूं।'और जहां रवींद्र ने बल्ले से धमाल मचाया, वहीं न्यूजीलैंड को दाएं हाथ के स्पिनर माइकल ब्रेसवेल की गेंदबाजी से भी फायदा हुआ, जिन्होंने अपने 10 ओवरों में 4–26 विकेट लिए। 'बीस्टी' (ब्रेसवेल) ने अपनी पूरी ताकत से गेंदबाजी की। पिछले कुछ सालों में एक क्रिकेटर के रूप में उनका विकास देखना अद्भुत रहा है। वह अपनी कला को इतनी अच्छी तरह से सीख रहे हैं और उन्हें इतना लगातार खेलते देखना, जैसा कि वह हाल ही में कर रहे हैं, अद्भुत है। इससे हमारे स्पिन आक्रमण को बहुत गहराई मिलती है। रविंद्र ने कहा कि जाहिर है कि टीम की अगुआई 'सैंट' (मिशेल सैंटनर) करेंगे, जो विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं। उनके साथ 'माइक' (ब्रेसवेल) जैसे गेंदबाज का होना शानदार है।

आईपीएल 2025 दिल्ली कैपिटल्स ने मैथ्यू मॉट को सहायक कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां) दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने आईपीएल 2025 से पहले मैथ्यू मॉट को सहायक कोच नियुक्त किया है, जिसकी घोषणा फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को की। मॉट हेमंग बदानी की सहायता करेंगे, जिन्हें पिछले साल अक्टूबर में नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। फ्रेंचाइजी में क्रिकेट के निदेशक वेणुगोपाल राव और भारत के पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल भी उनके गेंदबाजी कोच हैं। इससे पहले, मॉट ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सहायक कोच के रूप में काम किया था, जब जॉन बुकानन 2008 और 2009 में टूर्नामेंट के पहले दो सत्रों में मुख्य कोच थे। मॉट की आखिरी बड़ी नौकरी इंग्लैंड की पुरुष राष्ट्रीय टीम के व्हाइट–बॉल कोच के रूप में थी। उन्होंने इंग्लैंड की 2022 टी20 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन मिश्रित कार्यकाल के बाद पिछले साल जुलाई में पद छोड़ दिया। इंग्लैंड की सफेद गेंद की नौकरी से बाहर होने के बाद, मॉट को पिछले सितंबर में तीन साल के सौदे पर बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स द्वारा सहायक कोच के रूप में नियुक्त किया गया

■ मॉट की आखिरी बड़ी नौकरी इंग्लैंड की पुरुष राष्ट्रीय टीम के व्हाइट-बॉल कोच के रूप में थी

था। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट में 2015 से 2022 तक उनके कार्यकाल के दौरान सबसे सफल टीमों में से एक बनी हुई थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की महिलाओं को दो टी 20 विश्व कप और 50 ओवर के विश्व कप खिताब दिलाए। उनके कार्यकाल में, ऑस्ट्रेलियाई महिलाएं चार एशेज श्रृंखलाओं में अपराजित रहीं। डीसी, जो 2020 में लीग के 16 संस्करणों में केवल एक बार आईपीएल के फाइनल में पहुंची है, पिछले संस्करण में छठे स्थान पर रही। अधिकांश बड़े खिलाड़ियों को जाने देने के बाद, डीसी ने केवल अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ट्रिस्टन स्टब्स और अभिषेक पोरेल को बरकरार रखा।

सार संक्षेप

प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैदराबाद एफसी

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी बुधवार को शाम 7:3 बजे यहां विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 224-25 मुकाबले में हैदराबाद एफसी की मेजबानी करेगी। रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड लगातार दो जीत के बाद इस मुकाबले में उतरेगी। अंतिम तीन मुकाबलों में जीत शीर्ष-6 में जगह बनाने की उसकी रही-सही संभावनाएं बनाए रखेगी। ईस्ट बंगाल एफसी 21 मैचों में सात जीत, तीन ड्रा और 11 हार से 24 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है और छठे स्थान पर मौजूद मुम्बई सिटी एफसी (32) से नौ अंक पीछे है। हैदराबाद एफसी के लिए स्थिति बिल्कुल अच्छी नहीं है, जिसे पिछले पांच मैचों में दो जीत और दो हार मिली है। हैदराबाद एफसी 21 मैचों में चार जीत, पांच ड्रा और 12 हार से 17 अंक लेकर 13 टीमों की अंक तालिका में 12वें स्थान पर है और वह जीत से मेजबान टीम का प्लेऑफ समीकरण बिगाड़ना चाहेगी।

भारत ने दृष्टिहीनों की टी2 क्रिकेट श्रृंखला जीती

बेंगलुरु। टीम इंडिया ने दृष्टिहीन पुरुषों की द्विपक्षीय टी2 क्रिकेट सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश पर नौ विकेट से बड़ी जीत हासिल की। मणिपाल यूनिवर्सिटी कैंपस में इस जोरदार जीत के साथ भारत ने सीरीज 3- से अपने नाम कर ली। टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करते हुये भारत ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा किया और बांग्लादेश को 2 ओवरों में चार विकेट पर 173 रन पर रोक दिया। सलमान 38 गेंदों में 5 रन बनाकर बांग्लादेश के लिये सर्वाधिक योगदान देने वाले बल्लेबाज बने वहीं भारत की ओर से टी. दुर्गा राव ने तीन विकेट लेकर प्रभावित किया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरे भारत के सुनील रमेश ने सिर्फ 46 गेंदों में नाबाद 96 रन बनाकर मैच को अपनी टीम के पक्ष में कर दिया। नकुल बदनायक ने 31 गेंदों में 5 रन बनाए।

आथर्टन ने भारत-पाक मुकाबले को 'एकतरफा' बताया

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथर्टन ने चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए मैच में भारत की जीत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तीव्र प्रतिद्वंद्विता को 'एकतरफा' बताया है। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत–पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला एक और एकतरफा साबित हुआ, जिसमें रोहित शर्मा की टीम ने दुबई में छह विकेट से शानदार जीत हासिल कर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।स्काई स्पोर्ट्स पॉडकास्ट पर बोलते हुए, आथर्टन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस मैच को लेकर इतनी चर्चा के बावजूद, यह मैच उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। आथर्टन ने कहा कि खैर, यह पूरी तरह से एकतरफा था। बहुत दूर से देखने पर यह बहुत ही अनुमानित लग रहा था। पाकिस्तान की बल्लेबाजी लाइन–अप कमजोर थी, जैसा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में था। बल्लेबाजी में थोड़ी ऊर्जा और गतिशीलता की कमी दिखी। उस मुकाबले में थोड़ी समस्या है, है न? क्योंकि यह सभी तरह के कारणों से एक बहुप्रतीक्षित मुकाबला है।

केरल का लक्ष्य फाइनल मुकाबले में पहला खिताब जीतना

नागपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। केरल की नजरें अपने पहले रणजी ट्रॉफी खिताब पर टिकी हैं, जब वे दो बार के चैंपियन विदर्भ के खिलाफ फाइनल मुकाबला खेलेंगे, जो बुधवार से जामथा के वीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा। केरल का यह सीजन शानदार रहा है, वे अपने इतिहास में दूसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं, इससे पहले उन्होंने 2018–19 सीजन में यह उपलब्धि हासिल की थी। हालांकि, तब से वे कभी भी इस चरण से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। लेकिन, मुख्य कोच अमय खुरसिया के मार्गदर्शन में, टीम ने लंबे समय से चली आ रही इस बाधा को तोड़ दिया और गुजरात के खिलाफ पहली पारी में दो रन की मामूली बढ़त लेने के बाद अपने पहले रणजी ट्रॉफी फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया। फाइनल तक

■ केरल के फाइनल में पहुंचने की दौड़ में उनके 38 वर्षीय अनुभवी जलज सक्सेना और सलमान निजार का अहम प्रदर्शन रहा

पहुंचने के दौरान, केरल ने अपने सभी चार ग्रुप–स्टेज मैच ड्रॉ किए, जिसमें मध्य प्रदेश, हरियाणा, बंगाल और कर्नाटक का सामना करना पड़ा और नॉकआउट चरण में आगे बढ़ गया। सचिन बेबी की अगुआई वाली टीम ने जम्मू–कश्मीर के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच ड्रॉ किया और पहली पारी में बढ़त के साथ अपने दूसरे सेमीफाइनल में पहुंच गई। सेमीफाइनल में नाटकीय जीत के साथ उन्होंने पहली बार फाइनल में जगह बनाई।

केरल के फाइनल में पहुंचने की दौड़ में उनके 38 वर्षीय अनुभवी जलज सक्सेना और सलमान निजार का अहम प्रदर्शन रहा। सक्सेना ने सीजन की शुरुआत में 6000 रन और 400 विकेट का दुर्लभ रणजी डबल पूरा किया, जबकि निजार 86.71 की औसत से 607 रन बनाकर उनके सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। तेज गेंदबाज एमडी निधीश एक मजबूत ताकत बन गए हैं और उन्होंने क्वार्टर फाइनल में दस विकेट भी लिए।

डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर में उतरेंगे 165 भारतीय खिलाड़ी

वडोदरा, 25 फरवरी (एजेंसियां)। डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर वडोदरा, डब्ल्यूटीटी यूथ सीरीज का एक हिस्सा है, जो पहली बार भारत में 25 फरवरी से 1 मार्च तक समा इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेला जाएगा। कुल 165 भारतीय खिलाड़ी 12 श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें आठ देशों के प्रतिभागी शामिल होंगे, सभी शीर्ष पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। स्पॉटलाइट वडोदरा पर होगी, जो पहली बार यूथ कंटेंडर की मेजबानी कर रहा है, जो भविष्य के मार्की इवेंट्स के लिए माहौल तैयार कर रहा है। इस इवेंट की शुरुआत पहले दिन अंडर/17 और अंडर/13 लड़कों और लड़कियों की श्रेणियों से होगी, जहां दिव्यांशी भौमिक और अभिनंद प्रथिवादी पसंदीदा के रूप में शुरुआत करेंगे। अंकुर भट्टाचार्जी, सयाली वानी और दिव्यांशी भौमिक जैसे बड़े नाम अपनी प्रतिभा दिखाने और अपने–अपने वर्गों में अपना दबदबा साबित करने के लिए कोर्ट में उतरेंगे।

सिमंस की दमदार पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से रौंदा

नवी मुंबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। बकी 44 गेंदों पर खेली गई 94 रनों की आक्रामक पारी ने शेन वॉटसन के 48 गेंदों पर बनाए गए शतक को पीछे छोड़ दिया और वेस्टइंडीज मास्टर्स ने डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स

■ इस प्रक्रिया में, वॉटसन ने कुछ बड़ी साझेदारियों में भी भाग लिया, जिसने विशाल लक्ष्य की नींव रखी

स्टेडियम में खेले गए पहले इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स को 7 विकेट से हरा दिया। आईएमएल में हाई–स्कोरिंग मैच बनाने के चलन को जारी रखते हुए, स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को वॉटसन के सिग्नेचर स्ट्रोक्स देखने को मिले, जिसमें वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा द्वारा टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला करने के बाद पुरानी यादें ताजा हो गईं। 43 वर्षीय वॉटसन ने कभी ऐसा अहसास नहीं कराया कि उन्होंने खेलना छोड़ दिया है, क्योंकि उन्होंने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए मात्र 27 गेंदों पर अपना अर्द्धशतक पूरा किया और अपना अगला अर्द्धशतक 21 गेंदों पर पूरा किया। इस प्रक्रिया में, वॉटसन ने कुछ बड़ी साझेदारियों में भी भाग लिया, जिसने विशाल लक्ष्य की नींव रखी। बेन डंक (11 गेंदों पर 15 रन) के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे वॉटसन ने 34 रनों की साझेदारी की और फिर कैलम फर्ग्यूसन (15 गेंदों पर 13 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 83 रनों की साझेदारी की। उन्होंने डेनियल क्रिश्चियन (15 गेंदों पर 32 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रनों की साझेदारी की, जिसने ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए विशाल स्कोर की नींव रखी। दूसरे छोर पर अपने साझेदारों को खोने के बावजूद, वॉटसन ने सुनिश्चित किया कि वह मध्यक्रम में बने रहें और ऑस्ट्रेलियाई पारी को गति प्रदान करें। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर सुलेमान बेन को विशेष रूप से पसंद किया और उनकी गेंदों पर दो छक्के और इतने ही चौके जड़कर पारी के 9वें ओवर में 21 रन बटोरे। वॉटसन, जिन्हें 80 रन पर एश्ले नर्स द्वारा कैच छोड़ने पर जीवनदान मिला था, अंततः उसी गेंदबाज की गेंद पर आउट हो गए, लेकिन तब तक वे 52 गेंदों में 107 रन बनाकर अपना काम कर चुके थे, जिसमें नौ चौके और इतने ही छक्के शामिल थे। इस बीच, नर्स विंडीज के सबसे सफल गेंदबाज रहे, उन्होंने 3–16 के आंकड़े हासिल किए, जबकि जेरोम टेलर और रवि रामपॉल ने दो–दो विकेट लिए।

छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ के उद्घाटन संस्करण में हिस्सा लेंगे माने, गंडास, सातो जैसे सितारे

रायपुर (छत्तीसगढ़), 25 फरवरी (एजेंसियां)। ओलंपियन उदयन माने सहित प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के कुछ शीर्ष खिलाड़ी छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप में भाग लेंगे। यह राज्य में पहला पीजीटीआई इवेंट है, जिसमें 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि है। यह 25 से 28 फरवरी तक नया रायपुर के फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिसॉर्ट में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में 123 प्रोफेशनल और तीन एमेच्योर सहित 126 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह इवेंट स्ट्रोक–प्ले फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें 18 होल के चार राउंड होंगे। दो राउंड के बाद शीर्ष 50 खिलाड़ी और टाई कट में जगह बनाएंगे। पीजीटीआई ने सोमवार को यहां घोषणा की कि कोर्स का पार 69 है। टूर्नामेंट में दिग्गजों से सजे खिलाड़ियों में प्रमुख भारतीय पेशेवर खिलाड़ी ओम प्रकाश चौहान, राशिद खान, मनु गंडास, अमन राज और चिक्कारंगप्पा एस शामिल हैं। टूर्नामेंट में सात अलग–अलग देशों के 13 विदेशी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। विदेशी खिलाड़ियों में बांग्लादेशी जमाल हुसैन, बादल हुसैन, मोहम्मद अकबर हुसैन और मोहम्मद सोमरत सिकदर, श्रीलंकाई एन. थंगाराजा और के. प्रबागरन, अमेरिकी कोइचिरो सातो और डोमिनिक पिकिरिलो, नेपाल के सुकरा बहादुर राय और सुभाष तमांग, चेक गणराज्य के स्टीफन दानेक, इटली के फेडेरिको जुचेट्टी और युगांडा के जोशुआ सील शामिल हैं। फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिसॉर्ट, नया रायपुर, 450 एकड़ की झांझ झील के किनारे स्थित है और लगभग 500 एकड़ के जंगल से घिरा हुआ है। पीजीटीआई ने अब तक भारत भर में 16 राज्यों, दो केंद्र शासित प्रदेशों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कार्यक्रम आयोजित किए हैं। एसईसीएल छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप के आयोजन के साथ, पीजीटीआई छत्तीसगढ़ राज्य में अपना पहला कदम रख रहा है।

■ यह राज्य में पहला पीजीटीआई इवेंट है, जिसमें 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि है

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.61 प्रतिशत
भारती एयरटेल	2.55 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.65 प्रतिशत
जोमैटो	1.37 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	1.34 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
सन फार्मा	1.58 प्रतिशत
पावरग्रिड	1.25 प्रतिशत
टीसीएस	1.19 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.15 प्रतिशत
एशियन पेंट	1.04 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	87,933
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,03,500
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	86.96	87.00
पौंड स्टर्लिंग	106.21	106.45
यूरो	88.45	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4280-4380
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4250-4350

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	8900-9000
मूंग दाल	9300-9300
अरहर दाल	7650-7750

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

रेलवे के 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन के लिए सरकार प्रतिबद्ध : अश्विनी वैष्णव

■ **रिन्यूएबल एनर्जी का उपयोग बढ़ेगा**

> **हमारा अगला उद्देश्य रिन्यूएबल एनर्जी का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना है। भारतीय रेलवे ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए 4,260 मेगावाट (इंस्टॉल्ड) सोलर और 3,427 मेगावाट (इंस्टॉल्ड) विंड पावर के लिए करार किया हुआ है: अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री**

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार रेलवे के लिए 'नेट जीरो' उत्सर्जन को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और वित्त वर्ष 2025-26 में रेलवे का इलेक्ट्रिफिकेशन 100 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा। केंद्रीय रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह बयान दिया।

मध्य प्रदेश के 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025' को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारा अगला उद्देश्य रिन्यूएबल एनर्जी का अधिक से अधिक इस्तेमाल करना है। भारतीय रेलवे ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए 4,260 मेगावाट (इंस्टॉल्ड) सोलर और 3,427 मेगावाट (इंस्टॉल्ड) विंड पावर के लिए करार किया हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि इस दृष्टिकोण के साथ भारतीय रेलवे पहले ही 1,500 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी के लिए अनुबंध कर चुका है।साथ ही रिन्यूएबल एनर्जी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के साथ एक महत्वपूर्ण 170 मेगावाट बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह अनुबंध भारत की सबसे सस्ती सोलर पावर की खरीद को दर्शाता है, जिसकी कीमत 2.15 रुपऐ प्रति किलोवाट घंटा है।

मध्य प्रदेश सरकार रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) के माध्यम से अपने सबसे बड़े सोलर पार्क से भारतीय रेलवे को सोलर पावर की आपूर्ति कर रही है। वैष्णव ने राज्य में रेलवे विकास को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका के लिए राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव की सराहना की।

उन्होंने देश के परिवहन नेटवर्क के लिए एक टिकाऊ और हरित भविष्य के लिए भारत सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'भारतीय रेलवे नेट जीरो' उत्सर्जन प्राप्त करने और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने, तेल आयात को कम करने और समग्र रसद लागत को कम करने के लिए सड़क से रेल परिवहन में बदलाव करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के कुछ वर्षों में 44 अरब डॉलर होने की उम्मीद : जितेन्द्र सिंह

> **प्रधानमंत्री ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को अनलॉक करने के लिए एक अनूठा निर्णय लिया, मोदी सरकार द्वारा बनाए गए सक्षम वातावरण को श्रेय दिया, जिसने श्रीहरिकोटा के द्वार को निजी क्षेत्र के लिए और अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए खोल दिया: जितेन्द्र सिंह, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री**

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था अगले कुछ वर्षों में 8 अरब डॉलर से बढ़कर 44 अरब डॉलर हो जाने की उम्मीद है, जिससे मूल्य संवर्धन होगा।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग तथा कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को यहां एक बिजनेस कॉन्क्लेव में यह बात कही। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र द्वारा हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला, तथा इस सफलता के पीछे अंतरिक्ष बजट में वृद्धि को एक प्रमुख कारक बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतरिक्ष बजट लगभग तीन गुना बढ़ गया है। वर्ष 2013-14 में 5,615 करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-2026 में 13,416 करोड़ रुपए हो गया है, जो अंतरिक्ष क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डॉ. सिंह ने 2014 को भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को अनलॉक करने के लिए एक अनूठा निर्णय लिया, जो सरकारी नीतियों में एक सक्रिय बदलाव को दर्शाता है। उन्होंने मोदी सरकार द्वारा बनाए गए सक्षम वातावरण को श्रेय दिया, जिसने श्रीहरिकोटा के द्वार को निजी क्षेत्र के लिए और अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए खोल दिया, जिससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के व्यक्तिगत हस्तक्षेप से शुरू किया गया यह रणनीतिक दृष्टिकोण न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड और इन-स्पेस जैसे ढाँचों के माध्यम से सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों के बीच तालमेल बना रहा है, जिससे अंतरिक्ष उद्योग में नवाचार और अवसरों को बढ़ावा मिल रहा है।

टाटा पावर असम में स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में पांच वर्ष में करेगी 3 हजार करोड़ रुपए का निवेश

■ **राज्य में सौर, पवन, जल विद्युत और ऊर्जा भंडारण सहित 5000 मेगावाट तक की अक्षय और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं को जोड़ना लक्ष्य**

गुवाहाटी, 25 फरवरी (एजेंसियां)। टाटा समूह की कंपनी टाटा पावर ने असम में अक्षय ऊर्जा और स्वस्थ विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने की दिशा में यहां चल रहे एडवांटेज असम 2.0 के दौरान मंगलवार को राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत कंपनी अगले पांच वर्षों में राज्य में सौर, पवन, जल विद्युत और ऊर्जा भंडारण सहित 5000 मेगावाट तक की अक्षय और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं को जोड़ने और उनके लिए जरूरी सहायक सुविधाओं पर 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

टाटा पावर की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस समझौता ज्ञापन पर असम सरकार के प्रमुख सचिव विद्युत डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी और टाटा पावर के सीईओ और एमडी डॉ. प्रवीर सिन्हा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और असम सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इसके अंतर्गत असम सरकार पट्टे के आधार पर लगभग 20,000 एकड़ अतिक्रमण-मुक्त सरकारी भूमि की पहचान और आवंटन में सहायता करेगी और सौर, पवन, जलविद्युत और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के लिए उपयुक्त निजी भूमि के अधिग्रहण में सहायता करेगी।

सेबी ने डेरिवेटिव्स मार्केट में स्टॉक्स में हेराफेरी को रोकने के लिए दिया नया प्रस्ताव

> **नोशनल वैल्यू मेथड में सभी फ्यूचर्स और ऑप्शंस कॉन्ट्रैक्ट्स की कुल वैल्यू को बिना वास्तविक मार्केट रिस्क को देखे जोड़ा जाता है और इससे लगता है कि स्टॉक में काफी ज्यादा कारोबार हुआ है: सेबी**

मुंबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इक्विटी डेरिवेटिव्स मार्केट के ओपन इंटरेस्ट (ओआई) के कैलकुलेशन के तरीके में बड़े बदलाव का प्रस्ताव दिया है। सेबी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इक्विटी डेरिवेटिव्स मार्केट के ओआई के कैलकुलेशन के लिए मौजूदा 'नोशनल वैल्यू' की जगह 'फ्यूचर इक्विलेंट' पद्धति पर जाने का सुझाव दिया गया है। इस बदलाव के पीछे सेबी का उद्देश्य उस प्रथा को रोकना है, जिसके तहत डेरिवेटिव्स शेयरों को हेराफेरी के जरिए बैन में धकेल दिया जाता है।

सेबी ने बताया कि मौजूदा नोशनल वैल्यू मेथड में सभी फ्यूचर्स और ऑप्शंस कॉन्ट्रैक्ट्स की कुल वैल्यू को बिना वास्तविक मार्केट रिस्क को देखे जोड़ा जाता है और इससे लगता है कि स्टॉक में काफी ज्यादा कारोबार हुआ है। इस स्थिति में स्टॉक बैन में चला जाता है, जब रिस्क ज्यादा भी नहीं होता। वहीं, प्रस्तावित फ्यूचर इक्विलेंट मेथड में ओपन इंटरेस्ट का कैलकुलेशन कुल वैल्यू की जगह स्टॉक के साथ कॉन्ट्रैक्ट कितना चलता है, इस आधार पर की जाएगी। यह बाजार जोखिम की अधिक सटीक तस्वीर प्रस्तुत करेगा और अनावश्यक ट्रेडिंग प्रतिबंधों को कम करेगा।

डेरिवेटिव्स मार्केट में कोई स्टॉक तभी बैन में जाता है, जब उसकी ट्रेडिंग लिमिट टूट जाती है। इस स्थिति में ट्रेडर अपनी मौजूदा पॉजिशन को समाप्त कर सकता है, लेकिन फ्यूचर्स और ऑप्शंस में नई पॉजिशन नहीं ले सकता है।

सेंसेक्स चढ़ा, निफ्टी फिसला

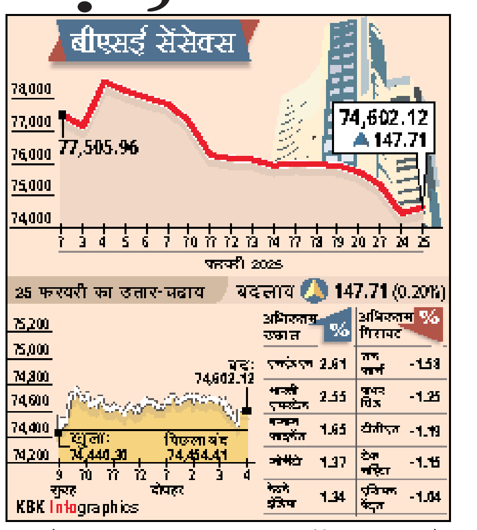

■ **सेंसेक्स 147.71 अंक की तेजी लेकर 74,602.12 अंक पर पहुंचा वहीं निफ्टी 5.80 अंक फिसलकर 22,547.55 अंक पर रहा**

मुंबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, जोमैटो, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक और इंफोसिस समेत 17 कंपनियों में हुई लिवाली की बदौलत आज सेंसेक्स में तेजी लौट आई वहीं बिकवाली के दबाव में निफ्टी मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 147.71 अंक की तेजी लेकर 74,602.12 अंक पर पहुंच गया जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 5.80 अंक फिसलकर 22,547.55 अंक पर आ गया। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में जमकर बिकवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.57 प्रतिशत लुढ़ककर 39,831.17 अंक और स्मॉलकैप 0.45 प्रतिशत कमजोर रहकर 45,052.21 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 4062 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1678 में लिवाली जबकि 2253 में बिकवाली हुई वहीं 131 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 31 कंपनियां लाल जबकि 19 हरे निशान पर बंद हुईं। बीएसई के सात समूहों में तेजी का रुख रहा। इससे सीडी 0.04, एफएमसीजी 0.26, दूरसंचार 0.66, ऑटो 0.43, बैंकिंग 0.02, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.37 और टेक समूह के शेयर 0.01 प्रतिशत मजबूत रहे। वहीं, कमोडिटीज 0.98, ऊर्जा 1.10, इंडस्ट्रियल्स 0.71, आईटी 0.59, कैपिटल गुड्स 0.62, धातु 1.69, तेल एवं गैस 1.34, रियल्टी 1.27, सर्विसेज 1.27 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.70 प्रतिशत चढ़ गए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.43 और जर्मनी के डैक्स में 0.05 प्रतिशत की तेजी रही जबकि जापान का निक्केई 1.39, हांगकांग का हैंगसेंग 1.32 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.80 प्रतिशत गिर गया। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 14 अंक फिसलकर 74,440.30 अंक पर खुला और बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 74,400.37 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। वहीं, लिवाली होने से यह दोपहर से पहले 74,785.08 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 74,454.41 अंक के मुकाबले 0.20 प्रतिशत बढ़कर 74,602.12 अंक हो गया।

वहीं, निफ्टी 37 अंक गिरकर 22,516.45 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,513.90 अंक के निचले जबकि 22,625.30 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,553.35 अंक की तुलना में 0.03 प्रतिशत फिसलकर 22,547.55 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की तेजी पर रही कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.61, भारती एयरटेल 2.55, बजाज फाइनेंस 1.65, जोमैटो 1.37, नेस्ले इंडिया 1.34, बजाज फिनसर्व 0.99, अडानी पोर्ट्स 0.92, मारुति 0.88, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.80, टाइटन 0.80, आईटीसी 0.75, आईसीआईसीआई बैंक 0.60, एचडीएफसी बैंक 0.47, इंडसइंड बैंक 0.40, इंफोसिस 0.23, कोटक बैंक 0.14 और एक्सिस बैंक 0.04 प्रतिशत शामिल है।

वहीं, सन फार्मा 1.58, पावरग्रिड 1.25, टीसीएस 1.19, टेक महिंद्रा 1.15, एशियन पेंट 1.04, टाटा मोटर्स 0.97, एलटी 0.93, अल्ट्रासिम्को 0.93, रिलायंस 0.89, एसबीआई 0.75, एचसीएल टेक 0.46, टाटा स्टील 0.44 और एनटीपीसी के शेयर 0.36 प्रतिशत गिरावट पर रहीं।

जेनएआई का इस्तेमाल कर 10 में से 8 भारतीय डेवलपर अपनी प्रोडक्टिविटी बढ़ाने में सक्षम : रिपोर्ट

■ **कंपनियां अपने वर्कफ्लो में एआई को तेजी से इंटीग्रेट कर रही : बीसीजी**

मुंबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में दस में से आठ डेवलपर्स ने जनरेटिव एआई का इस्तेमाल कर अपनी प्रोडक्टिविटी बढ़ने की जानकारी दी है। एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, नई टेक्नोलॉजी देश में आईटी-इनेबल्ड सर्विस इंडस्ट्री को बदल रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियां अपने वर्कफ्लो में एआई को तेजी से इंटीग्रेट कर रही हैं, जेनएआई अभी शुरुआत है। अगला बड़ा विकास एजेंटिक एआई होगा, जहां एआई सिस्टम असिस्टेंस से आगे बढ़कर स्वायत्त रूप से कार्यों को करने, विफलताओं को प्रीडिक्ट करने और रियल टाइम में संचालन को अनुकूलित करने का काम करते हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की रिपोर्ट के अनुसार, एआई-ड्रिवन ऑटोमेशन के इस लेवल से सॉफ्टवेयर रिलीज तेज हो सकते हैं, परिचालन लागत कम हो सकती है और डाउनटाइम लगभग शून्य हो सकता है। हालांकि, इस भविष्य को प्राप्त करना आज जेनएआई में एक मजबूत नींव बनाने पर निर्भर करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तकनीक अब केवल एक एक्सपेरिमेंट नहीं है। यह सॉफ्टवेयर विकास में क्रांति ला रही है, कोडिंग, टेस्टिंग और डिप्लॉयमेंट को तेज और अधिक कुशल बना रही है। दशकों से, भारत ग्लोबल आईटी सर्विस की रीढ़ रहा है, जो सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में बेहतरीन है।

हालांकि, जैसे-जैसे एआई इंडस्ट्री को नया आकार दे रहा है, कंपनियों को पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़ना चाहिए और अपने वर्कफ्लो में जेनएआई को पूरी तरह से इंटीग्रेट करना चाहिए।

सार संक्षेप

भारत में मजबूत सेल्स, सर्विस और सपोर्ट नेटवर्क बनाने की तैयारी कर रही टेस्ला

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में मजबूत सेल्स, सर्विस और सपोर्ट नेटवर्क बनाने की तैयारी कर रही है। यह जानकारी मंगलवार को एक रिपोर्ट में दी गई। लीडिंग डेटा और एनालिटिक्स कंपनी ग्लोबल डेटा की रिपोर्ट में बताया गया कि टेस्ला भारत में अपने नियुक्ति प्रयासों को बढ़ा रहा है, जो देश में उसकी उपस्थिति को मजबूत करने की रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही बताया कि भारत में भर्ती शुरू करना, देश के ईवी मार्केट पर कंपनी के बढ़ते फोकस को दिखाता है। रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी द्वारा मुंबई और पुणे में निकाली गई 15 भर्ती से पता लगता है कि कंपनी भारत में मजबूत सेल्स, सर्विस और सपोर्ट नेटवर्क बनाने की तैयारी कर रही है।

युवाओं को सशक्त बनाने के लिए केंद्र ने स्टैटिक्स हैकथॉन किया लॉन्च

नई दिल्ली। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) माईगव के सहयोग से 'इनोवेट विद गोआईस्टेट्स' टाइटल से एक रोमांचक डेटा-विजुअलाइजेशन हैकथॉन लॉन्च कर रहा है, जो 'विकसित भारत के लिए डेटा-ड्रिवन इनसाइट' थीम पर केंद्रित है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, हैकथॉन का उद्देश्य भारत के युवा और तेज दिमाग वाले छात्रों और शोधकर्ताओं को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा तैयार किए गए विशाल आधिकारिक आंकड़ों का इस्तेमाल कर इनोवेटिव डेटा-ड्रिवन इनसाइट बनाने के लिए प्रेरित करना है। यह हैकथॉन माईगव प्लेटफॉर्म पर 25 फरवरी से 31 मार्च तक चलेगा। स्नातक या स्नातकोत्तर अध्ययन करने वाले या शोध करने वाले छात्र इसमें भाग ले सकते हैं।

एडवांटेज असम 2. समिट में आए निवेश से राज्य के आर्थिक विकास को मिलेगी रफ्तारः इंडस्ट्री लीडर्स

गुवाहाटी। एडवांटेज असम 2. इन्वेस्टमेंट और इन्फ्रास्ट्रक्चर समिट 225 जैसे आयोजनों से राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बूस्ट मिलेगा और साथ ही आर्थिक विकास में भी तेजी आएगी। यह बयान मंगलवार को इंडस्ट्री लीडर्स द्वारा दिया गया। स्टार सीमेंट लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, प्रदीप पुरोहित ने कहा कि स्टार सीमेंट असम में 2 वर्षों से है। यहां हम अपना प्लांट लगाने के साथ-साथ अहम पुलों और प्रोजेक्ट्स को सीमेंट की आपूर्ति देकर इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि एडवांटेज असम 2. समिट में देश के बड़े-बड़े उद्योगपति आए हैं। इससे राज्य को काफी सारा निवेश मिला है। निवेश आने से असम के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बूस्ट मिलेगा और साथ ही आर्थिक विकास को भी रफ्तार मिलेगी।

सरसों और वनस्पति तेल महंगा

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव बढ़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में सरसों तेल और वनस्पति तेल महंगा हो गया वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा नौ रिंगिट फिसलकर 4722 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.35 सेंट की तेजी के साथ 46.65 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में सरसों तेल 365 रुपए और वनस्पति तेल 292 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, और पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

जनवरी में बढ़ा क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल खर्च में दोहरे अंकों की वृद्धि

■ **जनवरी 2025 में सालाना आधार पर 10.8 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपए हो गया**

मुंबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। आरबीआई द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार क्रेडिट कार्ड के जरिए उपभोक्ता व्यय जनवरी 2025 में सालाना आधार पर 10.8 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जिसमें एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक ने सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है। देश के लीडिंग क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता एचडीएफसी बैंक ने जनवरी में सालाना आधार पर 15.91 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 50,664 करोड़ रुपए खर्च किए गए, जबकि आईसीआईसीआई बैंक का क्रेडिट कार्ड खर्च 20.25 प्रतिशत बढ़कर 35,682 करोड़ रुपए हो गया।

हालांकि, एसबीआई ने 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज करते हुए 28,976 करोड़ रुपए दर्ज किए। इसी तरह, एक्सिस बैंक के ग्राहकों का खर्च जनवरी में 0.45 प्रतिशत घटकर 20,212 करोड़ रुपए रह गया। महीने के दौरान प्रति कार्ड व्यय 16,910 रुपए रहा, जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 1.09 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। एचडीएफसी बैंक ने जनवरी में 2,99,761 नए क्रेडिट कार्ड जारी किए, जबकि एसबीआई कार्ड्स ने 2,34,537 नए कार्ड जोड़े और आईसीआईसीआई बैंक ने 1,83,157 क्रेडिट कार्ड जारी किए। हालांकि, महीने के दौरान एक्सिस बैंक के नेट क्रेडिट कार्ड में 14,862 की गिरावट आई। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में क्रेडिट कार्ड की संख्या दोगुनी से अधिक बढ़कर लगभग 10.8 करोड़ हो गई है, लेकिन डेबिट कार्ड की संख्या स्थिर रही है।

आरबीआई के ऑनलाइन लेनदेन को अपनाने को मापने वाले सूचकांक के अनुसार, सितंबर 2024 तक पूरे भारत में डिजिटल भुगतान में सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत की दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। आरबीआई ने हाल ही में अपनी एक रिपोर्ट में इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि यूपीआई अपनी उपयोगिता और उपयोग में आसानी के कारण भारत में डिजिटल भुगतान के विकास में सबसे महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, देश के डिजिटल भुगतानों में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की हिस्सेदारी 2019 में 34 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 83 प्रतिशत हो गई है।

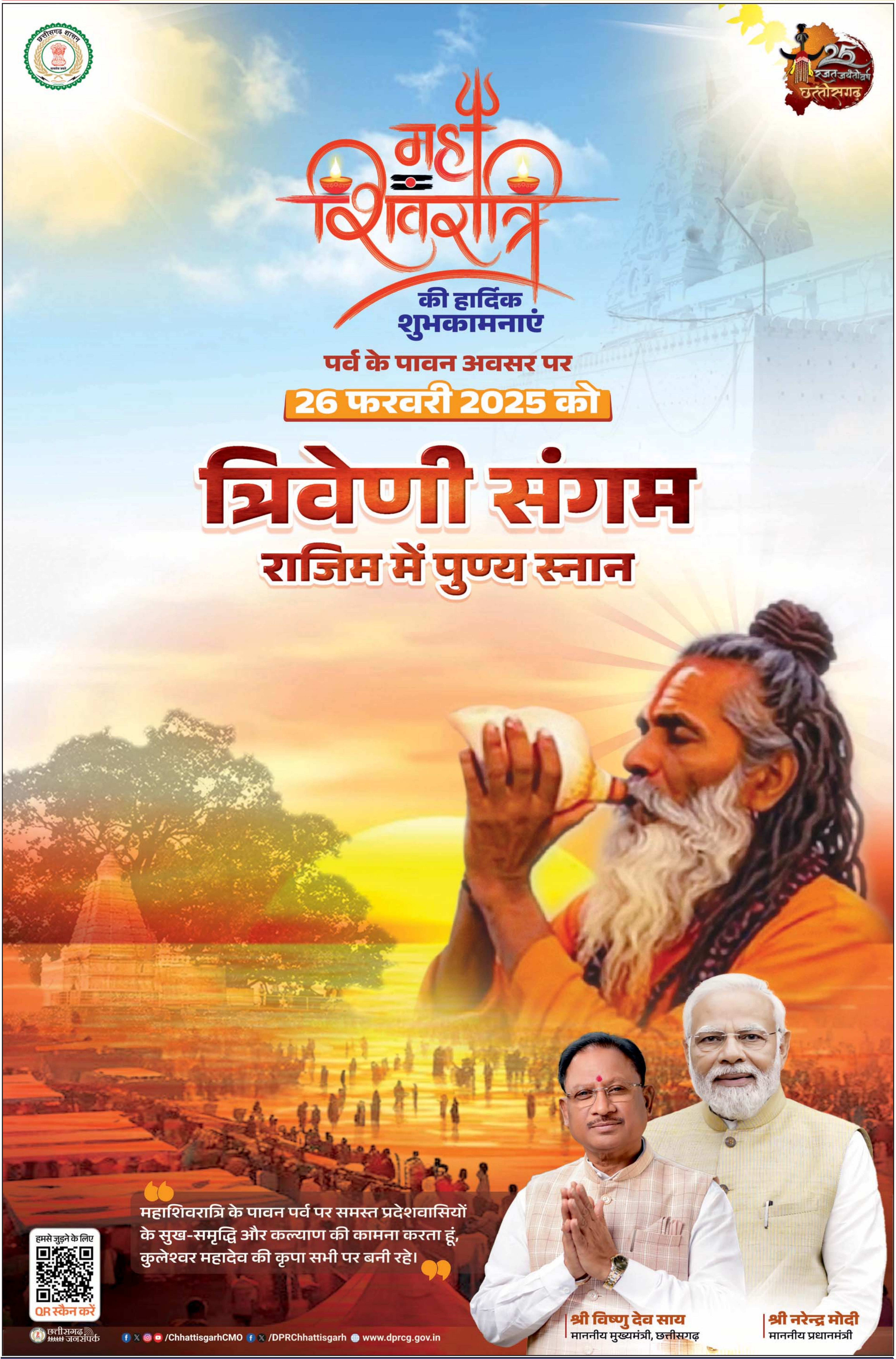

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक– राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन– 52158/91 डाक पंजीयन 112–002/2002 सी जी फोन– 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188